MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 26 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-82

जंग में पाक की मध्यस्थता के सवाल पर बोले जयशंकर

भारत कोई दलाल राष्ट्र नहीं

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने बुधवार को पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात और भारत पर इसके प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सरकार ने सभी राजनीतिक दलों को सूचित किया कि तेल भंडार और एलपीजी स्टॉक के मामले में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया कि भारत ऊर्जा जरूरतों के लिए अन्य देशों से बातचीत कर रहा है और जल्द ही तेल की और खेप भारत पहुँचेगी। संघर्ष में पाकिस्तान की मध्यस्थता की खबरों पर कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार ने कहा कि भारत कोई दलाल (ब्रोकर) राष्ट्र नहीं है। हालांकि, सांसदों ने ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या पर सरकार की चुप्पी, प्रवासी भारतीयों की स्थिति और एलपीजी की कमी पर कई सवाल उठाए।

मोदी ने ट्रंप से कहा ` युद्ध किसी के हित में नहीं

सांसदों को जानकारी देते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट संदेश दिया है कि पश्चिम एशिया का युद्ध हर किसी को नुकसान पहुँचा रहा है, इसलिए इसे जल्द समाप्त होना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा कथित मध्यस्थता के प्रयासों को खारिज करते हुए उन्होंने उसे दलाल राष्ट्र करार दिया और कहा कि उसकी मध्यस्थता में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि 1981 से ही अमेरिका उस देश का इस्तेमाल करता आया है।

विपक्ष के आरोपों का खंडन और कूटनीतिक जीत का दावा

सरकार ने विपक्ष के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि नई दिल्ली इस मुद्दे पर खामोश है। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त करने में ''नैतिक कमजोरी'' दिखाने के आरोप पर सरकार ने रेखांकित किया कि जैसे ही नई दिल्ली में ईरानी दूतावास खुला, विदेश सचिव ने तुरंत वहां जाकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। सरकार ने 'स्ट्रेट ऑफ के माध्यम से भारतीय जहाजों की सफल आवाजाही को एक बड़ी कूटनीतिक जीत बताया और कहा कि आने वाले दिनों में और भी जहाज इस क्षेत्र को पार करेंगे।

ऊर्जा संकट और कालाबाजारी पर पेट्रोलियम मंत्री का आश्वासन

एलपीजी, सीएनजी और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सांसदों को पर्याप्त आपूर्ति का आश्वासन दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि घबराहट की स्थिति के कारण कालाबाजारी की कुछ घटनाएं सामने आई थीं जिससे किल्लत महसूस हुई, लेकिन अब ईंधन की निरंतर आपूर्ति के लिए व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू सहित सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति के सभी सदस्य शामिल थे।

विपक्ष की प्रतिक्रिया और बैठक का बहिष्कार

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने बैठक को असंतोषजनक बताया और कहा कि पाकिस्तान जैसा छोटा देश आज मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

वहीं, टीएमसी ने संसद सत्र के दौरान इस बैठक का बहिष्कार किया। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार ने विपक्ष के सभी सवालों के विस्तृत जवाब दिए हैं और अंत में सभी दलों ने संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ एकजुट रहने का संकल्प लिया है।

आप नेता संजय सिंह और माकपा के जॉन ब्रिटास ने भी ईरान के साथ संबंधों और प्रधानमंत्री की तेल अवीव यात्रा को लेकर सरकार से तीखे सवाल पूछे।

पीएनजी कनेक्शन अनिवार्य

3 महीने का नोटिस, नहीं लिया तो एलपीजी सप्लाई होगी बंद

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला एलपीजी सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026 लागू किया है, जिसके तहत अब पाइप वाली गैस का कनेक्शन लेना अनिवार्य हो गया है। सरकार ने 14 मार्च को ही पीएनजी कनेक्शन को लेकर नए नियम जारी किए थे। इसके तहत अगर आपके घर में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन है, तो अब आपको अपना एलपीजी सिलेंडर सरेंडर करना होगा। नए आदेश के मुताबिक, पीएनजी यूजर्स को न तो नया एलपीजी कनेक्शन मिलेगा और न ही पुराना सिलेंडर रिफिल होगा। सरकार इससे पहले एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को लेकर 4 बार नए नियम जारी कर चुकी है।

नोटिफिकेशन में लिखा है कि पीएनजी कनेक्शन के लिए आ-वेदन घर का कानूनी कब्जाधारी या मालिक कर सकता है। यानी आप किराएदार के तौर पर खुद भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता, तो 90 दिन बाद उसकी एलपीजी सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी। आपके पास पीएनजी कनेक्शन लगाने का नोटिस आने पर दो रास्ते हैं:

मकान मालिक के जरिए: मकान मालिक से बात करके उनके नाम पर कनेक्शन लगवा सकते हैं। यह सबसे आसान तरीका है क्योंकि पाइपलाइन फिक्स्ड प्रॉपर्टी का हिस्सा बन जाती है।

किराएदार के नाम पर: गैस कंपनियां किराएदारों को भी कनेक्शन देती हैं। इसके लिए आमतौर पर रेंट एग्रीमेंट और मकान मालिक से एक अनापत्ति प्रमाणपत्र की जरूरत होगी। अगर आपके नाम पर पहले से एलपीजी कनेक्शन है तो उसे सरेंडर करना होगा।

▶10 पर

ट्रंप की समयसीमा को ईरान ने किया खारिज

रखीं 5 कड़ी शर्तें

तेहरान/नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की समयसीमा तय करने की किसी भी कोशिश को सख्ती से खारिज कर दिया है और अमेरिकी प्रस्ताव को एकतरफा करार दिया है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध खत्म करने का फैसला पूरी तरह ईरान के हाथ में है और वह केवल अपनी शर्तों पर ही संघर्षविराम के लिए तैयार होगा। ईरान के सरकारी चैनल प्रेस टीवी के अनुसार, तेहरान ने युद्ध समाप्त करने के अमेरिकी प्रस्ताव की समीक्षा की है, लेकिन उसकी शर्तें उसे स्वीकार्य नहीं हैं। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि इस प्रस्ताव पर ईरान की शुरुआती प्रतिक्रिया सकारात्मक नहीं है, हालांकि इस पर अभी विचार किया जा रहा है।

तेहरान ने स्पष्ट किया कि युद्ध खत्म करने का फैसला पूरी तरह ईरान के हाथ में है। ईरान ने साफ कहा कि हम ट्रंप को युद्ध समाप्ति का समय तय करने की अनुमति नहीं देंगे और तभी संघर्षविराम पर सहमत होंगे जब हमारी सभी शर्तें पूरी तरह मानी जाएंगी। तेहरान ने जोर देकर कहा कि उसकी रक्षात्मक कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक उसकी सभी शर्तें पूरी नहीं हो जातीं।

ईरान की 5 प्रमुख मांगें

ईरान ने युद्धविराम के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं:

पहली शर्त: दुश्मन की ओर से हमला और हत्याएं पूरी तरह रोकना।

दूसरी शर्त: ऐसा मैकेनिज्म तैयार करना, जिसके तहत ईरान पर दोबारा युद्ध थोपा ना जा सके।

तीसरी शर्त: युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई और मुआवजे के भुगतान की स्पष्ट और गारंटीयुक्त व्यवस्था।

चौथी शर्त: पूरे क्षेत्र में शामिल सभी मोर्चों और सभी प्रतिरोधी समूहों के लिए युद्ध का पूर्ण समापन।

पांचवीं शर्त: होर्मुज पर अपने अधिकार के प्रयोग को लेकर ईरान के संप्रभु अधिकार की अंतरराष्ट्रीय मान्यता और गारंटी।ईरान ने अपनी प्रमुख मांगों में होर्मुज पर अपनी संप्रभुता को मान्यता देने की बात कही है, जिसे उन्होंने अपना स्वाभाविक और कानूनी अधिकार बताया है। इसके साथ ही उसने युद्ध में हुए नुकसान की जिम्मेदारी तय करने और मुआवजे की गारंटी की भी मांग की है। इसके अलावा, ईरान ने भविष्य में ऐसे किसी युद्ध की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस आश्वासन मांगे हैं। उसने यह भी कहा कि वह न केवल अपने खिलाफ युद्ध समाप्त करना चाहता है, बल्कि क्षेत्र में अन्य प्रतिरोधी समूहों के खिलाफ जारी संघर्ष भी खत्म होना चाहिए।

ईरान का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से अमेरिका के 15 प्वॉइंट वाले युद्धविराम प्रस्ताव को ईरान तक पहुंचाया है। यह मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच बैकचैनल कूटनीति का एक अहम कदम माना जा रहा है। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिकी प्रस्ताव में तनाव कम करने के लिए एक व्यापक ढांचा शामिल है। इसके मुख्य बिंदुओं में ईरान पर कुछ प्रतिबंधों में ढील, उसके मिसाइल कार्यक्रम पर सीमाएं और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की कड़ी निगरानी में उसके परमाणु कार्यक्रम को पीछे लेना शामिल है। इसके अलावा, प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय निगरानी के तहत नागरिक परमाणु सहयोग और होर्मुज से सुरक्षित समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करने की बात भी कही गई है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके बदले में अमेरिका लगभग एक महीने के अस्थायी युद्धविराम की मांग कर रहा है, ताकि औपचारिक वार्ता के लिए समय मिल सके। योजना की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के कम से कम 1,000 सैनिकों को मध्य पूर्व भेजा जाएगा। ये पैराट्रूपर्स ऐसे सैनिक होते हैं जो दुश्मन या विवादित क्षेत्रों में कूदकर महत्वपूर्ण इलाकों और हवाई अड्डों पर कब्जा करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं।इसके अलावा, पेंटागन लगभग 5,000 और मरीन सैनिकों को भी भेजने की प्रक्रिया में है, जो समुद्री हमलों में विशेषज्ञ होते हैं, साथ ही हजारों नाविकों को भी इस क्षेत्र में तैनात किया जाएगा।

अमेरिका में मिसाइल भंडार खत्म होने की कगार पर

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच अमेरिका ने हथियारों को लेकर तीन बड़े करार किए हैं, जिसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या अमेरिका में मिसाइल और रॉकेट घटने लगे हैं। यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई और ईरान से लड़ते हुए अमेरिका को ▶10 पर

वंदे भारत में खराब भोजन!

सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख और आईआरसीटीसी पर 10 लाख का जुर्माना, कॉन्ट्रैक्ट रद्द

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस में खाने की गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। रेलवे ने अपनी ही कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जबकि संबंधित सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख रुपये का जुर्माना और कॉन्ट्रैक्ट समाप्त करने की कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई पटना से टाटानगर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में भोजन की गुणवत्ता को लेकर मिली शिकायत के बाद की गई है।

जानकारी के अनुसार, 15 मार्च 2026 को ट्रेन संख्या 21896 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत को रेलवे ने गंभीरता से लिया और जांच के बाद कार्रवाई की गई। रेलवे ने आईआरसीटीसी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा संबंधित सर्विस प्रोवाइडर पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उस कंपनी के कॉन्ट्रैक्ट को समाप्त करने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता

वंदे भारत में खाने की गुणवत्ता पर उठे सवालों को देखते हुए रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और उन्हें मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही या मानकों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारतीय रेलवे अपने विशाल नेटवर्क के जरिए हर दिन लाखों यात्रियों को सेवाएं प्रदान करता है। आईआरसीटीसी के माध्यम से प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़े ऑनबोर्ड फूड ऑपरेशनों में से एक माना जाता है।

रेलवे का कहना है कि इस तरह के बड़े नेटवर्क में गुणवत्ता बनाए रखना बेहद जरूरी है। इसलिए जब भी किसी तरह की शिकायत सामने आती है, तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जाती है।

इस घटना के बाद रेलवे ने स्पष्ट कर दिया है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। खाने की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर जिम्मेदार एजेंसियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

अन्य सेवा प्रदाताओं को चेतावनी

खराब सेवा पर कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के आदेश यह कार्रवाई उन सभी सेवा प्रदाताओं के लिए भी एक संदेश है कि यात्रियों को बेहतर सेवा देना उनकी जिम्मेदारी है। रेलवे ने कहा है कि आगे भी इस तरह की शिकायतों पर नजर रखी जाएगी और जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

68% अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया में

मोदी नंबर 1

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर वैश्विक स्तर पर सबसे लोकप्रिय नेता बनकर उभरे हैं। अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के ताजा सर्वे के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी को 68 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली है, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं में पहले स्थान पर बनाए रखती है। मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 2 से 8 मार्च के बीच किए गए सर्वे में पीएम मोदी अपने वैश्विक समकक्षों से काफी आगे नजर आए।

यह रैंकिंग लगातार तीसरी बार सत्ता में रहने के बावजूद उनकी लोकप्रियता और मजबूत नेतृत्व को दर्शाती है। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग रहे, जिन्हें 62-62 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग प्राप्त हुई। तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः चेक गणराज्य और अर्जेंटीना के नेता रहे, जिन्हें 57 और 56 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग मिली। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सूची के टॉप-10 में जगह नहीं बना सके और उन्हें केवल 39 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली। अन्य वैश्विक नेताओं की बात करें तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को 24 प्रतिशत और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को मात्र 17 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली, जिससे वे सूची में काफी पीछे रहे।

गौरतलब है कि पीएम मोदी ने हाल ही में भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

रुस-चीन की तकनीक से मिली ताकत, ईरानी मिसाइलें लगा रहीं सटीक निशानें

ईरान ने दागी डिएगो गार्सिया पर बलिस्टिक मिसाइलें, पश्चिम देश टेंशन में

तेहरान, 25 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान ने शुक्रवार को दुनिया को एक नई तरह की जंग की झलक दिखाई। ऐसी जंग जिसमें सिर्फ मिसाइलें ही नहीं, बल्कि सैटलाइट और एआई भी बराबरी से शामिल रहा। ईरान ने करीब 3800 किमी दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर लंबी दूरी की बलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि ये मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन इस घटना ने डिफेंस सेक्टर में हलचल मचा दी है। रूस के मिसाइल लान्च सिस्टम, चीन के सैटलाइट, एआई सर्विलांस और ईरान के मिसाइल सिस्टम का ऐसा गठजोड़ दिखा कि पश्चिमी देश टेंशन में आ गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैसे फोन में गूगल मैप्स काम करता है और हमें रास्ता दिखाता है, उसी तरह दुनिया भर के देशों के पास अपने सैटलाइट नेविगेशन सिस्टम हैं। अमेरिका के पास जीपीएस है, रूस के पास ग्लोनास और यूरोप के पास गेल्लियो है। इसी तरह चीन का अपना सिस्टम ब्याडियो है। अब फर्क यह है कि जीपीएस पर अमेरिका का कंट्रोल होता है यानी अगर युद्ध की स्थिति हो, तो अमेरिका दुश्मन देश के जीपीएसस सिग्नल को कमजोर या बंद कर सकता है। इसे जैमिंग या स्पूफिंग कहा जाता है।

यहीं से कहानी में ट्विस्ट आता है। पिछले कुछ साल में ईरान को यह समझ आ गया कि अगर वह जीपीएस पर निर्भर रहेगा, तो युद्ध के समय उसकी मिसाइलें भटक सकती हैं। इसलिए उसने धीरे-धीरे चीन के ब्याडियो सिस्टम का इस्तेमाल किया। ब्याडियो का फायदा यह है कि इसके मिलिट्री सिग्नल ज्यादा सुरक्षित होते हैं और इन्हें जाम करना आसान नहीं होता। मिसाइल को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए रास्ता चाहिए होता है, ठीक वैसे ही जैसे आपको किसी नई जगह जाने के लिए गूगल मैप की जरूरत होती है। पहले मिसाइलें सिर्फ इनर्शियल सिस्टम यानी अंदर लगे सेंसर के भरोसे चलती थीं, लेकिन यह सिस्टम थोड़ी बहुत गलती कर सकता है। जब इसमें ब्याडियो जैसा सैटलाइट सिस्टम जुड़ जाता है, तो मिसाइल को लगातार अपडेट मिलता रहता है कि सही रास्ते पर हैं या नहीं। इससे किसी भी मिसाइल की सटीकता बढ़ जाती है। ईरान की मिसाइलें इसी वजह से सटीक लोकेशन पर हमला कर रही हैं।

जानकारी के मुताबिक गलती सिर्फ 1 मीटर से कम। जीपीएस के सिविलियन वर्जन में 5-10 मीटर है। मिलिट्री सिग्नल में फ्रीक्वेंसी हापिंग और आथेंटिकेशन है यानी इसके सिग्नल को आसानी से नहीं रोका जा सकता। मिसाइल उड़ते समय भी 2000 किमी दूर से कमांड भेज सकते हैं यानी रास्ता बदल सकते हैं। एक्सपर्ट्स का दावा है कि ब्याडियो खुद एआई पर नहीं चलता, लेकिन ईरान की मिसाइल में जो रिसीवर होता है, उसमें एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक रिपोर्ट में फ्रेंच इंटेलिजेंस के पूर्व डायरेक्टर अलैन जुइलेट ने कहा कि ईरान की मिसाइलें अब पहले से ज्यादा सटीक हैं। जीपीएस की जगह चाइनीज सिस्टम इस्तेमाल करने से यह हो रहा है। चीन के ब्याडियो में करीब 45 सैटलाइट्स हैं, जो खाड़ी देशों और हिंद महासागर में अच्छा कवरेज देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव, ज़ोलघाद्र बने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच मसूद पेजेशकियान ने देश की सुरक्षा संरचना में अहम बदलाव करते हुए पूर्व आईआरजीसी कमांडर मोहम्मद बगेर जोलघाद्र को सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) का नया सचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की मंजूरी के बाद की गई है। जोलघाद्र ने इस पद पर अली लारीजानी का स्थान लिया है, जिनकी हाल ही में एक हवाई हमले में मौत हो गई थी। राज्य मीडिया के अनुसार, जोलघाद्र ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) में ब्रिगेडियर जनरल रह चुके हैं और इससे पहले एक्सपीडिएंसी काउंसिल के सचिव के रूप में कार्य कर रहे थे। उनका सैन्य और रणनीतिक अनुभव इस संवेदनशील पद के लिए अहम माना जा रहा है। सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का सचिव पद ईरान की सुरक्षा और विदेश नीति के निर्धारण में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह परिषद सीधे सर्वोच्च नेता को रिपोर्ट करती है और देश के रणनीतिक फैसलों में केंद्रीय भूमिका निभाती है। मौजूदा क्षेत्रीय संघर्ष और अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच यह नियुक्ति ईरान की सुरक्षा नीति को और सख्त और संगठित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

चीन ने ईरान से जल्द शांति वार्ता शुरू करने की अपील की

बीजिंग/तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वांग यी ने अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत कर जल्द से जल्द शांति वार्ता शुरू करने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा हालात में सभी पक्षों को हर अवसर का लाभ उठाकर बातचीत की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संघर्ष का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति के जरिए ही संभव है। इस दौरान ईरान के विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि उनका देश केवल अस्थायी युद्धविराम नहीं, बल्कि स्थायी समाधान चाहता है। उन्होंने चीन की ओर से दी जा रही मानवीय सहायता के लिए आभार भी जताया। यह बातचीत ईरान के अनुरोध पर हुई, जो क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के बीच कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने का संकेत माना जा रहा है। चीन ईरान का एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है और पहले भी शांति की अपील करता रहा है। हालांकि, चीन ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हुए हमलों का खुलकर समर्थन नहीं किया है, जिससे उसकी संतुलित कूटनीतिक नीति भी सामने आती है।

जापान में चौथी कक्षा तक नहीं होती बड़ी परीक्षा

टोक्यो। जापान का शिक्षा माडल कई मायनों में बेहद खास माना जाता है। यहां लगभग 10 साल की उम्र यानी चौथी कक्षा तक बच्चों की कोई बड़ी परीक्षा नहीं ली जाती। यहां स्कूलों में शुरुआती कक्षाओं के बच्चों पर न तो भारी किताबों का बोझ डाला जाता है और न ही उन्हें परीक्षाओं के तनाव से गुजरना पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य शुरुआती वर्षों में बच्चों के दिमाग में केवल जानकारी भरना नहीं, बल्कि उनके चरित्र और व्यवहार का निर्माण करना होता है। भारत जैसे देशों में जहां किंडरगार्टन स्तर से ही बच्चों के बीच अंकों और रैंक की प्रतिस्पर्धा शुरू हो जाती है, वहीं जापान का नो एग्जाम माडल एक अलग दृष्टिकोण पेश करता है। जापानी स्कूलों में बच्चों को सबसे पहले अच्छा इंसान बनना सिखाया जाता है। पढ़ाई के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और शिष्टाचार पर विशेष जोर दिया जाता है। यही कारण है कि जापान के बच्चों को दुनिया के सबसे अनुशासित और धैर्यवान छात्रों में गिना जाता है। जापान में शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छी नौकरी हासिल करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और सभ्य समाज का निर्माण करना है। वहां माना जाता है कि 10 साल से कम उम्र के बच्चे मानसिक रूप से इतने परिपक्व नहीं होते कि वे परीक्षा के दबाव को सही तरीके से समझ सकें। इसलिए शुरुआती कक्षाओं में उन्हें दूसरों का सम्मान करना, खासकर बुजुर्गों का आदर करना, और जानवरों व प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना सिखाया जाता है। जापानी स्कूलों की एक और खास बात यह है कि वहां सफाई के लिए अलग से कर्मचारी नहीं रखे जाते। बच्चे खुद अपनी कक्षा, गलियारों और यहां तक कि टायलेट तक साफ करते हैं। इस प्रक्रिया को ओ-सोजी कहा जाता है।

अमेरिका में गृह सुरक्षा विभाग की बजट फंडिंग और सीमा सुरक्षा पर खींचतान जारी

वाशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका में बजट फंडिंग और सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के बीच खींचतान जारी है। सीनेट डेमोक्रेट्स ने मंगलवार को कहा कि वे गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) को फिर से खोलने (बजट फंडिंग) के लिए किसी भी समझौते के हिस्से के तौर पर, आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) में सुधारों के लिए जोर देते रहेंगे। इससे फंडिंग की रुकावट का कोई हल निकालने की रिपब्लिकन पार्टी की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट में अल्पमत दल के नेता और न्यूयार्क के सीनेटर चक शूमर ने यूएस कैपिटल में संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें आईसीई पर लगाम लगानी होगी और हिंसा रोकनी होगी। हमें सुधारों की जरूरत है। इससे पहले सोमवार देर रात बातचीत में एक बड़ी सफलता मिलने के बाद सीनेट रिपब्लिकंस ने मंगलवार को डेमोक्रेट्स को एक औपचारिक प्रस्ताव भेजा। रिपब्लिकंस के एक समूह ने सोमवार शाम को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की और एक संभावित समझौते को लेकर आशावादी होकर कैपिटल लौटे। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उनके पास कोई हल है तो अलबामा की सीनेटर केटी ब्रिट ने कहा, हां, हमारे पास है।

लेकिन मंगलवार दोपहर को एक अहम बैठक के बाद डेमोक्रेट्स ने इस प्रस्ताव पर पानी फेर दिया और आईसीई में सुधारों की अपनी मांगों को दोहराया। जनवरी में मिनियापोलिस में फ़ेडरल एजेंट्स की गोलीबारी की घटनाओं के बाद डेमोक्रेट्स ने सुधारों के बिना इस एजेंसी को फंड देने से इनकार कर दिया है। शूमर ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के प्रस्ताव में इमिग्रेशन एजेंसी के लिए कोई सुधार शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत अभी भी जारी है और हम उन्हें अपना प्रस्ताव वापस भेजेंगे। शूमर ने कहा, और मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि इसमें काफी अहम सुधार शामिल होंगे। साउथ डकोटा के रिपब्लिकन सीनेट मेजोरिटी लीडर जान थून ने पत्रकारों को बताया कि रिपब्लिकन पार्टी का प्रस्ताव डीएचएस के बजट का 94 प्रतिशत हिस्सा फंड करेगा। आईसीई की डिपोर्टेशन विंग (एनफोर्समेंट एंड रिमूवल आपरेशंस) के लिए 5.5 बिलियन डालर सुरक्षित रखा जाएगा। थून ने मंगलवार को कहा कि कई सुधार आईसीई की फंडिंग पर निर्भर हैं। सीनेट में डेमोक्रेट्स की तरफ से फंडिंग मामलों की प्रमुख वाशिंगटन की सीनेटर पैटी मरे ने साफ कर दिया कि डेमोक्रेट्स मामूली सुधारों के लिए लगातार ज़ोर डाल रहे हैं। उनकी मुख्य शर्त यह है कि सुधारों को कानून का रूप जरूर मिलना चाहिए। उधर, हाल के हफ्तों में डेमोक्रेट्स और व्हाइट हाउस के बीच प्रस्तावों का आदान-प्रदान होता रहा है। पिछले हफ्ते सीनेटरों के एक द्विदलीय समूह ने सीमा मामलों के प्रमुख (बार्डर जार) टाम होमन से दो बार मुलाकात की। यह सब इस गतिरोध को खत्म करने के बढ़ते दबाव के बीच हुआ।

मरे ने कहा कि आईसीई सुधारों के लिए जोर डालते हुए उनकी और सीनेट के अन्य डेमोक्रेट्स की व्हाइट हाउस के साथ सार्थक बैठकें हुई हैं। ये बैठकें तब और भी ज्यादा सार्थक होतीं, अगर राष्ट्रपति सोशल मीडिया पर लगातार नई और बेतुकी मांगें न करते। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन के साथ किसी बात पर आम सहमति बनाना बहुत मुश्किल होता है, जब यह साफ ही न हो कि उनके अपने ही लोगों के बीच कोई आम सहमति है या नहीं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को डीएचएस की फंडिंग पर चल रही बातचीत में तब अड़चन डाल दी, जब उन्होंने रिपब्लिकन से कहा कि वे कोई समझौता न करें। उन्होंने तर्क दिया कि सांसदों को डीएचएस की फंडिंग को सेव अमेरिका एक्ट से जोड़ देना चाहिए। राष्ट्रपति पिछले कई हफ्तों से सांसदों पर इस चुनाव विधेयक को मंजूरी देने का दबाव डाल रहे हैं। इस विधेयक के तहत, मतदान पंजीकरण कराने के लिए नागरिकता का प्रमाण देना जरूरी होगा, और वोट डालने के लिए फोटो पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। डेमोक्रेट्स इस विधेयक का कड़ा विरोध कर रहे हैं। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में कहा कि डेमोक्रेट्स ने समझौते को तोड़ दिया है।

श्रीलंका के समुद्र में छिपा अरबों डालर का तेल-गैस भंडार, बदल सकती है क्षेत्र की ऊर्जा तस्वीर

कोलंबो, 25 मार्च (एजेंसियां)।

तीन ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस और अरबों बैरल तेल की संभावना

श्रीलंका के समुद्री क्षेत्रों में विशाल प्राकृतिक संसाधनों के भंडार की संभावना ने वैश्विक ऊर्जा विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश के आफशोर क्षेत्रों में करीब तीन ट्रिलियन क्यूबिक फीट तक प्राकृतिक गैस और कई अरब बैरल कच्चे तेल के भंडार होने का अनुमान लगाया गया है। सलिया विक्रमसूर्या के हवाले से बताया गया है कि यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो श्रीलंका की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है। इतना ही नहीं, इससे क्षेत्रीय देशों को भी सस्ती ऊर्जा आपूर्ति का लाभ मिल सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इन संसाधनों का व्यावसायिक दोहन फिलहाल आसान नहीं है। मौजूदा समय में यह प्रक्रिया शुरुआती चरण में है और निकट भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने की संभावना कम बताई जा रही है। इसके लिए व्यापक निवेश, तकनीकी विशेषज्ञता और लंबे समय तक चलने वाली खोज प्रक्रिया की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुमान हाल के वर्षों में किए गए बेसिन माडलिंग और भूकंपीय (सीस्मिक) डेटा के विश्लेषण पर आधारित है। इन तकनीकी अध्ययनों से समुद्र के नीचे छिपे संसाधनों की बेहतर समझ मिली है, लेकिन अभी भी वास्तविक पुष्टि और निष्कर्ष के लिए और गहन शोध की आवश्यकता है। श्रीलंका ने इस दिशा में निवेश को आकर्षित करने के लिए नया रेगुलेटरी ढांचा भी तैयार किया है। इसमें पेट्रोलियम संसाधन अधिनियम 2021 शामिल है, जिसका उद्देश्य आफशोर संसाधनों की खोज में पारदर्शिता बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों का भरोसा जीतना है। इसके तहत लाइसेंसिंग प्रक्रिया को आसान और खुला बनाया गया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कंपनियां अधिक रुचि दिखा सकें। वहीं, वैश्विक स्तर पर बढ़ते ऊर्जा संकट के बीच यह खबर काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

किम जोंग बोले- परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था

प्योंगयांग। नार्थ कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया।अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे ताकि अमेरिका को रोका जा सके। किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नार्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है।

ट्रंप की वीजा पालिसी से भारत व चीन को बड़ा नुकसान, 84000 की कमी

वाशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका में 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान कानूनी अप्रवासन में तेज गिरावट दिखी गई है, इसमें भारत और चीन सबसे अधिक प्रभावित देशों में शुमार हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा वीजा नीतियों को सख्त करने के कारण यह गिरावट हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने जनवरी से अगस्त 2025 तक 2024 की इसी अवधि की तुलना में करीब 250,000 कम वीजा जारी किए। मार्च की शुरुआत में जारी आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर स्थायी निवासी और अस्थायी वीजा की कुल स्वीकृतियों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट छात्रों, कामगारों और अमेरिकी नागरिकों और कानूनी निवासियों के परिवार के सदस्यों के वीजा पर लागू होती है। इस अवधि के दौरान पर्यटक वीजा में भी कमी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और चीन में वीजा की संख्या में सबसे अधिक गिरावट आई है। इन देशों के नागरिकों के वीजा में करीब 84,000 की कमी आई। रिपोर्ट के मुताबिक, यह गिरावट मुख्य रूप से छात्र, श्रमिक और पारिवारिक वीजा की संख्या में कमी के कारण हुई। अंतर्राष्ट्रीय छात्र सबसे अधिक प्रभावित हुए है। 2025 के पहले आठ महीनों में छात्र वीजा में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है। एक्सचेंज वीजा में भी भारी गिरावट होने और इनकी संख्या करीब 30,000 कम हुई है। स्थायी निवास या ग्रीन कार्ड के लिए वीजा स्वीकृतियों में भी कमी आई है। सबसे बड़ी गिरावट कामगारों, अफगानिस्तान और इराक जैसे देशों के नागरिकों के वीजा में देखी गई। अधिकारियों और विश्लेषकों ने गिरावट का कारण नीतिगत बदलावों और प्रशासनिक कारकों के संयोजन को बताया है। इसमें 19 देशों पर यात्रा प्रतिबंध, छात्र वीजा साक्षात्कारों पर अस्थायी रोक और सोशल मीडिया जांच सहित विस्तारित जांच आवश्यकताएं शामिल हैं। विदेश विभाग में कर्मचारियों की छंटनी से भी प्रक्रिया क्षमता कम हो गई है। कई व्यस्त स्थानों पर कम कांसुलर अपाइंटमेंट और लंबे प्रतीक्षा समय की सूचना मिली है। विश्लेषकों का कहना है कि नीति और मांग दोनों कारक गिरावट के लिए जिम्मेदार होते हैं।

ईरान में बमबारी, स्कूल उड़ा, इजराइल में बज रहे सायरन, लेबनान में हमला, मध्य पूर्व पहुंचने वाले हैं अमेरिकी पैराट्रूपर्स

वाशिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़ा युद्ध दिन-ब-दिन विस्तार लेता जा रहा है। इस युद्ध की विभीषिका में खाड़ी देश भी झुलस रहे हैं। तेल और गैस के लिए निर्भर दुनिया के बाकी देशों में अलग तरह का संकट खड़ा हो गया है। ईरान और इजराइल के साथ लेबनान के आसमान पर मिसाइलें गरज रही हैं। ईरान में हुई बमबारी में एक स्कूल उड़ गया है। इजराइल के मध्य में सायरन बज रहे हैं। लेबनान में रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। इस सबके बीच अमेरिकी रक्षा मुख्यालय (पेंटागन) ने संकेत दिए हैं कि मध्य-पूर्व में 82वीं एयरबोर्न टुकड़ियों (पैराट्रूपर्स) को भेजे जाने की हरी झंडी मिल गई है।

अल जजीरा, द टाइम्स ऑफ इजराइल और सीबीएस न्यूज की अलग-अलग रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आज तड़के ईरान की राजधानी के पूरब में धमाकों की आवाज सुनी गई है और चल रही बमबारी में रिहायशी इमारतें और एक स्कूल तबाह हो गया है। उधर, इजराइल की सेना ने ईरान से देश के मध्य हिस्सों की ओर दागे गए प्रोजेक्टाइल का पता लगाया है। इस हमले के बाद पूरे मध्य इजराइल में हवाई हमले के अलार्म बज उठे। ईरान और हिजबुल्लाह ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव और उत्तरी इलाकों में मिसाइल हमला किया है। हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम एक दर्जन लोग घायल हो गए। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं। खबरों में बताया गया है कि इराकी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस ने पिछले 24 घंटों में अमेरिकी ठिकानों पर 23 हमलों का दावा किया है। यह समूह ईरान-समर्थित मिलिशिया का नेटवर्क है। इसमें शक्तिशाली समूह कताइब हिजबुल्लाह भी शामिल है। बताया जा रहा है कि कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले के बाद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत सिविल एविएशन प्राधिकरण ने इसकी पुष्टि की है। जॉर्डन की राजधानी अमान के दक्षिण में कम आबादी वाले इलाके में मिसाइल के टुकड़े गिरने की सूचना है। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश के पूर्वी प्रांत में एक बैलिस्टिक मिसाइल और कम से कम छह ड्रोन को मार गिराया। इजराइल के उत्तर में कीर्यात श्मोना शहर और आसपास के क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई है। सीबीएस न्यूज ने अमेरिकी रक्षा विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से कहा है कि अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपने पैराट्रूपर्स को भेजने का फैसला किया है। दावा किया गया है कि पेंटागन सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के जांबाज जवानों को मध्य पूर्व भेजेगा। यह भी कहा जा रहा है कि यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उप राष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रूबियो और दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर (राष्ट्रपति के दामाद) ने लंबी चर्चा के बाद लिया। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के न खुलने पर चिंता जताई है।

स्वदेशी सर्च इंजन विकसित किए जाने की मांग उठी राज्यसभा में

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां) । गूगल जैसे विदेशी सर्च इंजनों पर निर्भरता कम करने और देश को डिजिटल संप्रभुता के मामले में मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी सर्च इंजन विकसित करने की मांग बुधवार को राज्यसभा में की गई।

कांग्रेस के नीरज डांगी ने शून्य काल में यह मामला उठाते हुए कहा कि अभी सारी दुनिया ऊर्जा की आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर है लेकिन पश्चिमी एशिया संकट के कारण उसके बंद होने के चलते सभी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति ऊर्जा के क्षेत्र में एकाधिकार के कारण उत्पन्न हुई है। हमें इससे सबक लेते हुए अपनी डिजिटल संप्रभुता के संरक्षण के लिए अपना स्वदेशी सर्च इंजन विकसित करना चाहिए जिससे कि हमारी विदेशी सर्च इंजनों पर निर्भरता न हो।

उन्होंने कहा कि यदि हम समय रहते अपना सर्च इंजन नहीं बनाएंगे तो आने वाले समय में हम डिजिटल मुसीबत में फंस सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका गूगल को निर्देश देकर भारत के डेटा की मांग कर सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बारे में श्वेत पत्र लाकर अपनी योजना सबके सामने रखनी चाहिए।

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने खाद्य पदार्थ के पैकेटों पर उसमें बंद सामग्री के बारे में सरल भाषा में जानकारी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में वसा,

नमक और चीनी निश्चित से अधिक मात्रा मिलाए जाते हैं जिसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक अध्ययन के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से ग्रसित है। हर चौथा व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है।

उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में वसा, नमक और चीनी की अधिक मात्रा इसके प्रमुख कारणों में शामिल है। उन्होंने पैकेटों पर सरल भाषा में यह जानकारी लिखे जाने की मांग की कि उनमें किस पदार्थ की मात्रा कितनी है। इसके लिए उन्होंने लाल, पीले और हरे रंग के कोड छापने का भी सुझाव दिया।

भारतीय जनता पार्टी की धर्मशीला गुप्ता ने बिहार के दरभंगा जिले में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की मांग की।भाजपा के ही डीबी महादिक ने महाराष्ट्र में किसानों को घटिया बीज और उर्वरक की आपूर्ति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे किसानों को बेवजह नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के बालयोगी उमेशनाथ ने उज्जैन में महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के मद्देनजर वहां सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने की मांग की।

उन्हीं के पार्टी के डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल ने नंबरों की दौड़ में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नंबरों की दौड़ के कारण देश के 70 प्रतिशत बच्चे तनाव ग्रस्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि चीन ने अपने देश में कोचिंग संस्थानों पर प्रतिबंध लगा दिया है और भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए।

मनोनीत हर्षवर्धन श्रृंगला ने वन्यजीवों के संरक्षण को जरूरी बताते हुए कहा कि मानव विकास के कार्यों में संतुलन बनाया जाना जरूरी है।

कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने सांसदों को उनके क्षेत्र में विकास के लिए मिलने वाली क्षेत्रीय विकास निधि को बढ़ा कर 20 करोड़ रुपए करने की मांग की। उन्होंने इस राशि को जीएसटी से मुक्त करने की भी मांग की।

लोकसभा में विदेशी अभिदाय (विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 पुनः स्थापित किया गया

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां) । लोकसभा में बुधवार को विदेशी अभिदाय (विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 पुरः स्थापित किया गया जो विदेशी फंडिंग को पारदर्शी और उत्तरदायी बनायेगा।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विदेशी अभिदाय (विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 सदन में पेश करते हुए कहा कि यह आवश्यक संशोधन विधेयक है। उन्होंने कहा कि यह सेवा, पारदर्शिता और देशहित वाला विधेयक है। उन्होंने कहा कि विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम 2010 को संशोधित करने के लिए इस विधेयक को लाया गया है। इस कानून में पारदर्शी और उत्तरदायी ढांचा बनाने के लिए संशोधन विधेयक को लाया गया है। उन्होंने कहा कि नामित प्राधिकरण को दिये गये अधिकार नियमों के अधीन है। विधेयक का उद्देश्य विदेशी अंशदान को पारदर्शी बनाना है। कोई भी संस्था जो देश की भावना और कानून के अनुरुप होगा उसे यह विधेयक बाधित नहीं करेगा। देशहित के खिलाफ कोई काम करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई किया जायेगा।

गृह राज्य मंत्री ने विपक्ष के आरोपों के जवाब में कहा कि यह खतरनाक उसके लिए होगा जिसके नीयत में खोट होगा। जो अपनी संस्था को निजी लाभ पहुंचाना चाहेगा उसके लिए यह अवश्य खतरनाक है।

इससे पहले कांग्रेस के मनीष तिवारी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इसमें आवश्क विधायी शर्तें होनी चाहिए थी वह नहीं है। इससे यह संसद के अधिकारों को भी कम करता है इसलिए इस विधेयक के इस फार्म में पेश नहीं किया जाए।

कांग्रेस के एडवोकेट गोवाल कागदा पडवी ने कहा कि इसमें केंद्र के पास अधिक शक्तियां देता है और संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करने वाला है। यह विधेयक अनुच्छेद 25 और 26 का भी उल्लंघन करता है।

तृणमूल कांग्रेस की प्रतिमा मंडल ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह बहुत खतरानाक है।

इसमें शक्तियों को केंद्रीकृत किया गया है। यह संविधान की मूल रुप रेखा का उल्लंखन होता है इसलिए वह इस विधेयक का विरोध करती हैं।

किरेन रिजिजू का बड़ा ऐलान, संसद में अब 28-29 मार्च को नहीं होगी कोई बैठक

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां) ।

संसद वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट प्रक्रिया को अंतिम रूप देने की दिशा में अग्रसर है, क्योंकि इसका लक्ष्य 27 मार्च को वित्त विधेयक 2026 को मंजूरी देना है। यह मंजूरी लोकसभा में सफल पारित होने के बाद मिली है, जिसके बाद अब उच्च सदन में इस पर विचार किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आगामी दिनों के कार्यक्रम में हुए बदलावों के बारे में राज्यसभा सदस्यों को जानकारी दी और सरकार के एजेंडे से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। हालांकि आम तौर पर शुक्रवार का दिन निजी विधेयकों के लिए आरक्षित होता है, लेकिन इस शुक्रवार को वित्त विधेयक को प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि यह अधिक महत्वपूर्ण है।

सरकार ने सप्ताहांत में सत्र आयोजित करने की अपनी पूर्व योजना पर पुनर्विचार किया और इसके बजाय पारंपरिक साप्ताहिक अवकाश का सम्मान करने का विकल्प चुना। निर्धारित विराम के बाद संसद के नियमित सत्र 30 मार्च से फिर से शुरू होंगे। रीजीजू ने इस बारे में पहले राज्यसभा और फिर लोकसभा में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में इस पर चर्चा हुई थी, जिसमें कई सदस्यों ने यह सुझाव दिया था।

रीजीजू ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कल 26 मार्च को सदन में (रामनवमी का) अवकाश रहेगा और 27 मार्च को बैठक होगी जिसमें सरकारी कामकाज होगा। उन्होंने कहा कि इस शुक्रवार को सदन में गैर-सरकारी कामकाज नहीं होगा। रीजीजू ने कहा कि अब शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा और सदन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दो अप्रैल तक संचालित होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में भी ऐसी ही घोषणा की। पिछले सप्ताह संसद में घोषणा की गयी थी कि 19 और 20 मार्च को नवरात्रि, गुड़ीपड़वा और रमजान आदि त्योहारों के कारण दोनों सदनों की बैठकें नहीं होंगी और इसकी भरपाई के लिए 28 और 29 मार्च को सदन की बैठकें होंगीं।

सभी नागरिकों के लिए समान कानून भाजपा की प्राथमिकता : शाह

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां) । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकता रही है कि देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले।

गुजरात विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित होने पर श्री शाह ने यह बात कही।

श्री शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह भाजपा का स्थापना से ही संकल्प रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा

की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस विधेयक को समर्थन देने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूँ।

उन्होंने कहा कि देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी है।

उल्लेखनीय है कि गुजरात विधानसभा ने मंगलवार को 'गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक 2026' पारित किया, जिससे राज्य में सभी धर्मों के लिए विवाह, तलाक, संपत्ति और लिव-इन रिलेशनशिप के लिए समान कानून बन गया है। गुजरात ,उत्तराखंड के बाद यह विधेयक पारित करने वाला दूसरा राज्य बन गया है।

महिला आरक्षण, परिसीमन का मुद्दा सरकार का विफलता छिपाने का प्रयास : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां) । कांग्रेस ने कहा है कि सरकार अचानक करीब ढाई साल बाद महिला आरक्षण लागू कर परिसीमन की बात करने लगी है जिससे साफ है कि उसका यह कदम अपनी विफलताओं और पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उपजे ईंधन संकट से ध्यान भटकाने का एक प्रयास है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक

पोस्ट में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि सितंबर 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन 'नारी वंदन अधिनियम, 2023' यानी महिला आरक्षण विधेयक पारित करके किया गया था जिसके तहत लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया।

इन दोनों आरक्षणों को परिसीमन और जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लागू किया जाना था।

अन्नाद्रमुक का घोषणापत्र है या लॉटरी का टिकट?

हर परिवार को 10,000 रुपए, मुफ्त फ्रिज फ्री बस यात्रा जैसे कई लुभावने वादे

चेन्नई, 25 मार्च (एजेंसियां) । मुफ्त की सौगातों की राजनीति क्या सचमुच जनता के हित में है या फिर यह केवल चुनावी जीत का आसान रास्ता बनती जा रही है? देश के कई राज्यों में यह सवाल अब गंभीर रूप से उठने लगा है। चुनावी घोषणाओं में बढ़ती मुफ्त योजनाएं जहां एक तरफ आम लोगों को तात्कालिक राहत देती हैं, वहीं दूसरी तरफ लंबे समय में राज्यों की आर्थिक सेहत पर भारी दबाव डालती हैं।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, जिसमें लोक लुभावन वादों की भरमार है। पार्टी के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने चेन्नई स्थित मुख्यालय में 297 वादों वाला यह घोषणा पत्र पेश किया। इसमें सामाजिक कल्याण, महंगाई से राहत और परिवारों को आर्थिक सहयोग को मुख्य आधार बनाया गया है।

घोषणा पत्र में हर परिवार को 10000 रुपये देने का वादा किया गया है। इसके अलावा महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की बात कही गई है। हर घर को साल में तीन मुफ्त गैस सिलेंडर, पुरुष और महिलाओं दोनों के लिए मुफ्त बस यात्रा, राशन कार्ड धारकों को एक किलो दाल और एक लीटर खाद्य तेल मुफ्त देने जैसे वादे भी शामिल हैं। इतना ही नहीं, चावल राशन कार्ड वाली महिलाओं को मुफ्त रेफ्रिजरेटर देने की घोषणा भी की गई है।

पार्टी का कहना है कि ये कदम बढ़ती महंगाई के बीच परिवारों पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को कम करने के लिए जरूरी हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि रोजगार सृजन और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने अपने पुराने दौर की योजनाओं की याद भी दिलाई, जब पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता ने पंखा, मिक्सी और ग्राइंडर जैसी मुफ्त योजनाएं लागू की थीं। अब उसी मॉडल को और विस्तार देने की कोशिश दिखाई दे रही है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी मुफ्त योजनाएं वास्तव में विकास को आगे बढ़ाती हैं? हाल के उदाहरण बताते हैं कि इसका असर उल्टा भी पड़ सकता है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में मुफ्त की घोषणाओं का बोझ सरकारी खजाने पर साफ दिखाई दे रहा है।

हिमाचल प्रदेश में सरकार को बढ़ते कर्ज और राजकोषीय दबाव के कारण खर्चों में बड़ी कटौती करनी पड़ रही है। जनप्रतिनिधियों के भुगतान और बुनियादी सेवाओं के संचालन में भी कठिनाइयों की खबरें सामने आई हैं। वहीं कर्नाटक में भी विकास परियोजनाओं के लिए फंड की कमी की चर्चा हो रही है। कई परियोजनाएं धीमी पड़ गई हैं क्योंकि संसाधनों का बड़ा हिस्सा मुफ्त योजनाओं पर खर्च हो रहा है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि जब सरकारें अपनी आय से अधिक खर्च करने लगती हैं, तो उन्हें कर्ज लेना पड़ता है। इससे राज्य का कर्ज लगातार बढ़ता जाता है और भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ पड़ता है। विकास परियोजनाएं जैसे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग निवेश पीछे छूट जाते हैं।

तमिलनाडु में भी यही खतरा नजर आ रहा है। चुनाव जीतने के लिए आकर्षक वादे करना आसान है, लेकिन उन्हें लागू करने के लिए भारी संसाधनों की जरूरत होती है। यदि आय के स्थायी स्रोत नहीं बढ़ाए गए, तो राज्य की वित्तीय स्थिति कमजोर हो सकती है।

राजनीतिक दल अक्सर यह तर्क देते हैं कि ये योजनाएं सामाजिक न्याय और गरीबों के कल्याण के लिए जरूरी हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि जरूरतमंद लोगों को सहायता मिलनी चाहिए, लेकिन सवाल संतुलन का है। यदि पूरी राजनीति मुफ्त बांटने पर आधारित हो जाए, तो विकास की गति धीमी पड़ना तय है।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु में आगामी चुनाव 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे और मतगणना 4 मई को की जाएगी। अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ सीट बंटवारे का फार्मूला भी तय कर लिया है, जिसमें वह 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि अन्य सहयोगी दलों को भी हिस्सेदारी दी गई है।बहरहाल, यह स्पष्ट है कि मुफ्त की सौगातें चुनावी राजनीति का अहम हथियार बन चुकी हैं। लेकिन हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के अनुभव यह संकेत देते हैं कि यह मॉडल लंबे समय में टिकाऊ नहीं है। तमिलनाडु के सामने अब यह चुनौती है कि वह तात्कालिक लाभ और दीर्घकालिक विकास के बीच सही संतुलन कैसे बनाए। अगर यह संतुलन बिगड़ा, तो सत्ता तो मिल सकती है, लेकिन विकास की कीमत पर।

ट्रेनों में 78 प्रतिशत सीटें सामान्य स्लीपर क्लास की हैं : वैष्णव

नयी दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां) । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोक सभा में बताया

कि ट्रेनों में 70 प्रतिशत स्लीपर और सामान्य डिब्बे लगाये गये हैं। श्री वैष्णव ने प्रश्नकाल में बताया कि कुल ट्रेनों में 78 प्रतिशत सीटें स्लीपर और सामान्य डिब्बों की हैं। उन्होंने बताया कि गर्मियों और त्योहारों के समय तथा भीड़ बढ़ने के दौरान बड़ी संख्या में विशेष ट्रेन चलायी गयी हैं, जिससे यात्रियों को बहुत सहूलियत हुई है।

उन्होंने बताया कि आरक्षित टिकटों के लिए दलाली करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गयी है।

उन्होंने कहा कि आईआरसीटीसी की वेबसाइट से तीन करोड़ फर्जी एकाउंट हटाये गये हैं। अब आम लोगों को कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होने लगी है। श्री वैष्णव ने बताया कि ट्रेन दुर्घटनायें रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये हैं और इसके नतीजे भी बहुत अच्छे आये हैं। दुर्घटनायें कम हुई हैं।

तमिलनाडु चुनाव- डीएमके 165 सीटों पर लड़ेगी, स्टालिन ने एकजुटता का दिया संदेश

चेन्नई, 25 मार्च (एजेंसियां) । द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति तय कर ली है। पार्टी कम से कम 165 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) के तहत सीट बंटवारा लगभग अंतिम चरण में पहुंच गया है। 26 दलों वाले इस गठबंधन में सहयोगी पार्टियों को कुल 66 सीटें दी गई हैं। सीट बंटवारे के तहत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 28 सीटें मिली हैं, जो गठबंधन की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है। इसके अलावा विदुथलाई चिरुथइगल कच्ची (वीसीके) को 8 सीटें, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) को 5-5 सीटें आवंटित की गई हैं। वहीं मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को 4 सीटें, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और ह्यूमनिस्ट पीपुल्स पार्टी को 2-2 सीटें दी गई हैं।

मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने एक अहम रणनीतिक फैसले के तहत ऐलान किया कि डीएमके और उसके सहयोगी दल 175 विधानसभा सीटों पर 'राइजिंग सन' (उगता सूरज) चुनाव चिह्न के तहत संयुक्त रूप से चुनाव लड़ेंगे। इसे गठबंधन की एकता और मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है।पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि सीट बंटवारे की प्रक्रिया सहयोगी दलों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद पूरी की गई है, ताकि संतुलन और लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने पिछले पांच वर्षों में डीएमके सरकार की उपलब्धियों का भी जिक्र करते हुए कहा कि द्रविड़ मॉडल की शासन व्यवस्था ने राज्य में विकास और स्थिरता को फिर से स्थापित किया है। साथ ही उन्होंने सहयोगी दलों को धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और समानता पर आधारित नीतियों को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया।

उम्मीदवार चयन प्रक्रिया का जिक्र करते हुए स्टालिन ने बताया कि 17 से 23 मार्च के बीच आयोजित इंटरव्यू में 16,500 से अधिक इच्छुक उम्मीदवारों ने भाग लिया, जो पार्टी के जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन को दर्शाता है।

एकजुटता का आह्वान करते हुए स्टालिन ने डीएमके कार्यकर्ताओं से सभी गठबंधन उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा, सभी 234 विधानसभा सीटें हमारी हैं, और जीत सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया।सीट बंटवारा लगभग पूरा होने के बाद अब डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन चुनाव प्रचार को तेज करने की तैयारी में जुट गया है और एकजुट होकर चुनावी मुकाबले में उतरने की रणनीति बना रहा है।

राम नवमी मेरे लिए बेहद खास, श्रीराम का आशीर्वाद हर पल साथ: सोनाक्षी बत्रा

सिर्फ विलेन बनकर नहीं, गंभीर और भावात्मक किरदार निभाकर प्रकाश राज को मिली पहचान

आली रे आली, आता तुमची बारी आली यह डॉयलाग सुनते ही जयकांत शिखरे का खूंखार चेहरा सामने आता है, जिसका किरदार प्रकाश राज ने सिंघम में निभाया था। इस फिल्म में अपने किरदार को इम्प्रोवाइज करने के लिए अभिनेता ने हाथ हिलाकर अपने गुस्से को जाहिर कर बॉडी लैंग्वेज को बदल लिया था, जबकि वो सीन का हिस्सा भी नहीं था। उनकी इसी लगन की वजह से प्रकाश राज को न सिर्फ हिंदी, बल्कि दक्षिण सिनेमा का बड़ा विलेन कहा जाता है। 26 मार्च को जन्मे प्रकाश राज का असली नाम प्रकाश राय है। हालांकि, फिल्मों में आने के बाद डायरेक्टर की सलाह के बाद उन्होंने राय को राज कर लिया था, और यही नाम उनकी असली पहचान बन गया। अभिनेता के लिए करियर की शुरुआत करना भी आसान नहीं था। प्रकाश फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, यही कारण रहा है कि पहले काम की तलाश में वे पैदल एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो चक्कर लगाते थे। फिल्मों और सीरियल में आने से पहले प्रकाश थिएटर कलाकार थे। थिएटर में काम करके वह प्रति माह 300 रुपए कमाते थे। हालांकि, थिएटर के बाद अभिनेता को धीरे-धीरे दक्षिण भारतीय भाषाओं में सीरियल मिलने लगे।

कन्नड़ भाषी होने के बाद भी अभिनेता ने मलयामल, तेलुगू और तमिल भाषाओं में काम किया। भले ही शुरुआती दिनों में उन्हें भाषाओं को लेकर कठिनाई झेलनी पड़ी, लेकिन उन्होंने सभी भाषाओं को बारीकी से सीखा और आज खुद सभी भाषाओं की डबिंग करते हैं। प्रकाश राज को तमिल सिनेमा में ब्रेक 'ड्युएट' से मिला। इस फिल्म में पहले से ही बड़े चेहरे मौजूद थे, लेकिन अभिनेता ने सभी के बीच अपनी अलग पहचान बनाई और अपने अभिनय से फैंस का दिल जीता, जिसके बाद वह विलेन के तौर पर उभरे। उन्होंने 'घिल्ली', 'पोकिरी', और 'ओक्काडु' में अपने अभिनय से सबको डरा दिया। हिंदी सिनेमा में भी उनकी छवि खूंखार विलेन की रही। उन्हें जितनी भी फिल्में ऑफर हुईं, उसमें उनका किरदार निगेटिव था। साल 2009 में पहली बार उन्हें 'वॉन्टेड' से बॉलीवुड में विलेन के तौर पर एंट्री मिली और फिर 'सिंघम', 'सिंघम रिर्टन', 'बुढ्डा होगा तेरा बाप', 'दबंग-2', और 'हीरोपंति' जैसी फिल्मों से विलेन की छवि को और मजबूत किया।अभिनेता ने टाइपकास्ट न होते हुए सिनेमा में गंभीर और भावुक किरदार भी किए और लोगों ने उन किरदारों को भी बहुत प्यार दिया। तमिल फिल्म 'अभियुम नानुम' और तेलेगु फिल्म 'आकाशमन्ता' में उन्होंने पिता का किरदार निभाया था, जो अपनी बेटी के लिए जीता है। फिल्म 'धोनी' में भी उनके द्वारा निभाए गए पिता के रोल को देखकर फैंस भावुक हो गए थे।

जी टीवी के शो 'जगद्धात्री' में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री सोनाक्षी बत्रा ने राम नवमी के मौके पर भगवान श्रीराम के जीवन और उनके आदर्शों पर अपनी गहरी आस्था जताई। उन्होंने कहा कि भगवान राम का जीवन सिखाता है कि हमें धर्म के मार्ग पर कैसे चलना चाहिए। सोनाक्षी बत्रा ने बताया, राम नवमी मेरे लिए हमेशा से एक बहुत खास और आध्यात्मिक दिन रहा है। मुझे भगवान राम पर गहरी आस्था है और मैं मानती हूं कि उनका आशीर्वाद जीवन के हर पड़ाव पर मार्गदर्शन और रक्षा करता है। घर पर हम इस दिन पूरे परिवार के साथ पूजा-अर्चना करते हैं, प्रसाद बनाते हैं और उनका आशीर्वाद मांगते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं श्रीराम के आदर्शों-सत्य, धैर्य, शक्ति और करुणा से बहुत प्रेरित रही हूं। रामायण सुनने मात्र से ही मेरा मन शांति और सकारात्मकता से भर जाता है। राम नवमी सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था और मन की शांति का एहसास है, जो हमेशा मेरे साथ रहता है।

'जगद्धात्री' में सोनाक्षी बत्रा एक मजबूत, साहसी और न्यायप्रिय महिला का किरदार निभा रही हैं। शो में ड्रामा, एक्शन और भावनाओं का मिश्रण देखने को मिलता है। उन्होंने 'जगद्धात्री' की हालिया शूटिंग के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जगद्धात्री का किरदार निभाना मेरे लिए एक अविश्वसनीय सफर रहा है और समय के साथ एक्शन सीन वास्तव में इस शो के मेरे सबसे पसंदीदा हिस्सों में से एक बन गए हैं। हाल ही में होली वाले सीन की शूटिंग काफी जोखिम भरी थी। इसमें उनकी बेटी गुंजन (परी भानुशाली) अचानक आग की चपेट में आ जाती है और जगद्धात्री (सोनाक्षी) उसे बचाने के लिए आग में कूद पड़ती है।

सोनाक्षी ने बताया, एक्शन सीन अब मेरे सबसे पसंदीदा हिस्सों में शामिल हो गए हैं। आग वाला स्टंट बहुत चुनौतीपूर्ण था, लेकिन परी बहुत होशियार है और उसने सभी निर्देशों का सावधानी से पालन किया, जिससे शूटिंग आसान हो गई।

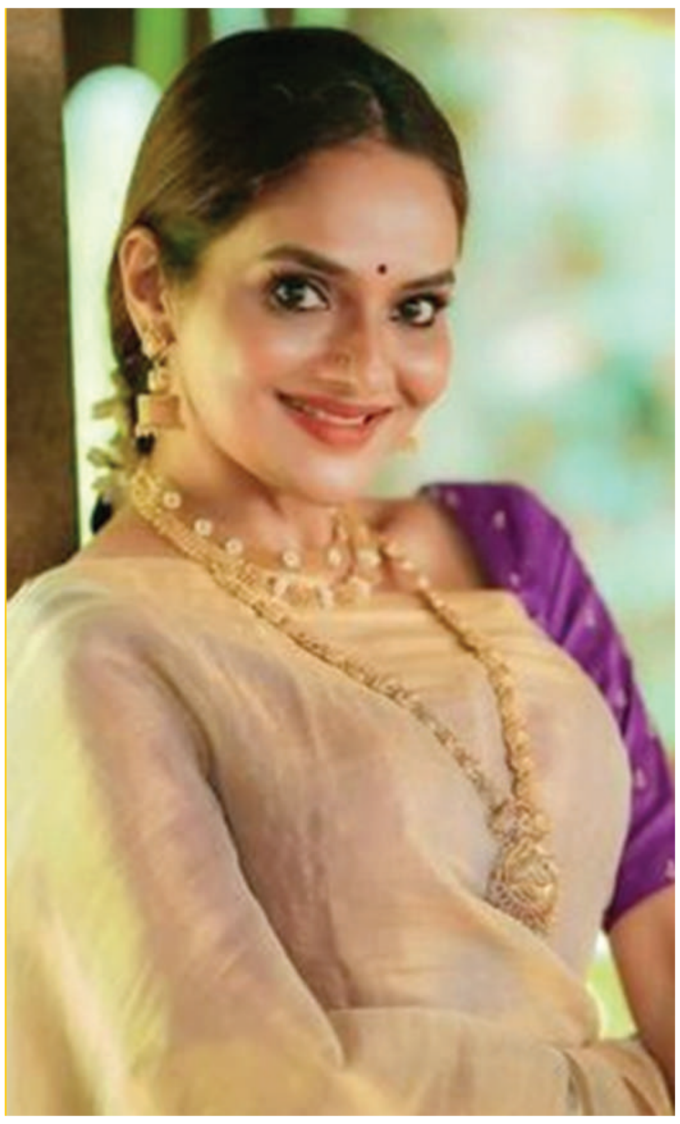

रोजा ने बदली मधु की किस्मत रातोंरात बनीं साउथ की सुपरस्टार

फिल्म इंडस्ट्री में कुछ ही कलाकारों की किस्मत में ऐसा होता है कि वे एक फिल्म से ही लोगों के दिलों में हमेशा के लिए जगह बना लेते हैं। मधु भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में कई फिल्में कीं, लेकिन मणि रत्नम की फिल्म 'रोजा' ने उन्हें एक अलग ही मुकाम पर पहुंचा दिया। हालांकि, इससे पहले वह 'फूल और कांटे' से हिंदी सिनेमा में पहचान बना चुकी थीं, लेकिन 'रोजा' ने उन्हें साउथ सिनेमा में आइकॉन बना दिया। मधु का जन्म 26 मार्च 1969 को एक तमिल परिवार में हुआ था। उनका पूरा नाम मधुबाला रघुनाथ है। छोटी उम्र में उनके सिर से मां का साया उठ गया था। इसके बावजूद, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने मुंबई में पढ़ाई की, और यहीं से उनका लगाव एक्टिंग की ओर बढ़ता चला गया। मधु ने अपने करियर की शुरुआत साउथ फिल्मों से की। उनकी पहली रिलीज फिल्म 'अजहगन' थी, जिसमें उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 'फूल और कांटे' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन नजर आए और फिल्म सुपरहिट रही। इस फिल्म ने दोनों कलाकारों को रातोंरात स्टार बना दिया।

इसके बाद 1992 में आई फिल्म 'रोजा'... यह फिल्म मधु के करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। इस फिल्म की कहानी, संगीत और मधु की एक्टिंग को लोगों ने काफी पसंद किया। फिल्म को नेशनल लेवल पर भी सराहना मिली और यह कई भाषाओं में डब हुई। 'रोजा' के बाद मधु साउथ सिनेमा की बड़ी स्टार बन गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें तमिलनाडु स्टेट फिल्म अवॉर्ड में स्पेशल प्राइज भी मिला।

'रोजा' की सफलता के बाद मधु ने तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में लगातार काम किया। उन्होंने 'जेंटलमैन', 'योधा' और 'अल्लारी प्रियुडु' जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया। उन्होंने कई फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और दर्शकों का दिल जीता।

अगर निजी जीवन की बात करें तो मधु ने 1999 में बिजनसमैन आनंद शाह से शादी की। शादी के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली और अपने परिवार पर ध्यान दिया। उनकी दो बेटियां हैं और वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं। वह हेमा मालिनी की भतीजी और जूही चावला की देवरानी भी हैं।

कुछ सालों के ब्रेक के बाद मधु ने एक बार फिर फिल्मों और टीवी में वापसी की। उन्होंने सपोर्टिंग रोल्स के जरिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और आज भी वह एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं।

सात समंदर पार धुरंधर का डंका, एनबीए मैच में गूंजा फेमस टाइटल ट्रैक

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' को ज्यादातर लोगों ने सिनेमाघरों में जाकर देख ही ली है, और जिन्होंने नहीं देखी, उन्होंने इसका फेमस टाइटल ट्रैक 'ना दिल दे परदेसी नू' तो जरूर सुना होगा। फिल्म की वैश्विक लोकप्रियता से तो ज्यादातर लोग वाकिफ थे, लेकिन अब इस गाने ने वैश्विक स्तर पर नई लोकप्रियता हासिल कर ली है। दरअसल, हाल ही में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर में एनबीए मैच के दौरान फिल्म का टाइटल ट्रैक 'ना दिल दे परदेसी नू' बजाया गया। मैच शुरू होने से ठीक पहले मशहूर डांस ग्रुप 'भांगड़ा एम्पायर' ने इसी गाने पर शानदार परफॉर्मेंस दी।

डांसर्स ने पारंपरिक पंजाबी कपड़े पहने हुए थे। वे रंग-बिरंगे कपड़ों में जोश के साथ भांगड़ा कर रहे थे। उनके मजेदार डांस और धुरंधर के धमाकेदार बीट्स से पूरा स्टेडियम गूंजा उठा। यह मैच गोल्डन स्टेट वॉरियर्स और मिलवॉकी बक्स के बीच खेला जा रहा था। 'भांगड़ा एम्पायर' का डांस वीडियो काफी वायरल हो गया। कई लोग इसे सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेता अर्जुन रामपाल, जिन्होंने फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ने भी वीडियो को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट किया। फिल्म का टाइटल ट्रैक 'ना दिल दे परदेसी नू' 1995 के प्रसिद्ध पंजाबी लोकगीत 'जोगी' का रीमेक है। इस मूल गाने को चरणजीत आहूजा ने संगीतबद्ध किया था, जिसे मोहम्मद सादिक और रंजीत कौर ने गाया था और बाबू सिंह मान ने लिखा था। इस नए संस्करण को शाश्वत सचदेव ने कंपोज किया है और हनुमानकाइंड और जैस्मीन सैंडलस ने गाया है।2000 के शुरुआती सालों में रिलीज हुआ गाना 'जोगी' पंजाबी लोक संगीत को हिप हॉप बीट्स और ग्लोबल रिदम के साथ जोड़ता है। उस समय यह एकदम नया और ताजा लगता था, जब फ्यूजन म्यूजिक इतना आम नहीं हुआ था।

आज की फिल्मों में इमोशन्स गायब हो गए हैं: इमरान खान

आज के समय में फिल्म इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है। हर हफ्ते नई फिल्में रिलीज हो रही हैं, लेकिन इसके बावजूद कई दर्शकों को लगता है कि फिल्मों में पहले जैसी बात नहीं रही। सोशल मीडिया पर भी इस बात को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है कि आज की फिल्मों में मनोरंजन तो है, लेकिन दिल से जुड़ाव कम हो गया है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता इमरान खान ने भी अपनी राय खुलकर रखी है। इमरान खान ने रेडिट पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान अपने फैंस से बातचीत की। इस बातचीत के दौरान एक फैन ने अपनी राय रखते हुए कहा कि आजकल ज्यादातर फिल्में सिर्फ पैसे कमाने के लिए बनाई जा रही हैं। सीक्वल फिल्मों की भरमार है, जिनका पहले की कहानी से ज्यादा संबंध नहीं होता। हर हफ्ते एक्शन फिल्में आ रही हैं, लेकिन पहले की तरह दिल को सुकून देने वाली फिल्में कम हो गई हैं। फैन ने इमरान खान से कहा, आप इस फील-गुड जॉनर के किंग हुआ करते थे; अब दर्शकों को फिर से वैसी ही फिल्मों की जरूरत है। मैं यह सुनकर बहुत एक्साइटेड था कि आप दानिश असलम की 'अधूरे हम अधूरे तुम' के साथ वापसी कर रहे हैं, लेकिन फिल्म की एक भी झलक न देख पाने से काफी निराश हूं।

इस पर इमरान खान ने जवाब देते हुए फैन का धन्यवाद किया और उसकी बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा, मैं भी मानता हूं कि आज की फिल्मों में भावनात्मक गहराई की कमी है, और यह एक ऐसी चीज है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। फिल्म को बनाते समय खासतौर पर भावनाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए, जो आज की फिल्मों में कम देखने को मिलती हैं।

बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

इस साल रिलीज होगी 7 बड़ी फिल्में

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। ₹
फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।

इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग में मनाई जाएगी रामनवमी

भगवान श्रीराम का जन्म कर्क लग्न और अभिजीत मुहूर्त में मध्यान्ह 12 बजे हुआ था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान के निदेशक भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राम नवमी इस साल 26 मार्च को मनाई जाएगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च को सुबह 11:48 मिनट पर होगा। नवमी तिथि का समापन 27 मार्च 2026 को सुबह 10:06 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार भगवान राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर में हुआ था। 26 मार्च को नवमी तिथि प्रातः 11:48 मिनट से शुरू हो रही है। इसीलिए राम नवमी का पर्व 26 मार्च को मनाया जाएगा । रामनवमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। जिससे इस दिन किए जाने वाले सभी शुभ कार्य सिद्ध होंगे। इसके अलावा, इस दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है।

हिंदू कैलेंडर के मुताबिक चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमीं तिथि 26 मार्च को रामनवमी मनाई जाएगी। इस दिन पूरे देश में धूमधाम से राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म राजा दशरथ के घर पर हुआ था। इस दिन प्रभु श्रीराम की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है।

श्री राम नवमी:

श्रीराम का जन्म मध्याह्न व्यापिनी चैत्रशुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था, अतः मध्याह्न व्यापिनी चैत्र शुक्ल नवमी को ही यह पर्व मनाया जाता है। पुनर्वसु युक्त मध्याह्न व्यापिनी नवमी में यह व्रत किया जाता है, परन्तु पुनर्वसु नक्षत्र इसमें निर्णायक नहीं है।

चैत्रशुक्ल नवमी रामनवमी। अस्यां मध्याह्नव्यापिन्यामुपोषणं कार्यम् ।। पूर्वेद्युरेव मध्याह्ने सत्त्वे सैव ग्राह्या।। शुद्धाया नवम्यां अलाभे मुहूर्त्तत्रयन्यूनत्वे वा सर्वैरप्यष्टमी विद्धैवोपोष्येत्याहुः ।। इदं व्रतं नित्यं काम्यं च ।। – धर्मसिन्धु

26 मार्च 2026 को मध्याह्न के समय नवमी आर्द्रा नक्षत्र से युक्त है। अतः यह व्रत इसी दिन किया जायेगा, इसमें पुनर्वसु नक्षत्र को निर्णायक नहीं माना गया है। 27 मार्च 2026 को नवमी मध्याह्नकाल को स्पर्श भी नहीं कर रही है। मध्याह्न काल 26 मार्च को लगभग 11:21 से दोपहर 01:46 तक रहेगा। अतः 26 मार्च 2026 को ही श्रीराम नवमी का व्रत किया जायेगा।

राम नवमी शुभ मुहूर्त

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च को सुबह 11:48 मिनट पर होगा। नवमी तिथि का समापन 27 मार्च 2026 को सुबह 10:06 मिनट पर होगा। शास्त्रों के अनुसार भगवान राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दोपहर में हुआ था। इसीलिए राम नवमी का पर्व 26 मार्च को मनाया जाएगा ।

राम नवमी पूजा समय

मध्याह्न काल 26 मार्च को लगभग 11:21 से दोपहर 01:46 तक रहेगा। मध्याह्न समय में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पूजा कर सकते हैं।

शुभ योग

कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि रामनवमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। जिससे इस दिन किए जाने वाले सभी शुभ कार्य सिद्ध होंगे। इसके अलावा, इस दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है। जिसके अनुसार पूजा-अर्चना से आरोग्यता, स्वास्थ्य और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होगी। इस अवसर पर शिववास योग का भी संयोग बन रहा है। जिससे साधकों पर भगवान श्रीराम और शिव की विशेष कृपा बरसेगी। रवि योग में सभी प्रकार के दोषों से मुक्ति मिलती है।

अनुष्ठान

सर्वार्थ सिद्धि योग में कोई भी जाप, अनुष्ठान कई गुना अधिक फल प्रदान करता है। विशेष मनोकामना पूर्ति के लिए यह अहम है। मकान, वाहन, सोने चांदी के जेवरात की खरीदारी, मुंडन, गृहप्रवेश आदि विशेष मांगलिक कार्य किए जाते हैं।

पूजा विधि

इस पावन दिन शुभ जल्दी उठ कर स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहन लें। अपने घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें। घर के मंदिर में देवी- देवताओं को स्नान कराने के बाद साफ स्वच्छ वस्त्र पहनाएं। भगवान राम की प्रतिमा या तस्वीर पर तुलसी का पत्ता और फूल अर्पित करें।

भगवान को फल भी अर्पित करें। अगर आप व्रत कर सकते हैं, तो इस दिन व्रत भी रखें। भगवान को अपनी इच्छानुसार सात्विक चीजों का भोग लगाएं। इस पावन दिन भगवान राम की आरती भी अवश्य करें। आप रामचरितमानस, रामायण, श्री राम स्तुति और रामरक्षास्तोत्र का पाठ भी कर सकते हैं। भगवान के नाम का जप करने का बहुत अधिक महत्व होता है। आप श्री राम जय राम जय जय राम या सिया राम जय राम जय जय राम का जप भी कर सकते हैं। राम नाम के जप में कोई विशेष नियम नहीं होता है, आप कहीं भी कभी भी राम नाम का जप कर सकते हैं।

हवन सामग्री

आम की लकड़ी, आम के पत्ते, पीपल का तना, छाल, बेल, नीम, गूलर की छाल, चंदन की लकड़ी, अश्वगंधा, मुलैठी की जड़, कपूर, तिल, चावल, लौंग, गाय की घी, इलायची, शक्कर, नवग्रह की लकड़ी, पंचमेवा, जटाधारी नारियल, गोला और जौ आदि हवन में प्रयोग होने वाली सभी सामग्री जुटाएं।

हवन विधि

हवन पर बैठने वाले व्यक्ति को रामनवमी के दिन प्रातः जल्दी उठना चाहिए। शौच आदि से निवृत्त होकर स्नान करने के बाद स्वच्छ कपड़े धारण करने चाहिए। वैदिक शास्त्रों में ऐसा लिखा है कि यदि हवन पति-पत्नी साथ में करें तो उसका विशेष फल प्राप्त होता है। सबसे पहले किसी स्वच्छ स्थान पर हवन कुंड का निर्माण करें। हवन कुंड में आम लकड़ी और कपूर से अग्नि प्रज्वलित करें। इसके बाद हवन कुंड में ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डयै विच्चै नमः का जाप करते हुए घी से माता के नाम की आहुति दें। इसी के साथ अन्य देवी-देवताओं के नाम की आहुति दें। इसके बाद संपूर्ण हवन सामग्री से 108 बार हवन सामग्री को आहुति दें।

हवन के बाद करें यह कार्य

हवन के बाद माता जी की आरती करें। इसके बाद माता को खीर, हलवा, पूड़ी और चने का भोग लगाएं। कन्याओं को भी भोजन कराएं। प्रसाद बांटें। उन्हें दक्षिणा भी दें।

राम नवमी का महत्व

राम नवमी का दिन भक्तों के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह दिन भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन विष्णु जी के अवतार प्रभु श्री राम की पूजा करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। भक्तों के जीवन से सभी कष्ट कट जाते हैं। इसके अलावा इस दिन नवरात्रि का समापन भी होता है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन को महानवमी कहते हैं। इस दिन पूजा अर्चना करने से राम जी के साथ आदिशक्ति मां जगदम्बा की कृपा भी प्राप्त होती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि में कन्या पूजन से मिलेगी परेशानियों से मुक्ति

चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 27 मार्च होगा। चैत्र नवरात्रि की धूम पूरे देश में है। माता की भक्ति में लीन भक्तों को अब अष्टमी और नवमी का इंतजार है। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और रामनवमी 26 मार्च को मनाई जाएगी। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्र 19 मार्च से शुरू हो गई है। वहीं इसका समापन 27 मार्च को होगा। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और रामनवमी 26 मार्च को मनाई जाएगी और चैत्र नवरात्रि की नवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। अष्टमी और नवमी पर कन्याओं को भोजन कराया जाता है। नवरात्र के दौरान अलग-अलग दिनों में देवी दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। इन नौ दिनों में अष्टमी और नवमी तिथि सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। नवरात्रि के अष्टमी और नवमी तिथि कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। व्रत रखने वाले भक्त कन्याओं को भोजन कराने के बाद ही अपना व्रत खोलते हैं। कन्याओं को देवी मां का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन कन्याओं को भोजन कराने से घर में सुख, शांति एवं सम्पन्नता आती है। कन्या भोज के दौरान नौ कन्याओं का होना आवश्यक होता है। इस बीच यदि कन्याएं 10 वर्ष से कम आयु की हो तो जातक को कभी धन की कमी नही होती और उसका जीवन उन्नतशील रहता है।

नवरात्रि में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। आमतौर पर नवमी को कन्याओं का पूजन करके उन्हें भोजन कराया जाता है। लेकिन कुछ श्रद्धालु अष्टमी को भी कन्या पूजन करते हैं। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक उम्र की नौ कन्याओं को भोजन कराने से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को चढ़ाएं। इसके बाद कन्या भोज और पूजन करें। कन्या भोजन न करवा पाएं तो भोजन बनाने का कच्चा सामान जैसे चावल, आटा, सब्जी और फल कन्या के घर जाकर उन्हें भेंट कर सकते हैं।

कन्या पूजन महाष्टमी और रामनवमी

नवरात्रि में कन्या पूजन या कुमारी पूजा, महाष्टमी और रामनवमी दोनों ही तिथियों को किया जाएगा। महाष्टमी को मां महागौरी और रामनवमी को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। जिन घरों में महाष्टमी और महानवमी की पूजा होती है, वहां इस दिन कन्याओं को भोजन करवाया जाता है और उन्हें गिफ्ट बांटे जाते हैं।

पुराणों में है कन्या भोज का महत्व

पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कौमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे माने जाते हैं। कन्या पूजन के लिए अष्टमी और नवमी तिथि को उपयुक्त माना जाता है। कन्या भोज के लिए दस वर्ष तक की कन्याएं उपयुक्त होती हैं।

कन्या और देवी के शस्त्रों की पूजा

अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें। इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए। इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए। इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए। दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए।

हर आयु की कन्या का होता है अलग महत्व

2 साल की कन्या को कौमारी कहा जाता है। इनकी पूजा से दुख और दरिद्रता खत्म होती है। 3 साल की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है। त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और परिवार का कल्याण होता है। 4 साल की कन्या कल्याणी मानी जाती है। इनकी पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है। 5 साल की कन्या रोहिणी माना गया है। इनकी पूजन से रोग-मुक्ति मिलती है। 6 साल की कन्या कालिका होती है। इनकी पूजा से विद्या और राजयोग की प्राप्ति होती है।

7 साल की कन्या को चंडिका माना जाता है। इनकी पूजा से ऐश्वर्य मिलता है। 8 साल की कन्या शांभवी होती है। इनकी पूजा से लोकप्रियता प्राप्त होती है। 9 साल की कन्या दुर्गा को दुर्गा कहा गया है। इनकी पूजा से शत्रु विजय और असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। 10 साल की कन्या सुभद्रा होती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होते हैं और सुख मिलता है।

अष्टमी तिथि 26 मार्च

चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि 25 मार्च 2026 को दोपहर 1:50 बजे से शुरू होकर 26 मार्च 2026 को सुबह 11:48 बजे तक रहेगी। ऐसे में नवरात्र की अष्टमी तिथि का व्रत 26 मार्च को रखा जाएगा।

नवमी तिथि 27 मार्च

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च 2026 को सुबह 11:46 मिनट पर होगा। वहीं इस तिथि का अंत 27 मार्च 2026 को सुबह 10:07 मिनट पर होगा। ऐसे में नवरात्र की नवमी तिथि का व्रत 27 मार्च को रखा जाएगा।

इस तरह करें पूजन

कन्या पूजन के दिन घर आईं कन्याओं का सच्चे मन से स्वागत करना चाहिए। इससे देवी मां प्रसन्न होती हैं। इसके बाद स्वच्छ जल से उनके पैरों को धोना चाहिए। इससे भक्त के पापों का नाश होता है। इसके बाद सभी नौ कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद लेना चाहिए। इससे भक्त की तरक्की होती है। पैर धोने के बाद कन्याओं को साफ आसन पर बैठाना चाहिए। अब सारी कन्याओं के माथे पर कुमकुम का टीका लगाना चाहिए और कलावा बांधना चाहिए। कन्याओं को भोजन कराने से पहले अन्य का पहला हिस्सा देवी मां को भेंट करें, फिर सारी कन्याओं को भोजन परोसे। वैसे तो मां दुर्गा को हलवा, चना और पूरी का भोग लगाया जाता है। लेकिन अगर आपका सामाथ्र्य नहीं है तो आप अपनी इच्छानुसार कन्याओं को भोजन कराएं। भोजन समाप्त होने पर कन्याओं को अपने सामथ्र्य अनुसार दक्षिणा अवश्य दें। क्योंकि दक्षिणा के बिना दान अधूरा रहता है।

विवाह में देरी

यदि शादी में देरी हो रही है तो पांच साल की कन्या को खाना खिलाकर। श्रृंगार का सामान भेंट करें।

धन संबंधी समस्या

पैसों की कमी से परेशान हैं तो चार साल की कन्या को खीर खिलाएं। इसके बाद पीले कपड़े और दक्षिणा दें।

शत्रु बाधा और काम में रुकावटें

नौ साल की तीन कन्याओं को भोजन सामग्री और कपड़ें दें।

पारिवारिक क्लेश

तीन और दस साल की कन्याओं को मिठाई दें।

बेरोजगारी

छह साल की कन्या को छाता और कपड़ें भेंट करें।

सभी समस्याओं का निवारण

पांच से 10 साल की कन्याओं को भोजन सामग्री देकर दूध, पानी या फलों का रस भेंट करें। सौन्दर्य सामग्री भी दें।

अष्टमी और नवमी के दिन इन बातों का भी रखें ध्यान

चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन कन्या पूजन के बाद व्रत का पारण किया जाता है। कुछ लोग अष्टमी को कन्या पूजन करते हैं तो कुछ लोग नवमी तिथि पर। इस दिन कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर पूजन किया जाता है। साथ ही, भक्त अपनी श्रद्धा अनुसार कन्याओं को धन, पेंसिल आदि चीजें भेंट करते हैं। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी मनाने वाले जातक 26 मार्च, गुरुवार को कन्या पूजन करेंगे और नवमी तिथि इस बार 27 मार्च, शुक्रवार को पड़ रही है।

अष्टमी कन्या पूजन शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि का आरंभ 25 मार्च, बुधवार के दिन दोपहर में 1 बजकर 51 मिनट से होगा और अगले दिन 26 मार्च, गुरुवार को सुबह 11 बजकर 49 मिनट तक अष्टमी तिथि व्याप्त रहेगी। इसके पश्चात, नवमी तिथि लग जाएगी। ऐसे में जो लोग अष्टमी पूजते हैं उनके लिए 26 मार्च को सुबह 11 बजकर 49 मिनट तक कन्या पूजन कर लेना उत्तम रहेगा।

नवमी कन्या पूजन शुभ मुहूर्त

पंचांग की गणना के मुताबिक, नवमी तिथि 26 मार्च, गुरुवार को सुबह 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी और अगले दिन यानी 27 मार्च, शुक्रवार को सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक व्याप्त रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 27 मार्च को नवमी पूजन करना शास्त्र सम्मत होगा। जो लोग अष्टमी का व्रत रखकर नवमी के दिन व्रत का पारण करते हैं उनके लिए 27 तारीख को सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक कन्या पूजन कर लेना आवश्यक होगा। क्योंकि इसके पश्चात 10वीं तिथि का आरंभ हो जाएगा।

चैत्र नवरात्रि कन्या पूजन विधि

अष्टमी व नवमी तिथि यानी जिस भी दिन आप कन्या पूजन करते हों उस दिन सर्वप्रथम कन्याओं के चरण धोने चाहिए।

कन्याओं को आसन पर बिठाकर उन्हें तिलक लगाएं और अपने घर में ही भोजन कराना चाहिए। इसके लिए हलवा, पूरी, चने और खीर बनाया जा सकता है।

कन्या पूजन में आप कन्याओं को लाल वस्त्र भेंट कर सकते हैं। उन्हें मां दुर्गा स्वरूप मानते हुए लाल वस्त्र भेंट करने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है।

भोजन के साथ-साथ कन्याओं को एक फल भी जरूर देना चाहिए। इसके लिए आप केला, सेब, अनार आदि ले सकते हैं। साथ ही, कन्याओं को वस्त्र के अलावा लाल रंग की चुनरी भी भेंट की जा सकती है।

कन्या पूजन के पश्चात कन्याओं को श्रृंगार का सामान देने का भी खास महत्व होता है। इसके लिए आप उन्हें लाल बिंदी, नेलपेंट, चूड़ियां आदि भेंट कर सकते हैं।

मान्यता है की कन्याओं को श्रृंगार का सामान देने से ये सीधा देवी को अर्पित माना जाता है। इसके अलावा, लोक मान्यताओं के अनुसार जीरा या चावल भी कपड़े में बांधकर दिया जाता है।

कन्या पूजन के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

अष्टमी और नवमी तिथि पर आमतौर पर नौ कन्याओं को भोजन कराया जाता है। लेकिन अगर ऐसा संभव न हो तो आप 3, 5 या 7 कन्याओं को भी भोजन करा सकते हैं।

कन्या पूजन में कन्याओं के साथ ही एक लड़के को भी भोजन कराना चाहिए। जिसे बटुक भैरव कहा जाता है और 9 कन्याओं को देवी दुर्गा का नौ स्वरूप माना जाता है।

शास्त्रों के अनुसार, नवरात्रि में पहले दिन से लेकर अंतिम दिन तक कन्याओं को भोजन कराया जा सकता है। साथ ही, नवमी और अष्टमी तिथि पर भी कन्या पूजन किया जाता है।

शास्त्रीय नियम है की अष्टमी व नवमी तिथि पर 2 से 10 आयु तक की कन्याओं को भोजन कराना चाहिए। विधि-पूर्वक कन्या पूजन करने से साधक को कई दोषों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, मां दुर्गा की कृपा से सुख-सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

पीएम संबोधन, 'ट्रंपी युद्धविराम'

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में वक्तव्य देकर पश्चिम एशिया के संकट और संघर्ष को कोरोना महामारी जैसी गंभीर और अभूतपूर्व चुनौती माना है। उन्होंने देश की एकजुटता का आह्वान किया और इस आर्थिक, सुरक्षा संबंधी, मानवीय चुनौती को 'चुनौती' देने का हौसला दिया। प्रधानमंत्री ने देश को आश्वस्त भी किया और जानकारी भी साझा की कि पहले हम 27 देशों से आयात करते थे, लेकिन अब 41 देशों से विविध सामान ले रहे हैं। देश में 53 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का 'रणनीतिक भंडार' है। उसे बढ़ा कर 65 लाख मीट्रिक टन करने पर काम किया जा रहा है। अब हम पेट्रोल में 20 फीसदी ईथेनॉल का मिश्रण करते हैं, लिहाजा 4.5 करोड़ बैरल कम तेल आयात करना पड़ रहा है। यह प्रयोग सफल रहा है। रेलवे का लगभग 100 फीसदी बिजलीकरण किया जा चुका है, लिहाजा डीजल और कोयले की खपत नगण्य हो गई है। देश में खाद्यान्न के पर्याप्त भंडार हैं और खरीफ की बुवाई के लिए उर्वरकों की पूरी व्यवस्था है। देश में यूरिया के 6 प्लांट लगाए गए हैं, जो 76 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन कर रहे हैं। किसानों को 22 लाख सोलर पंप दिए गए हैं। देश में बिजली उत्पादन की पर्याप्त मात्रा है और 1500 मेगावाट पनबिजली जोड़ी जा रही है। वैकल्पिक ऊर्जा के तौर पर 250 गीगावाट का उत्पादन किया जा रहा है। मानवीय स्तर पर देखें, तो ईरान युद्ध शुरू होने के बाद 3.75 लाख भारतीयों को वापस लाए हैं। ईरान से भी करीब 1000 भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। मेडिकल के 700 छात्रों को भी वापस लाने में हम सफल रहे हैं। भारतीय दूतावास 24 घंटे काम कर रहे हैं और भारतीयों के संपर्क में हैं। बहरहाल यह संसद में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का सारांश है। यह उनका दायित्व भी था कि देश को यथार्थ बताएं। इसे हम 'राष्ट्र के नाम संबोधन' ही नहीं, बल्कि वैश्विक संदेश मानते हैं। प्रधानमंत्री ने बार-बार मानवता की रक्षा और उसके हित में तनाव, युद्ध को अविलंब खत्म करने की अपील की है। भारत संयम, संवाद, शांति, स्थिरता और कूटनीति का पक्षधर रहा है। प्रधानमंत्री के वक्तव्य के दो-अढाई घंटे बाद ही अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने, अचानक ही, एकतरफा और पांच दिनों का युद्धविराम घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत सार्थक और सकारात्मक रही है। ईरान अमरीका के साथ डील करना चाहता है। कैसी डील...! अमरीका ने तो ईरान के पॉवर प्लांट तबाह करने के लिए 48 घंटे की धमकी दी थी, लेकिन 12 घंटे शेष रहते ही युद्धविराम का ऐलान कर दिया। क्या यह ट्रंप का नया छलावा, षड्यंत्र है अथवा वह युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अब ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। हम कई मुद्दों पर सहमत हैं, लिहाजा तय किया गया है कि अमरीका पांच दिन तक कोई भी हमला नहीं करेगा। युद्ध विभाग को भी निर्देश दे दिए गए हैं, लेकिन ईरान ने ट्रंप के बातचीत के दावे को सिरे से ही खारिज कर दिया है। न कोई बातचीत हुई है और न ही किसी डील की अपेक्षा है। अमरीका ने बातचीत का संदेश भेजा जरूर था, जिसे ईरान ने नकार दिया था। ईरान का मानना है कि ट्रंप ईरान के पलटवार तबाही वाले हमलों की चेतावनी से डर गए हैं, लिहाजा युद्ध में पीछे हटे हैं। अमरीका एक बार फिर हार गया है। बेशक राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा से ही कच्चे तेल की कीमतें 15-16 फीसदी लुढक़ कर 96 डॉलर पर आ गईं। शेयर बाजारों में भी उछाल देखा गया। सवाल यह है कि क्या अब राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ 'स्थायी युद्धविराम' के मूड में हैं? अमरीका में ही चौतरफा विरोध जारी है। संसद और सीनेट के मध्यावधि चुनाव इसी साल हैं। यदि ट्रंप की 'रिपब्लिकन पार्टी' का संसद में बहुमत समाप्त हो गया, तो राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। अमरीका में आर्थिक स्थितियां बेहद खराब हैं। क्या उन्हीं से विवश होकर युद्धविराम की घोषणा की गई है? बहरहाल इजरायल इससे सहमत नहीं है, लिहाजा ईरान पर लगातार हमले कर रहा है। ईरान भी आक्रामक जवाब दे रहा है। युद्धविराम के मायने क्या हैं फिर? दोनों ओर से हमले किए जा रहे हैं, खूब बारूद फूंका जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने देश को आश्वस्त भी किया और जानकारी भी साझा की कि पहले हम 27 देशों से आयात करते थे, लेकिन अब 41 देशों से विविध सामान ले रहे हैं। देश में 53 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का 'रणनीतिक भंडार' है। उसे बढ़ा कर 65 लाख मीट्रिक टन करने पर काम किया जा रहा है। अब हम पेट्रोल में 20 फीसदी ईथेनॉल का मिश्रण करते हैं, लिहाजा 4.5 करोड़ बैरल कम तेल आयात करना पड़ रहा है। यह प्रयोग सफल रहा है। रेलवे का लगभग 100 फीसदी बिजलीकरण किया जा चुका है, लिहाजा डीजल और कोयले की खपत नगण्य हो गई है। देश में खाद्यान्न के पर्याप्त भंडार हैं और खरीफ की बुवाई के लिए उर्वरकों की पूरी व्यवस्था है। देश में यूरिया के 6 प्लांट लगाए गए हैं, जो 76 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन कर रहे हैं। किसानों को 22 लाख सोलर पंप दिए गए हैं। देश में बिजली उत्पादन की पर्याप्त मात्रा है और 1500 मेगावाट पनबिजली जोड़ी जा रही है। वैकल्पिक ऊर्जा के तौर पर 250 गीगावाट का उत्पादन किया जा रहा है। मानवीय स्तर पर देखें, तो ईरान युद्ध शुरू होने के बाद 3.75 लाख भारतीयों को वापस लाए हैं। ईरान से भी करीब 1000 भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। मेडिकल के 700 छात्रों को भी वापस लाने में हम सफल रहे हैं।

भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न-भिन्न किया गया था

अनुसूचित जाति आरक्षण- जनजातीय बिना अधूरा है पर अच्छा है सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

प्रवीण गुगनानी

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुसूचित जाति के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस निर्णय से धर्मांतरण के अवैध व असामाजिक कृत्यों से देश को अंशतः मुक्ति मिलेगी। यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशतः रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (SC) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक-धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है। यह निर्णय केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को, सामाजिक संरचना को व हिंदुत्व के विरुद्ध चल रहे कुचक्र को रोकने वाला महत्वपूर्ण कदम है। स्वामी विवेकानंद ने धर्मांतरण की आग की आँच को भाँपकर ही कहा था - "एक धर्मांतरण एक देशद्रोही को जन्म देता है।" भारत में विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारतीय जाति व्यवस्था को षड़यंत्रपूर्वक छिन्न-भिन्न किया गया था। विदेशी आक्रमणकारी चाहे वे मुस्लिम हों या अंग्रेज़ अपने लाभ के लिए भाले-भाले हिंदू समाज में जातियों के आधार पर मतभेद के बीज बोते रहे हैं और सत्ता की फसल काटते रहे हैं। विदेशी आक्रणताओं के षड्यंत्रों के परिणाम स्वरूप ही पराधीन भारत में कई जातियों को हिंदू समाज में घोर उपेक्षा, अनदेखी, अनादरण व अपवंचन का करना पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है कि जब कोई व्यक्ति धर्म बदलता है, तो वह उस मूल सामाजिक ढांचे से बाहर आ जाता है, जिसके कारण उसे आरक्षण दिया गया था। यह सही भी है। विदेशी धर्मों को मानने वाले कई लोग धर्म बदलकर भी आरक्षण का लाभ उठा रहे थे जो कि आरक्षण कानून की मूल आत्मा के ही विरुद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह मंतव्य प्रकट किया है कि ईसाईत व इस्लाम में जाति व्यवस्था का उल्लेख ही नहीं है अतः जातिगत भेद-विभेद भी इन धर्मों में नहीं होते हैं। यह निर्णय ईसाई एवं इस्लामिक की मान्य मजहबी किताबों के आशय / दुराशय को ही आगे बढ़ाता है। बौद्ध, जैन, सिक्ख समुदाय को आरक्षण का लाभ पूर्ववत मिलता रहेगा क्योंकि इनमें जाति व्यवस्था लागू है। भारतीय समाज में मंथन चलता रहा है कि धर्मांतरण केवल आस्था का विषय है या इसके पीछे सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। अधिकांश धर्म परिवर्तन के मामलों में यह देखा गया है कि गरीब और वंचित वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार या अन्य सुविधाओं के माध्यम से प्रभावित कर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता है। मतांतरण के पीछे केवल और केवल दुराशय ही होते हैं। यह और कुछ नहीं अपितु भारत में जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ कर अपनी संख्या बढ़ाने समाज, सत्ता, व्यवस्था को मजहबी कानून से चलाने का एक षड्यंत्र है। लोकतंत्र में संख्या बल ही सत्ता को निर्धारित, नियंत्रित व नियमित करता है। धर्मांतरण कुचक्र का लक्ष्य अपनी संख्या बढ़ाने और टेक्टिकल वोटिंग के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में हावी होने का रहता है। इस विषय में यह भी ध्यान देना चाहिए कि दो कथित धर्म की मूल व्याख्याओं में ही अपनी संख्या को येन केन प्रकारेण बढ़ाने का मूल लक्ष्य सम्मिलित है। यह एक प्रामाणिक तथ्य है जिसे हम इनकी मजहबी किताबों में सरलता दे देख सकते हैं। यहीं से मतांतरण एक राष्ट्र विरोधी कार्य बन जाता है। भारत में ईसाईयत एवं इस्लाम की विस्तारवादी दुष्प्रवृत्ति मतांतरण का प्रमुख कारण है। ईसाईयत एवं इस्लाम दुष्प्रवृत्ति ने भारत के जातीय वर्गीकरण में असंतोष, भेद, विभेद, मतभेद, दूरियों के बीज बोए और सत्ता हथियाकर भारतीय धन-संपदा, संसाधनों को भरपूर लूटा है। सर्वविदित है कि भारत में निर्धन वर्ग को व अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के बंधुओं को लक्ष्य बनाकर ईसाई व मुस्लिम संस्थानों द्वारा धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह धर्मांतरण लव जिहाद, लैंड जिहाद आदि जैसे आपराधिक तरीकों से कराया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, कुछ सुविधाएँ, आदि देने के नाम पर बलात मतांतरण के लाखों मामले देश के वायुमंडल में विष घोलते रहे हैं। डरा-धमकाकर, बहला-फुसलाकर भारतीय ग्रामीणों भी मतांतरण कराए जाने के लाखों मामले प्रतिवर्ष समाज में आते रहे हैं। इस प्रकार के मामले सामने आने पर देश में अनेक बार सामाजिक शांति, सौहाद्र, सद्भाव बिगड़ता है व कानून व्यवस्था भंग होती है। मतांतरण के कारण देश में झगड़े, दंगे, बवाल होते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आरक्षण का लाभ समाप्त होने के भय से मतांतरण की गति कम होगी। यह निर्णय सुनिश्चित करता है कि आरक्षण का लाभ उसी उद्देश्य के लिए उपयोग हो, जिसके लिए उसे बनाया गया था। स्वाभाविक ही है कि धर्म परिवर्तन के साथ व्यक्ति का सामाजिक नेटवर्क, संस्थागत समर्थन और जीवनशैली बदल सकती है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या वह पहले जैसी सामाजिक वंचना का सामना कर रहा है या नहीं? इस निर्णय का स्वागत समूचा देश कर रहा है किंतु इसमें अभी कुछ और सुधार होना शेष है। SC के साथ-साथ यह नियम ST पर भी लागू होना चाहिए था। देश का जनजातीय समाज भी इन विदेशी व आयातित धर्मों के दुश्चक्र का बड़ा शिकार रहा है। देश का इतिहास साक्षी है कि वनवासी समाज को बड़ी मात्रा में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक लालच, लव जिहाद, लैंड जिहाद, डरा-धमकाकर मतांतरण के कुएँ में धकेला जाता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय को इस वन्दनीय निर्णय के आलोक में जनजातीय आरक्षण, मतांतरण आदि का अध्ययन करके स्वयं ही संज्ञान लेना चाहिए। यदि शीर्ष न्यायालय ऐसा करता है तो देश में आरक्षण का लाभ केवल उन लोगों तक पहुंचेगा जो वास्तव में उसी सामाजिक परिस्थिति में हैं जिसके लिए नीति बनाई गई थी। अन्यथा तो आरक्षण कानून के दुरुपयोग के उदाहरणों के बड़े आकार के नित नए शूलनुमा पहाड़ देश में और भी खड़े होते ही रहेंगे।

यद्यपि यह निर्णय अभी अधूरा है, जनजातीय समाज को भी इस निर्णय में सम्मिलित करने से ही देश आरक्षण के दुरुपयोग को रोक पायेगा, तथापि, इस निर्णय से भारत में आरक्षण कानून की आत्मा की अंशतः रक्षा तो होगी ही। यद्यपि यह निर्णय समय की माँग के अनुसार जनजातीय वर्ग को अपने प्रभाव में नहीं ले रहा है तथापि इस प्रकार के निर्णय की प्रतीक्षा देश का अनुसूचित जनजातीय समाज बड़ी आतुरता से कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (SC) के अंतर्गत मिलने वाले आरक्षण का लाभ केवल उन्हीं को मिलेगा जो मूल रूप से उस सामाजिक-धार्मिक श्रेणी में बने रहते हैं। यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो वह स्वतः उस आरक्षण के अधिकार से वंचित हो सकता है, क्योंकि यह आरक्षण ऐतिहासिक सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर दिया गया है।

देश दुनिया से

धर्म और जाति को लेकर आए 'सुप्रीम आदेश' के राजनीतिक-सामाजिक मायने

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं। इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है। जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मो में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों। तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा बनी हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायदेश मिलते रहते हैं।

इंद्रा साहनी केस (1992) से इस फैसले का सम्बन्ध

इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर SC दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति-आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का सारः इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27% आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50% कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक-शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए। हालिया फैसले से संबंधः 2026 के एससी/एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है। हालांकि, सीधा उल्लेख नहीं मिला, लेकिन सामान्य आरक्षण दर्शन समान है, जिसका सर्वकालिक महत्व जगजाहिर है।

आप का नज़रिया

व्यवस्था का बिगड़ा पहर

बड़े ढांचे के बड़े इम्तिहान, अब इत्मीनान से देने पड़ेंगे। विधानसभा के बजट सत्र में विधायक प्रकाश राणा ने इमारतों की बेकद्री का हिसाब लगाते हुए जो कहा है, उसे सुनना होगा। उन्होंने जिक्र किया कि किस तरह आती-जाती सरकारों की पाजेब पहन कर सरकारी धन को बेकार किया जाता है। इमारतें सत्ता की निशानियां नहीं, राज्य की मिलकीयत में इजाफा होना चाहिएं, लेकिन होता यही है कि बदलती सरकारें, राज्य की प्राथमिकताओं में पिछली परियोजनाओं और भवनों के निर्माण की कार्रवाई रोक देती हैं। कुछ इसी तरह की खोज खबर सत्ता और विपक्ष के बीच भी हो रही है, जहां कहा यह जा रहा है कि पिछली सरकार ने फिजूलखर्ची में हजार के करीब भवन खड़े कर दिए। हमारी दीर्घकालीन योजनाएं आखिर हैं क्या और ढांचागत उपलब्धियों का मूल्यांकन होता कैसे। व्यवस्था के पहरे बिगड़ रहे हैं। पीढियों में निराशा, फिर भी शिक्षा के दरबार खड़े किए जा रहे हैं। हमारे सदन की बहस में गुस्सा है, पक्ष-विपक्ष है, लेकिन प्रदेश की हकीकत पर ताज्जुब नहीं है। एक लाख करोड़ के ऋण के नीचे कितनी जमीन और ऊपर कितना आसमान बचा है, इस पर चर्चा न होकर सभी दल एक-दूसरे की कमीज फाड़ रहे हैं। कमीजें तो पुलिस व्यवस्था की भी लीर-लीर हो गईं, जब ड्रग तस्करी रोकने वाले चार पुलिस कर्मी इसी के सौदागर बन गए। एसटीएफ के चार पुलिस कर्मी पूरे महकमे की पड़ताल में धूल झोंक देते हैं और एलएसडी तस्करों के साथ हाथ मिला कर दुकान खोल लेते हैं। इस दुस्साहस की कई वजह हो सकती हैं या ड्रग्स के धंधे में कई सफेदपोश सक्रिय हैं। हम पूरे महकमे की कार्यप्रणाली पर संदेह नहीं कर सकते, लेकिन इस तरह के उदाहरणों से सबक लेने की गुजारिश कर सकते हैं। दूसरे यह भी कि हिमाचल का क्राइम सीन अति भयावह हो रहा है। संगठित अपराध की जद में अगर पुलिस कर्मी पहुंच कर पलने लगें, तो प्रदेश की तमाम हवाओं पर शक करना होगा। अपराध के नक्शे पर हिमाचल के सबूत अब ढर्रे को बदलने की अपील करते हैं। कम से कम बार्डर एरिया पर पुलिस के पहरे और सख्त तथा महकमे की सूरत को बदलने की जरूरत बढ़ चुकी है। पुलिस प्रणाली में व्यवस्थागत सुधारों को टाला नहीं जा सकता। नगर निगम क्षेत्रों के कम से कम जिला मुख्यालय स्तर पर पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करनी होगी, जबकि पुलिस के अपराध व नशा निवारण जैसे सैलों के मुख्यालय बीबीएन में स्थापित होने चाहिएं। हिमाचल में सामाजिक व नागरिक व्यवहार में आते दबाव के कारण, पुलिस के सामने नई चुनौतियां पेश हो रही हैं, जबकि साइबर क्राइम भी जड़ें फैला रहा है। ऐसे में उस रिटायर्ड अधिकारी को साइबर अरेस्ट से कौन बचाएगा, जो अपनी बचत का निवेश करते हुए लालच में फंस जाता है। उन छात्रों के जीवन को कौन सुरक्षित करेगा, जो शिक्षा की परिपाटी में अपना आत्मबल और नैतिक साहस खो रहे हैं। पालमपुर के कालेज में एक छात्रा ने अपने ही क्लास रूम की आंखों के सामने खुदकुशी कर ली, तो प्रश्नों के सारे उत्तर पुलिस तफतीश नहीं कर सकती। वहां शिक्षा का परिसर, पाठ्यक्रम का सिलसिला, जीवन की उमंगों का सफर तथा परिवेश की सीमाओं का उल्लंघन दिखाई देता है। हिमाचल को अब अपने तौर तरीकों में समाती आफत से डरना होगा। जीवन की प्रतिस्पर्धा में आपाधापी की घुसपैठ से डरना होगा। विधानसभा के मिजाज में तल्खियां भरने वाले सोचें कि राज्य की तस्वीर में कुछ भयानक साये पीछा कर रहे हैं। कितना परिश्रम निचोड़ कर हमने हिमाचल को वर्तमान स्थिति पर खड़ा किया है, लेकिन अब असली परीक्षा व्यवस्था के हर पहलू और समाज के हर रास्ते पर होगी। पुलिस की वर्दी के नीचे इनसानियत जिंदा रहे, छात्रों के मकसद में भविष्य उज्ज्वल रहे और जनप्रतिनिधियों के फर्ज के आगे प्रदेश का लक्ष्य बड़ा रहे, यह सोच सशक्त करनी पड़ेगी।

विधानसभा के बजट सत्र में विधायक प्रकाश राणा ने इमारतों की बेकद्री का हिसाब लगाते हुए जो कहा है, उसे सुनना होगा। उन्होंने जिक्र किया कि किस तरह आती-जाती सरकारों की पाजेब पहन कर सरकारी धन को बेकार किया जाता है। इमारतें सत्ता की निशानियां नहीं, राज्य की मिलकीयत में इजाफा होना चाहिएं, लेकिन होता यही है कि बदलती सरकारें, राज्य की प्राथमिकताओं में पिछली परियोजनाओं और भवनों के निर्माण की कार्रवाई रोक देती हैं। कुछ इसी तरह की खोज खबर सत्ता और विपक्ष के बीच भी हो रही है, जहां कहा यह जा रहा है कि पिछली सरकार ने फिजूलखर्ची में हजार के करीब भवन खड़े कर दिए। हमारी दीर्घकालीन योजनाएं आखिर हैं क्या और ढांचागत उपलब्धियों का मूल्यांकन होता कैसे। व्यवस्था के पहरे बिगड़ रहे हैं। पीढियों में निराशा, फिर भी शिक्षा के दरबार खड़े किए जा रहे हैं। हमारे सदन की बहस में गुस्सा है, पक्ष-विपक्ष है, लेकिन प्रदेश की हकीकत पर ताज्जुब नहीं है। एक लाख करोड़ के ऋण के नीचे कितनी जमीन और ऊपर कितना आसमान बचा है, इस पर चर्चा न होकर सभी दल एक-दूसरे की कमीज फाड़ रहे हैं। कमीजें तो पुलिस व्यवस्था की भी लीर-लीर हो गईं, जब ड्रग तस्करी रोकने वाले चार पुलिस कर्मी इसी के सौदागर बन गए। एसटीएफ के चार पुलिस कर्मी पूरे महकमे की पड़ताल में धूल झोंक देते हैं और एलएसडी तस्करों के साथ हाथ मिला कर दुकान खोल लेते हैं। इस दुस्साहस की कई वजह हो सकती हैं या ड्रग्स के धंधे में कई सफेदपोश सक्रिय हैं।

कुछ अलग

मोहल्ला हैप्पीनेस रिपोर्ट मुर्दाबाद...

वैसे तो हमारे मोहल्ले में आवारा कुत्तों को छोडक़र कोई भी हैप्पी नहीं, पति अपनी बीवी से परेशान है तो बीवी अपने पति से। बेटा अपने बाप से परेशान है तो बाप अपने बेटे से। बहन अपने भाई से परेशान है तो भाई अपनी बहन से। ये पड़ोसी अपने बगल के पड़ोसी से परेशान है तो वो पड़ोसी अपने अगल के पड़ोसी से। कोई अपनी टंकी में हर रोज पानी न आने से परेशान है तो कोई दूसरों की टंकी ओवरफ्लो होने से। कोई अपनी कमीज उसकी कमीज से अधिक सफेद होने से परेशान है तो कोई...मोहल्ले में जीव एक तो परेशानियां अनेक। इतनी परेशानियों के बीच फिर भी हम हर साल किसी भी प्राइवेट एजेंसी से अपने मोहल्ले का रस्म अदायगी के लिए सालाना हैप्पीनेस सर्वे करा लेते हैं ताकि पता होते हुए भी पता चल जाए कि किस बंदे का हैप्पीनेस रैंक पिछले साल की अपेक्षा इस साल कितना गिरा है। असल में क्या है कि ज्यों ज्यों हमारा जीवन स्तर ऊंचा होता जा रहा है त्यों त्यों पता नहीं हम क्यों और भी अनहैप्पी होते जा रहे हैं। इसी परंपरा को जीवित रखते हुए हमने अपने मोहल्ले के जीवों का इस बार भी सालाना हैप्पीनेस स्तर मापने के लिए एक प्राइवेट एजेंसी से हैप्पीनेस सर्वे करवाया ताकि सर्वे के बाद सालाना हैप्पीनेस रिपोर्ट जनरल हाउस में पेश की जाए। और मित्रो! कल हमारे मोहल्ले के मोहल्ला विकास समिति के लाइफ टाइम अध्यक्ष ने मोहल्ले की वार्षिक हैप्पीनेस रिपोर्ट जनरल हाउस में सर्वाजनिक की तो तथाकथित हैप्पीनेसी परेशान हो उठे। वे भी जिन्हें पता था कि वे पक्का हैप्पीनेस रिपोर्ट में सबसे नीचे होंगे।

दृष्टि कोण

कालेज छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य

देश में उच्च शिक्षा की रेग्युलेटरी संस्था, यूजीसी ने एक नई पहल करते हुए कालेज और यूनिवर्सिटी में पढऩे वाले छात्रों की मेंटल हेल्थ, फिटनेस, यानी कि मानसिक स्वास्थ्य और खुशनुमा जिंदगी को लेकर खास गाइडलाइंस जारी की हैं। अब सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि छात्रों की मानसिक स्थिति, तनाव और जीवनशैली पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। भारत ही नहीं, यहां तक कि पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में, इस समय 45 फीसदी से अधिक कालेज छात्र मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसके कारण डिग्री पूरी न कर पाने की दर 39 फीसदी तक पहुंच गई है। यूजीसी का मानना है कि उच्च शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह छात्रों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें समाज के लिए तैयार करने का जरिया है। ऐसे में संस्थानों की जिम्मेदारी बनती है कि वे छात्रों को एक सुरक्षित, सकारात्मक और सपोर्टिव माहौल दें, जहां वे बिना डर और दबाव के आगे बढ़ सकें। इन गाइडलाइंस में खासतौर पर उन समस्याओं को ध्यान में रखा गया है जिनसे आज के छात्र जूझ रहे हैं। पढ़ाई का दबाव, करियर की चिंता, दोस्तों का दबाव, तनाव, डिप्रेशन और व्यवहार से जुड़ी दिक्कतें आज आम हो गई हैं। यूजीसी ने संस्थानों से कहा है कि वे इन समस्याओं को गंभीरता से लें और समय रहते समाधान निकालें। यूजीसी ने यह भी कहा है कि कालेज और यूनिवर्सिटी का माहौल सिर्फ क्लासरूम तक सीमित नहीं होना चाहिए। कैंपस में ऐसी गतिविधियां होनी चाहिए जो छात्रों के शैक्षणिक, सामाजिक और व्यक्तिगत विकास में मदद करें। क्या देश के सभी कालेज ऐसा कर रहे हैं? इसके लिए इंटर्नशिप, ग्रुप एक्टिविटी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामुदायिक कार्यों को बढ़ावा देने की बात कही गई है। गाइडलाइंस के अनुसार हर संस्थान में स्टूडेंट सर्विस सेंटर बनाया जाना चाहिए। यह एक ऐसा सेंटर होगा जहां छात्रों को काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी मदद और अन्य समस्याओं का समाधान मिल सकेगा। यहां प्रशिक्षित एक्सपट्र्स मौजूद रहेंगे, जो छात्रों की बात सुनेंगे और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देंगे। इसके साथ ही आज छात्रों की शारीरिक फिटनेस भी उतनी ही जरूरी है

जितनी पढ़ाई। इसलिए कालेजों को खेल के मैदान, जिम, योग और फिटनेस प्रोग्राम जैसी सुविधाएं देनी होंगी, जहां छात्रों को नियमित रूप से फिजिकल एक्टिविटी करने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रह सकें। जरूरी है कि छात्रों के साथ बहुत ज्यादा सख्ती या सजा देने से बचा जाए। अगर किसी छात्र में व्यवहार से जुड़ी समस्या है, तो उसे सजा देने के बजाय काउंसलिंग और सुधार के जरिए मदद की जाए। इससे छात्र खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे और खुलकर अपनी बात रख पाएंगे। क्यों न कालेज और यूनिवर्सिटी मेडिकल संस्थानों के साथ मिलकर काम करें। इससे जरूरत पडऩे पर छात्रों को बेहतर इलाज और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी, साथ ही भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा मेंटल हेल्थ एक्सपट्र्स तैयार करने पर भी जोर दिया जाना चाहिए। कालेज छात्रों का गिरता मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर मुद्दा है, जिसमें लगभग 40 फीसदी छात्र अवसाद या चिंता से जूझ रहे हैं। शैक्षणिक दबाव, वित्तीय तनाव और भविष्य की अनिश्चितता प्रमुख कारण हैं। भारत के कालेज छात्र एक खामोश मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे हैं। आंध्र प्रदेश की एक निजी यूनिवर्सिटी के किए गए एक मल्टी-सिटी अध्ययन में यह चिंताजनक तस्वीर सामने आई थी। जुलाई से नवंबर 2023 के बीच किए गए इस सर्वे में देश के 8 टियर-1 शहरों दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और कोलकाता के 1628 छात्रों (उम्र 18-29 वर्ष) को शामिल किया गया। सर्वे के अनुसार करीब 70 फीसदी छात्र एंग्जाइटी और 60 फीसदी से ज्यादा डिप्रेशन से जूझ रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आ–वश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जीवनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा। किसी भी काम को करने से पहले यह जान लें कि इसका परिणाम आपके ऊपर कैसा पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक़्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है। किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर देनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है। कारोबारी में मुनाफ इस राशि के कारोबारियों के लिए आज सुनहरे सपने के सच होने जैसा होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका रूखा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज का दिन तनाव से मुक्त रहने की कोशिश करें, इसलिए आराम करने पर ज़ोर दें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता कुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुप–स्थिति में महसूस करेंगे। वक़्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 मार्च 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 11:51 तक
नक्षत्र : आर्द्रा सायं 04:19 तक
योग : शोभन रात्रि 12:30 तक
करण : बव दोपहर 11:51 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , श्रीराम नवमी ,
सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 04:20 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सबसे पहले नहीं, सबसे सही बताने की होड़ में रहें पत्रकार : वासुदेव देवनानी

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पत्रकारों से सरकार और समाज के बीच सेतु बन सत्य, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया है । उन्होंने युवा पत्रकारों से कहा कि वे सबसे पहले नहीं, सबसे सही बताने की होड़ में रहें। देवनानी बुधवार को जयपुर में हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पत्रकारों से विश्व के समक्ष आसन्न वर्तमान संकट में अपनी जिम्मेदारियों को समझने और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ पत्रकारिता धर्म निभाने की अपील की। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस गरिमामय समारोह की अध्यक्षता राजस्थान के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने की। राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं उच्च–तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ प्रेम चंद बैरवा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि देश और समाज का भावी पत्रकारों के प्रति विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक पेशा नहीं, बल्कि सत्य और समाज के प्रति समर्पण का माध्यम है। उन्होंने युवा पत्रकारों का आह्वान किया गया कि वे सबसे पहले खबर देने की बजाय सबसे सही खबर बताने को प्राथमिकता दें।

लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है मीडिया– विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य करता है। उन्होंने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में प्रेस ने सेंसरशिप के विरोध में अपने संपादकीय कॉलम को काले बॉर्डर में खाली छोड़कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा का साहसिक उदाहरण प्रस्तुत किया था। बाद में इसमें लोकतन्त्र को ही विजय मिली । उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आप अपनी कलम की ताकत को पहचानिए, क्योंकि यह केवल शब्द नहीं लिखती, बल्कि इतिहास रचती है।

डिजिटल युग में बढ़ी जिम्मेदारी– वर्तमान डिजिटल युग का उल्लेख करते हुए श्री देवनानी ने कहा कि आज सूचना का प्रवाह अत्यंत तेज हो गया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। हालांकि, इसके साथ फेक न्यूज़ और दुष्प्रचार और मिथ्या प्रचार जैसी गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। ऐसे में मीडिया की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि एक गलत खबर समाज के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाती है।

स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारिता का योगदान– स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए देवनानी ने गणेश शंकर विद्यार्थी, बाल गंगाधर तिलक, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और संविधान निर्माता डॉ.भीमराव आंबेडकर जैसे महान नेताओं का जो पत्रकार भी थे,उदाहरण देते हुए कहा कि उस दौर में पत्रकारिता जनजागरण और स्वतंत्रता आंदोलन का सशक्त माध्यम थी।उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पत्रकारिता से जुड़े होने का जिक्र किया। विशेष कर आकाशवाणी पर प्रसारित किए जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त उपकरण भी है।

'संगीत के माध्यम से साधना' हेतु प्रस्तावित विश्वविद्यालय शीघ्र स्थापित हो : पू. पं. केशव गिंडे

रामनाथी (गोवा), 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोवा के पोंडा स्थित महाऋषि अध्यात्म विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय आध्यात्मिक परिसंवाद में वरिष्ठ बांसुरी वादक पंडित केशव गिंडने ने संगीत के माध्यम से साधना के लिए मार्गदर्शन देने वाले प्रस्तावित विश्वविद्यालय की शीघ्र स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इसे सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवले की दूरदर्शी संकल्पना बताते हुए भगवान से इसके शीघ्र साकार होने की प्रार्थना की।

22 और 23 मार्च को आयोजित 'संगीत के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति' विषयक इस परिसंवाद का मुख्य केंद्रबिंदु डॉ. आठवले द्वारा प्रतिपादित यह विचार रहा कि कला केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि ईश्वरप्राप्ति का प्रभावी साधन है।

परिसंवाद का उद्देश्य कला के माध्यम से साधना की दिशा में भावी पीढ़ी को मार्गदर्शन देना और उसके लिए व्यावहारिक उपायों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में पुणे, मुंबई, ठाणे और गोवा के अनेक प्रख्यात कलाकारों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।विश्वविद्यालय की संगीत समन्वयक तेजल पात्रीकार और गिरिजय प्रभुदेसाई ने 'संगीत के माध्यम से साधना' विषय पर डॉ. आठवले द्वारा दिए गए मार्गदर्शन का विस्तृत विवेचन किया।

इस दौरान भारतीय संगीत पर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोधकार्य और संगीत के सूक्ष्म आध्यात्मिक आयामों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया।

मुंबई के वरिष्ठ हार्मोनियम वादक वं. विश्वनाथ कान्हेरे ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कारण वर्षों बाद कलाकार एक मंच पर एकत्र हुए हैं और कला

की अंतिम अवस्था अध्यात्म ही है। नृत्यांगना सोनिया परचुरे ने कहा कि यदि संगीत को अध्यात्म से जोड़ा जाए, तो इसका प्रभाव पूरे भारत पर पड़ सकता है और आने वाली पीढ़ी को इससे नई दिशा मिलेगी।

ठाणे के शास्त्रीय गायक पं. निषाद बाक्रे ने इसे कला को आध्यात्मिक दृष्टिकोण देने वाली नई चळवळ की शुरुआत बताया, जबकि पं. चंद्रशेखर वझे ने महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय को भविष्य का मार्गदर्शक संस्थान बताया। नृत्यगुरु ज्योति शिधये ने कहा कि यह उपक्रम केवल चर्चा तक सीमित न रहकर क्रियाशीलता की दिशा में आगे बढ़ा है।

दो दिवसीय इस आध्यात्मिक एवं सांगीतिक सम्मेलन का समापन पू. पं. केशव गिंडे द्वारा 'पांचजन्य वेणु' पर भजन प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने उपस्थित कलाकारों और साधकों को गहन आध्यात्मिक अनुभव प्रदान किया।

अधिकारी बेहतर प्रबंधन कर आमजन को पेयजल उपलब्ध कराएं : मंत्री कन्हैयालाल

जयपुर, 25 मार्च (एजेंसियां)। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः संकल्पबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल प्रबंधन के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया जा चुका है। अतः अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से आमजन तक निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री कन्हैयालाल बुधवार को जल भवन में आयोजित पेयजल आपूर्ति एवं समर कंटीजेंसी प्लान की समीक्षा बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर के मुख्य अभियंताओं, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं एवं अधीक्षण अभियंताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में अंतिम छोर तक रहने वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता के आधार पर पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल वितरण प्रणाली को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अवैध कनेक्शनों एवं बूस्टरों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि गर्मी के बढ़ते प्रभाव के साथ सतही जल स्रोतों में कमी और भूजल स्तर में गिरावट की संभावना को ध्यान में रखते हुए सभी ग्रीष्मकालीन संवर्धन कार्यों की स्वीकृतियां एवं कार्यादेश शीघ्र जारी किए जाएं। साथ ही सभी स्वीकृत कार्यों को 30 अप्रैल तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। मंत्री ने निर्देश दिए के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

साथ ही स्वीकृत हैंडपंप एवं नलकूपों को शीघ्र चालू कर सभी कार्य 15 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। लंबित विद्युत कनेक्शनों को संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र प्रारंभ करवाने पर भी जोर दिया गया। जलदाय मंत्री ने कहा कि पेयजल आपूर्ति के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाए तथा वृत स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की

छात्रवृत्ति घोटाले में बड़ा खुलासा

44.59 लाख रुपए की धोखाधड़ी मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ चालान पेश

अम्बाला, 25 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निर–ोधक ब्यूरो, अम्बाला ने छात्रवृत्ति घोटाले के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ न्यायालय, कैथल में चालान पेश किया है। आरोपी धर्मबीर (बीएल सेंटर संचालक), राजेश कुमार और नवीन कुमार पर आरोप है कि उन्होंने सुनियोजित तरीके से फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से सरकारी छात्रवृत्ति राशि का गबन किया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने शैक्षणिक सत्र 2013–14 और 2014–15 के दौरान 91 छात्र–छात्राओं के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाए और उन पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। इसके बाद पंजाब के शिक्षण संस्थानों में फर्जी दाखिले दर्शाते हुए छात्रवृत्ति के आवेदन तैयार किए गए। इन आ–वेदनों पर कालेजों की जाली मोहर, प्रिंसिपल के फर्जी हस्ताक्षर और फर्जी हाजिरी रजिस्टर लगाकर दस्तावेजों को वैध दिखाया गया। इन फर्जी दस्तावेजों को जिला कल्याण अधिकारी, कैथल के कार्यालय में जमा करवाकर छात्रवृत्ति राशि स्वीकृत करवाई गई। आरोपियों ने बायोमैट्रिक, चेक और अन्य माध्यमों से कुल 44,59,760 रुपये की राशि निकालकर अपने खातों में ट्रांसफर कर ली, जिससे हरियाणा सरकार और पात्र विद्यार्थियों को आर्थिक नुकसान पहुंचा।

इस संबंध में 19 दिसंबर 2023 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धार–ाओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान 29 दिसंबर 2025 को धर्मबीर, राजेश कुमार और नवीन कुमार को गिरफ्तार किया गया। इनमें से नवीन कुमार 6 फरवरी 2026 से जमानत पर है, जबकि धर्मबीर और राजेश कुमार फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में एक अन्य आरोपी, तत्कालीन बैंक अधिकारी हुकम चंद गुप्ता (सेवानिवृत) की गिरफ्तारी अभी लंबित है।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बताया कि मामले की गहन जांच के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ चालान न्यायालय में पेश कर दिया गया है तथा भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पंचकूला ईडी घोटाले पर भूपेंद्र हुड्डा का हमला, बोले

घोटालों की फैक्ट्री बन गई है सरकार

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सरकार में विकास का बेशक एक भी काम ना होता हो, लेकिन रोज नए–नए घोटाले जरूर होते हैं। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। पंचकूला नगर निगम में सामने आए 160 करोड़ रुपये के FD घोटाले पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा, यहां फर्जी ईडी कागजात जमा कर जनता के करोड़ों रुपये चट कर दिए गए। इतना बड़ा घोटाला सरकारी मिलीभगत के बिना संभव ही नहीं है। इसलिए पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में इससे पहले भी अनगिनत घोटाले हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 590 करोड़ के IDFC घोटाले के बाद अब पंचकूला नगर निगम में भी ऐसा ही घोटाला सामने आया है। मंडियों में आलू खरीद भावांतर के नाम पर भी घोटाला जारी है। इसके अलावा नदिया– जंगल–पहाड़ भी नही छोड़े गए सरकारी संरक्षण में माफिया ने तक़रीबन मोरनी डिवीज़न व यमुनानगर डिवीज़न में पिछले तीन–चार महीने में सेकड़ो करोड़ के ख़ैर के कीमती पेड़ चोरी हो चुके हैं । हुड्डा ने जोर देकर कहा कि इन सभी घोटालों की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि जनता के पैसे की लूट रुके और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

केंद्र योजनाओं की राशि का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करें अधिकारी : नायब सिंह

चंडीगढ़, 25 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों को लेकर विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के उपयोग, प्रगति एवं लंबित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं में स्वीकृत बजट का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेश के नागरिकों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे अनुदानों का पूर्ण और पारदर्शी उपयोग राज्य के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि उपयोगिता प्रमाण पत्र (णींळश्रळूरींळेप उर्शीींळषळलरींशी) समय पर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि आगामी किस्तों की स्वीकृति में कोई बाधा न आए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जिन योजनाओं में प्रगति

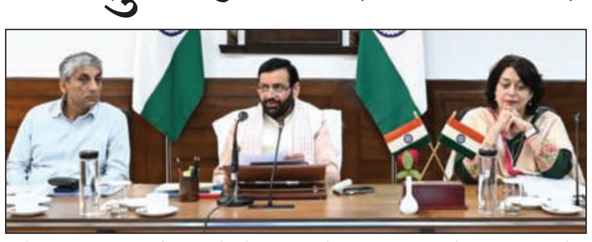

अपेक्षाकृत धीमी है, उनमें तेजी लाई जाए और उनका त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और निगरानी तंत्र को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रशासनिक अधिकारी अपने– अपने विभागों में नोडल अधिकारी नामित करें जो निरंतर केंद्र सरकार के विभागों से समन्वय स्थापित करते रहें ताकि अनुदान राशि स्वीकृत और जारी होने में देरी न हो।

नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा तकनीक के अधिकतम उपयोग के माध्यम से कार्यों की निगरानी की जाए।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दें

गरीबों को 'इंदिरम्मा' घर देने का श्रेय कांग्रेस सरकार को मिलना चाहिए : चिंतकुंटा विजयरामना राव

पेद्दापल्ली, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा में सरकारी व्हिप और पेद्दापल्ली के विधायक चिंतकुंटा विजयरामना राव ने बुधवार को इंदिरम्मा आवास योजना पर बोलते हुए कहा कि गरीब और मध्यम-वर्गीय परिवारों को इंदिरम्मा घर मंजूर करने का पूरा श्रेय 2004 से 2014 तक कांग्रेस सरकार को ही मिलना चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि उसके बाद सत्ता में आई इठड सरकार ने दस साल तक लोगों को डबल-बेडरूम घर देने के झूठे वादे करके धोखा दिया।

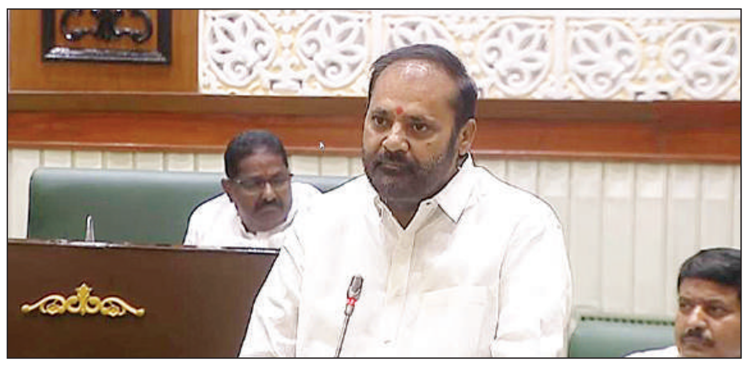

विधायक ने बताया कि रेवंत रेड्डी सरकार ने सत्ता संभालते ही पहले चरण में पाँच लाख घर मंजूर किए, जिनमें से 4.5 लाख घरों का काम चल रहा है। इनमें 25 प्रतिशत घर पूरे हो चुके हैं, जबकि बाकी विभिन्न चरणों में हैं।उन्होंने 'ङ3' श्रेणी के कुछ लाभार्थियों की समस्या की ओर ध्यान दिलाया। इनमें वे लोग शामिल हैं जिन्होंने इंदिरम्मा घरों का बेसमेंट स्तर पूरा कर लिया था, लेकिन सिर्फ अपने हिस्से का सीमेंट लेने या आजीविका के लिए ट्रैक्टर इस्तेमाल करने के कारण तकनीकी रुकावटों से बिलों का भुगतान नहीं हो पा रहा है।चिंतकुंटा विजयरामना राव ने मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और सरकार से अपील की कि संबंधित नियमों में बदलाव कर इन गरीब परिवारों को छूट दी जाए ताकि उन्हें बकाया भुगतान मिल सके।

पेट्रोल और डीज़ल का भरपूर स्टॉक उपलब्ध : ज़िला कलेक्टर

अनावश्यक घबराहट में खरीदारी न करें

पेद्दापल्ली, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़िला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने बुधवार को जारी बयान में जनता को भरोसा दिलाया कि पेद्दापल्ली ज़िले में पेट्रोल और डीज़ल का भरपूर स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अनावश्यक घबराहट में न पड़ें और होर्डिंग न करें।कलेक्टर ने कहा कि पेट्रोल-डीज़ल के स्टॉक को लेकर कुछ अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिससे जनता में चिंता पैदा हुई है। लेकिन वास्तविकता यह है कि

ज़िले की सीमा के भीतर ईंधन की कोई कमी नहीं है और हर पेट्रोल पंप पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है।उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन IOCL, BPCL और HPCL जैसी एजेंसियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है और पेट्रोल-डीज़ल के स्टॉक की नियमित समीक्षा कर रहा है। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि यदि लोग अत्यधिक घबराहट में खरीदारी करेंगे तो पंपों पर स्टॉक तेज़ी से खत्म हो सकता है।

कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने पुष्टि की कि सभी पेट्रोल पंपों पर समय पर ईंधन की भरपाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। रामागुंडम स्थित खजउङ और HPCL डिपो से पंपों तक लगातार रिफिल भेजे जा रहे हैं और आपूर्ति पूरी तरह नियमित है।

सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू 28 को

पेद्दापल्ली, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला सरकारी अस्पताल में रिक्त मेडिकल पदों को भरने के लिए शनिवार, 28 मार्च को सुबह 11:00 बजे वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने एक बयान जारी कर दी।

उन्होंने बताया कि यह भर्ती पेद्दापल्ली जिले में स्थित तेलंगाना वैद्य विधान परिषद के अस्पतालों में संविदा आधार पर की जाएगी।

जिन पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं, उनमें स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, हड्डी रोग विशेषज्ञ तथा सिविल सहायक सर्जन (MBBS) शामिल हैं।इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र, बायोडाटा, सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां और उनकी फोटोकॉपी के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है।वेतनमान के अनुसार सिविल सहायक सर्जन विशेषज्ञों को प्रति माह 1,00,000 तथा सिविल सहायक सर्जनों को 52,351 का पारिश्रमिक दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी अस्पताल प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं।

स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने और विकास कार्यों में तेजी के निर्देश

मंचेरियाल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कासिपेट मंडल स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया और अतिरिक्त कक्षाओं तथा भोजनशाला के निर्माण कार्यों की समीक्षा की।कलेक्टर ने सभी सरकारी स्कूलों में पेयजल, बिजली, अलग शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ पौष्टिक आहार और स्वच्छ पानी भी उपलब्ध कराया जाए।कुमार दीपक ने निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने, स्कूलों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने और इंदिरम्मा आवास योजनाओं को तेजी से लागू करने के भी निर्देश दिए।इसके अलावा उन्होंने स्थानीय अस्पताल और ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और साफ-सफाई बनाए रखने पर जोर दिया।कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु भवन निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

मंचेरियाल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने जिला मुख्यालय के पुराने मंचिर्याल क्षेत्र में निर्माणाधीन महिला शक्ति भवन के कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाकर उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। इसी क्रम में महिला समूहों के लिए बनाए जा रहे इंदिरा महिला शक्ति भवन का कार्य समय पर पूरा होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करने, गुणवत्ता बनाए रखते हुए शीघ्र पूर्ण करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

जुक्कल विधायक के निर्देश पर धनुर, सोमुर और शेखपुर में विकास कार्यों की शुरुआत

मदनूर, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के विधायक के निर्देश पर मंडल के धनुर, सोमुर और शेखपुर गांवों में विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत की गई। करीब 10 लाख रुपये की लागत से महिला संगम भवनों के निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई और शिलान्यास किया गया।

इसके अलावा धनुर और शेखपुर गांवों में सीसी सड़कों के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम में एमपीडीओ रानी, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष दरसवार सायलू, पूर्व सोसायटी अध्यक्ष कोंडा गंगाधर, धनुर सरपंच जयश्री, देवीदास पाटिल, संग्राम पटेल, तुकाराम, प्रकाश, सुदर्शन, ईरन्ना सहित कांग्रेस पार्टी के कई नेता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर दरसवार सायलू ने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न गांवों में महिला संगम भवनों का निर्माण करवा रही है, जिससे महिला समूहों को गतिविधियां संचालित करने के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

जमीन विवाद में बड़े भाई ने किया छोटे भाई पर हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

मंचेरियाल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर मंडल के कोम्मेरा गांव में जमीन विवाद के चलते एक व्यक्ति पर उसके बड़े भाई और भतीजों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीमल्लू ने अपने बेटों सम्मैया और रवि के साथ मिलकर छोटे भाई राजैया पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमला किया। हमले में राजैया को गंभीर चोटें आईं।

उसे पहले चेनूर अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत बिगड़ने पर

मंचेरियाल अस्पताल रेफर किया गया।

पीड़ित के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कुल्हाड़ी और डंडे भी बरामद कर लिए हैं।

आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे आपसी विवादों को कानून के माध्यम से सुलझाएं और हिंसा का सहारा न लें।

'अराइव अलाइव-2026' अभियान के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंचेरियाल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'अराइव अलाइव-2026' अभियान के तहत चेन्नूर रूरल सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण के नेतृत्व में पारुपल्ली चिंत क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को हेल्मेट पहनने, तेज गति से बचने तथा शराब पीकर वाहन न चलाने की सख्त सलाह दी। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई।

इस जागरूकता अभियान में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संकल्प लिया।

एससी-एसटी मामलों के त्वरित निपटारे और विकास योजनाओं पर प्रशासन का जोर

मंचेरियाल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने नस्पूर में आयोजित समीक्षा बैठक में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग से जुड़े अत्याचार मामलों के त्वरित निपटारे तथा उनके समग्र विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि इंदिरम्म आवास योजना में एससी-एसटी वर्ग को प्राथमिकता दी जाए और शिक्षा, छात्रावास तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष फोकस रखा जाए।बैठक में नशे के खिलाफ सख्त निगरानी रखने और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सलाबतपुर हनुमान मंदिर की हुंडी से 2.12 लाख से अधिक की आय

मदनूर, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सलाबतपुर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर की हुंडी से 2,12,965 की आय प्राप्त हुई है। यह जानकारी मंदिर के अधिकारी वेणु ने बुधवार को पत्रकारों को दी।

उन्होंने बताया कि संयुक्त निजामाबाद जिले के बंदोबस्ती विभाग के सहायक आयुक्त के आदेश पर मंदिर की हुंडी खोली गई और विधिवत रूप से दान राशि की गणना की गई।

हुंडी की गिनती के दौरान जिला विभाग के अधिकारी, मंदिर प्रशासन, मदनूर मंडल के विभिन्न मंदिरों के पुजारी तथा धूप-प्रसाद चढ़ाने वाले पुजारी संघ के जिला अध्यक्ष अंजन अप्पा सहित मंदिर समिति के सदस्य और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया और दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मोघा उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

मदनूर, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोघा उच्च प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को कक्षा 7 के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 8 के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने अपने वरिष्ठ साथियों को भावभीनी विदाई दी, जो अगले शैक्षणिक वर्ष से उच्च शिक्षा के लिए अन्य विद्यालयों में प्रवेश लेने जा रहे हैं।इस अवसर पर विभिन्न

खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिससे समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। छात्रों ने अपने सीनियर साथियों के साथ बिताए गए सात वर्षों की यादों को साझा किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य दयानंद, अम्मा आदर्श समिति की अध्यक्ष श्रीमती उज्ज्वला उत्तम पटेल, ग्राम सरपंच तथा विद्यालय का समस्त शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने और विद्यालय व गांव का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

लैक्रास टीमों से लास एंजेलिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रचने का आह्वान

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को भारतीय पुरुष और महिला लैक्रास टीमों को रियाद में आयोजित एशियन लैक्रास गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से कड़ी मेहनत जारी रखने और लास एंजेलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रचने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया।

खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए खेल मंत्री ने कहा कि लैक्रास जैसे उभरते खेलों में सफलता के लिए दृढ़ संकल्प, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और निरंतर मेहनत बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, लैक्रास भारत के लिए एक उभरता हुआ बड़ा खेल है। यह आपका पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय अनुभव था और आपने पहले ही देश के लिए पदक जीत लिए हैं। अब आपको और मेहनत करनी है, अधिक अनुभव हासिल करना है और ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर देश का नाम रोशन करना है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों को लगातार समर्थन देती रहेगी, लेकिन सफलता के लिए जुनून और निरंतर प्रयास सबसे महत्वपूर्ण हैं।

भारत ने इस साल फरवरी में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित एशियन लैक्रास गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिक्सेस फार्मेट में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में इराक को हराया, जबकि महिला टीम ने पाकिस्तान को मात दी।

गौरतलब है कि भारतीय महिला लैक्रास टीम ने 2024 में और पुरुष टीम ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था, ऐसे में यह उपलब्धि और भी खास मानी जा रही है। टीमों में देश के विभिन्न राज्यों—राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा, असम, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश—के खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया।

भारत की अगली बड़ी प्रतियोगिताएं अप्रैल में चीन के चेंगदू में होने वाले एशियन लैक्रास गेम्स और अक्टूबर में आस्ट्रेलिया में होने वाली एशिया-पैसिफिक सिक्सेस लैक्रास चैंपियनशिप हैं, जो लास एंजेलिस 2028 ओलंपिक क्वालिफिकेशन का अहम हिस्सा होंगी।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स के साथ जुड़े आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस और कूपर कोनोली

चंडीगढ़। पंजाब किंग्स के आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस और कूपर कोनोली आधिकारिक तौर पर मोहाली में टीम के साथ जुड़ गए हैं। दोनों खिलाड़ी आज सुबह टीम कैंप में शामिल हुए, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पहुंचने पर दोनों खिलाड़ी काफी उत्साहित नजर आए। उनकी मौजूदगी से पंजाब किंग्स की टीम को बड़ी मजबूती मिली है, जिसमें अनुभव और युवा जोश का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा। पिछले सीजन में उपविजेता रही पंजाब किंग्स की टीम पिछले कुछ हफ्तों से कड़ी ट्रेनिंग कर रही है और अब आईपीएल 2026 के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। टीम अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलेगी, जिसे लेकर टीम और फैंस दोनों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

महिला क्रिकेटः न्यूजीलैंड ने पांचवें टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 4-1 से जीती सीरीज

क्राइस्टचर्च। अमेलिया केर के शानदार आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को पांचवें टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हराकर सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली।

हैगले ओवल में खेले गए इस मुकाबले में केर ने 55 गेंदों पर 105 रनों की तूफानी पारी खेलने के साथ गेंदबाजी में भी दो विकेट झटके। इस शानदार प्रदर्शन के लिए अमेलिया केर को प्लेयर आफ द मैच और प्लेयर आफ द सीरीज चुना गया। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और इसाबेला गेज जल्दी आउट हो गईं। इसके बाद अमेलिया केर और जार्जिया प्लिमर ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी की। हालांकि तुमी सेखुखुने ने लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर न्यूजीलैंड को झटका दिया, लेकिन केर ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। अमेलिया केर ने सुने लूस और तुमी सेखुखुने पर लगातार चौके जड़ते हुए रन गति तेज की। इसके बाद ब्रूक हालिडे के साथ मिलकर 73 रनों की अहम साझेदारी की। अंतिम ओवरों में केर ने तेज रन बटोरते हुए टीम का स्कोर 20 ओवर में 194/6 तक पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका और तुमी सेखुखुने ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। लिया ताहुहु और सोफी डिवाइन ने पावरप्ले में ही शीर्ष क्रम को झकझोर दिया और टीम 40 रन पर 4 विकेट गंवा बैठी। एनेरी डर्कसन ने 23 रन बनाकर संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी अमेलिया केर ने आउट कर दिया। इसके बाद कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका और पूरी टीम 20 ओवर में 102/9 तक ही पहुंच सकी। संक्षिप्त स्कोरकार्डः न्यूजीलैंड - 20 ओवर में 194/6 (अमेलिया केर 105, जार्जिया प्लिमर 27; अयाबोंगा खाका 3/32, तुमी सेखुखुने 3/32). रही।

आईपीएल 2026 में संजू सैमसन के पास बड़ा मौका, धोनी के खास क्लब में शामिल होने की दहलीज पर

नई दिल्ली। संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई और अब उनकी नजर आईपीएल 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने पर टिकी है। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में नाबाद 97, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन की अहम पारियां खेलकर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। अब आईपीएल में भी अगर वह इसी फार्म को बरकरार रखते हैं, तो एक खास रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। दरअसल, विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर 5000 या उससे ज्यादा रन बनाने का कारनामा अभी तक सिर्फ एमएस धोनी ने किया है। धोनी ने 2008 से 2025 के बीच 278 मैचों की 242 पारियों में 5439 रन बनाए हैं, जिसमें 24 अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि केएल राहुल के नाम भी 5000 से ज्यादा रन हैं, लेकिन उन्होंने अपने पूरे करियर में हर मैच विकेटकीपर के रूप में नहीं खेला है। संजू सैमसन इस खास क्लब में शामिल होने के बेहद करीब हैं। उन्होंने 2013 से 2025 के बीच 177 मैचों की 172 पारियों में 3 शतक और 26 अर्धशतक की मदद से 4704 रन बनाए हैं।

हाकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार में डबल नामिनेशन से आत्मविश्वास से भरे प्रिंस दीप ने कहा- इससे मेरे मन के कई संदेह दूर हुए

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

हाकी इंडिया के 8वें वार्षिक पुरस्कार 2025 में गोलकीपर आफ द ईयर और अपकमिंग प्लेयर आफ द ईयर (अंडर-21 पुरुष) के लिए नामित होने वाले प्रिंस दीप सिंह के लिए यह उपलब्धि सिर्फ एक सम्मान नहीं, बल्कि आत्मविश्वास बढ़ाने वाला बड़ा मोड़ है। प्रिंस ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं। आमतौर पर ऐसे अवार्ड के लिए समय लगता है, लेकिन मुझे जल्दी मौका मिला। इससे मेरे मन के कई संदेह दूर हुए और अब लगता है कि मैं सही दिशा में हूं। युवा गोलकीपर ने अपने अब तक के सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा दबाव में खुद को साबित करने की कोशिश की है। जूनियर वर्ल्ड कप में अहम मुकाबलों को याद करते हुए उन्होंने कहा, ऐसे मैचों में टीम का भरोसा बहुत मायने रखता है। जब साथियों ने मुझ पर विश्वास जताया, तो मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया और मैं टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन कर सका। प्रिंस ने बताया कि उनका करियर गोलकीपर के रूप में शुरू नहीं हुआ था। उन्होंने कहा, मैं शुरुआत में डिफेंडर था, लेकिन फुटबाल खेलते समय गोलकीपिंग करता था। वहीं मेरे कोच ने मेरी काबिलियत पहचानी और मुझे हाकी में गोलकीपर बनने के लिए कहा। वहीं से मेरी असली यात्रा शुरू हुई। गोलकीपिंग को मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण बताते हुए प्रिंस ने कहा, इस पोजीशन पर हमेशा दबाव रहता है- चाहे दर्शकों का हो या मैच की स्थिति का। मैं मैच से एक दिन पहले ही मानसिक तैयारी शुरू कर देता हूं। मैदान पर लगातार संवाद बनाए रखना मुझे नियंत्रण में रखता है। सीनियर टीम में अभी तक पदार्पण नहीं करने के बावजूद दिग्गज गोलकीपर्स के साथ नामांकन पर उन्होंने कहा, भारत में गोलकीपर्स की मजबूत प्रतिस्पर्धा है। ऐसे खिलाड़ियों के बीच नाम आना मेरे लिए बहुत खास है और इससे मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। अंत में उन्होंने अपने लक्ष्य को स्पष्ट करते हुए कहा, मेरा सपना भारतीय सीनियर टीम का मुख्य गोलकीपर बनना और देश के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना है। अगर मुझे यह अवार्ड मिलता है, तो मैं इसे अपने परिवार को समर्पित करूंगा, क्योंकि उनका समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

केकेआर ने आंद्रे रसेल के सम्मान में रिटायर की जर्सी नंबर 12

कोलकाता। आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने दिग्गज आलराउंडर आंद्रे रसेल को खास सम्मान देते हुए उनकी जर्सी नंबर 12 को रिटायर करने का ऐलान किया है। यह घोषणा टीम के प्री-सीजन इवेंट नाइट अनप्लग्ड 3.0 के दौरान की गई। रसेल, जिन्हें फ्रेंचाइजी ने इटरनल नाइट का दर्जा दिया है, 2014 से 2025 तक केकेआर के लिए खेलते रहे और इस दौरान उन्होंने टीम को कई यादगार जीत दिलाई। उन्होंने 140 आईपीएल मैचों में 2651 रन बनाए और 123 विकेट लिए। वह लीग के चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2000 से ज्यादा रन और 100 से अधिक विकेट का दोहरा आंकड़ा हासिल किया है। रसेल केकेआर की 2014 और 2024 की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभा चुके हैं। 2019 सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर भी चुना गया था। इसके अलावा, 2021 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 5/15 का उनका प्रदर्शन केकेआर के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा कि रसेल का टीम के साथ लंबा और भावनात्मक रिश्ता रहा है और जर्सी नंबर 12 उनके साथ खास पहचान बन चुका है, इसलिए इसे रिटायर कर उन्हें सम्मान दिया गया। वहीं, रसेल ने इस मौके पर भावुक होते हुए कहा कि केकेआर के साथ उनका सफर बेहद खास रहा है और फ्रेंचाइजी ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।

सीजन के अंत में लिवरपूल छोड़ेंगे मोहम्मद सालाह, भावुक संदेश में किया ऐलान

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि वह मौजूदा सत्र के अंत में लिवरपूल फुटबाल क्लब को छोड़ देंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में अपने विदाई संदेश की शुरुआत करते हुए इस फैसले की पुष्टि की।

33 वर्षीय सालाह ने कहा, दुर्भाग्य से यह दिन आ गया है। यह मेरी विदाई का पहला हिस्सा है। मैं इस सत्र के अंत में लिवरपूल छोड़ दूंगा। उन्होंने क्लब, शहर और प्रशंसकों के साथ अपने गहरे जुड़ाव को याद करते हुए इसे अपने जीवन का अहम हिस्सा बताया। सालाह लिवरपूल के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 435 मैचों में 255 गोल किए हैं और इस सूची में केवल इयान रश और रोजर हंट उनसे आगे हैं। 2017 में क्लब से जुड़ने के बाद उन्होंने दो प्रीमियर लीग खिताब, चैंपियंस लीग, एफए कप, सुपर कप, क्लब विश्व कप और लीग कप जैसे कई बड़े खिताब जीते।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह क्लब और यहां के लोग उनके जीवन का इतना बड़ा हिस्सा बन जाएंगे। उन्होंने अपने साथियों और प्रशंसकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके करियर के सबसे अच्छे और कठिन समय में मिले समर्थन को वह कभी नहीं भूलेंगे।

मोहम्मद सालाह ने यह भी कहा कि लिवरपूल हमेशा उनके दिल में रहेगा और यह क्लब उनके लिए घर जैसा रहेगा।

उन्होंने भावुक शब्दों में कहा, यहां से जाना आसान नहीं है, लेकिन मैं हमेशा इस क्लब का हिस्सा रहूंगा। गौरतलब है कि सालाह ने 2019-20 सत्र में लिवरपूल को 30 साल बाद लीग खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, पिछले साल नवंबर में क्लब के कोच आर्ने स्लाट के साथ मतभेदों की खबरें भी सामने आई थीं, जिसने उनके भविष्य को लेकर अटकलों को और तेज कर दिया था।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल : जितेश

मुम्बई। विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं। उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है। पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी। इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं। इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट हाल आफ फेम में जेरेमी कोनी और हैडी टिफेन शामिल

वेलिंगटन, 25 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने हाल आफ फेम में पूर्व आलराउंडर जेरेमी कोनी और हैडी टिफेन को शामिल किया है। यह पिछले साल घोषित फर्स्ट इलेवन के बाद पहली बार नए नाम जोड़े गए हैं।

जेरेमी कोनी ने 1974 से 1987 के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला और 1980 के दशक में न्यूजीलैंड टीम के स्वर्णिम दौर में अहम भूमिका निभाई। उनकी कप्तानी में टीम ने 1985 और 1986 में तीन ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत दर्ज की, जिसमें आस्ट्रेलिया को उनके घर और न्यूजीलैंड में तथा इंग्लैंड को इंग्लैंड में हराना शामिल था। कोनी ने 52 टेस्ट मैचों में 2668 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि गेंदबाजी में 27 विकेट लिए। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 88 मैचों में 1874 रन और 54 विकेट हासिल किए। संन्यास के बाद वे सफल कमेंटेटर और प्रस्तुतकर्ता बने।

वहीं, हैडी टिफेन को न्यूजीलैंड की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने 1999 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 19 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। टिफेन ने 117 वनडे मैचों में 2919 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं, साथ ही 49 विकेट भी लिए। उन्होंने दो टेस्ट और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले। कप्तान के रूप में उन्होंने टीम को 2009 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया। संन्यास के बाद उन्होंने न्यूजीलैंड महिला टीम को कोचिंग भी दी। टिफेन ने इस सम्मान पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ा गौरव है और वह उन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रही हैं, जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया। गौरतलब है कि पिछले साल हाल आफ फेम की शुरुआत के दौरान बर्ट सटक्लिफ, जान आर. रीड, जैकी लार्ड, ट्रिश मैककेल्वी, ग्लेन टर्नर, सर रिचर्ड हैडली, डेबी हाकले, मार्टिन क्रो, एमिली ड्रम्म, डेनियल विटोरी और ब्रेंडन मैक्कुलम जैसे दिग्गजों को शामिल किया गया था। हाल आफ फेम में शामिल होने के लिए खिलाड़ी का न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करना और कम से कम पांच साल पहले संन्यास लेना जरूरी है। चयन खिलाड़ियों के प्रदर्शन, नेतृत्व क्षमता और उनके प्रभाव को ध्यान में रखकर किया जाता है। कोनी और टिफेन को औपचारिक रूप से न्यूजीलैंड क्रिकेट अवार्ड्स के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

आईपीएल 2026 से पहले टीमों को झटका, 9 विदेशी खिलाड़ी शुरुआती मैचों से बाहर

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है, लेकिन सीजन के आगाज से पहले ही कई टीमों को बड़ा झटका लगा है। फिटनेस और अन्य कारणों के चलते कुल 9 विदेशी खिलाड़ी शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, जिससे टीम संयोजन पर असर पड़ना तय है। खास बात यह है कि इनमें चार खिलाड़ी आस्ट्रेलिया के हैं, जो अपनी-अपनी टीमों के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पूरी तरह फिट नहीं हैं और शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कमान ईशान किशन को सौंपी गई है। वहीं रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी चोट से उबर रहे हैं और संभावना है कि वह 12 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे। दिल्ली कैपिटल्स को भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उनके स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे। उन्हें क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया है। इसके अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाड़ी मैथ्यू शार्ट अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज लाकी फर्ग्यूसन भी शुरुआती सात मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि वह पारिवारिक कारणों से अपने देश में हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा पथिराना भी सीजन के पहले दो हफ्तों के लिए बाहर रहेंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल हैं और उनके शुरुआती मैचों में खेलने पर संशय बना हुआ है। सनराइजर्स हैदराबाद के ही ईशान मलिंगा कंधे की चोट के चलते श्रीलंका में हैं और फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही टीम से जुड़ पाएंगे। वहीं रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नुवान तुषारा को भी फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद ही खेलने की अनुमति मिलेगी। इन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों में टीमों को अपने संयोजन में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे टूर्नामेंट की शुरुआत और भी दिलचस्प होने की उम्मीद है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल अनुष्का को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुभकामनाएं भी

ग्वालियर । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ग्वालियर की अनुष्का शर्मा को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार शाम ग्वालियर एयरपोर्ट पर अनुष्का का स्वागत कर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 17 अप्रैल से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। 22 वर्षीय बैटिंग आल राउंडर अनुष्का ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) और घरेलू किकेट में बेहतर प्रदर्शन किया था। उसी के आधार पर उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली महिला टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड का दौरा करेगी। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वालों को ही विश्वकप में जगह मिलेगी। भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा 17 अप्रैल से शुरू हो रहा है, जहां उसे मेजबान टीम से पांच मैचों की टी 20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए अनुष्का को पहली बार शामिल किया गया है। अनुष्का शर्मा दाएं हाथ की बल्लेबाज होने के साथ ही आफ स्पिन गेंदबाजी भी करती हैं इससे पहले डब्ल्यूपीएल में उन्हें गुजरात जायंट्स ने 45 लाख रुपये में खरीदा था। उन्होंने अपनी टीम की ओर से 7 मैचों में 129.19 के स्ट्राइक रेट से कुल 177 रन बनाए थे।

जल्द आ रहा महिंद्रा की थार और स्कार्पियो-एन का नया फेसलिफ्ट अवतार

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

अगर आप महिंद्रा थार या महिंद्रा स्कार्पियो-एन खरीदने का विचार कर रहे हैं, तो थोड़ा इंतजार करना फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि जल्द ही इनके फेसलिफ्ट माडल बाजार में आने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, स्कार्पियो-एन को सबसे पहले अपडेट मिलने की संभावना है।2022 में लान्च हुई इस एसयूवी को अब नए डिजाइन के साथ पेश किया जाएगा, जिसमें फ्रंट में नई रेडिएटर ग्रिल, अपडेटेड बंपर और नया एयर इनटेक शामिल हो सकता है। इसके साथ ही नई डिजाइन की हेडलाइट्स, 18-इंच के नए अलाय व्हील्स और रियर में अपडेटेड टेललैंप्स भी देखने को मिल सकते हैं। केबिन में नया कलर थीम और बड़ी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिए जाने की उम्मीद है, जबकि इंजन और गियरबाक्स में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। दूसरी ओर थार को भी नया रूप दिया जाएगा, जिसमें सबसे ज्यादा बदलाव इसके एक्सटीरियर डिजाइन में देखने को मिलेंगे।इसमें थार राक्स से प्रेरित नई 6-स्लाट ग्रिल, सी-शेप एलईडी डीआरएलएस और अपडेटेड एलईडी हेडलाइट्स शामिल हो सकती हैं। साथ ही बड़े अलाय व्हील्स का विकल्प भी मिल सकता है, जो इसके मस्कुलर लुक को और आकर्षक बनाएगा। इंटीरियर में भी कुछ नए फीचर्स जैसे वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीटें और पुश-बटन स्टार्ट जैसे आधुनिक फीचर्स जोड़े जा सकते हैं।

इलेक्ट्रिक एसयूवी आईकार वी 23 मचाएगी हलचल

नई दिल्ली ।जेएसडब्ल्यू ग्रुप और चीन की कंपनी चेरी आटोमोबाइल की साझेदारी से बनी इलेक्ट्रिक एसयूवी आईकार वी 23 की लांचिंग की तैयारी तेज हो गई है। इस एसयूवी को हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन के पास टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों में इसकी रोड प्रेजेंस और रियर डिजाइन झलकता है, हालांकि वाहन पूरी तरह कैमोफ्लाज से ढका हुआ था। इस अपकमिंग एसयूवी का डिजाइन लाइफस्टाइल एसयूवी कैटेगरी को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इसका बाक्सी और चौकोर रियर डिजाइन इसे रफ-एंड-टफ अपील देता है। टेस्ट म्यूल में स्टील व्हील्स देखने को मिले, जिससे संकेत मिलता है कि यह शुरुआती प्रोटोटाइप है और कंपनी फिलहाल बेस वेरिएंट्स पर फोकस कर रही है। इसके बावजूद इसकी मस्कुलर बाडी और ऊंचा स्टांस इसे एक मजबूत रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं। मैन्युफैक्चरिंग की बात करें तो इस एसयूवी को भारत में ही असेंबल किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू मोटर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में अपना नया प्लांट स्थापित कर रही है, जहां अगस्त 2026 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल के स्तर से नीचे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल (कच्चे तेल) की कीमत एक बार फिर 100 डालर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गई है। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:15 बजे ब्रेंट क्रूड 99.17 डालर प्रति बैरल के स्तर पर और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 88.51 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इसके पहले ब्रेंट क्रूड पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को 104.49 डालर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 92.35 डालर प्रति बैरल के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था। कारोबार की शुरुआत में ब्रेंट क्रूड लगभग छह प्रतिशत की कमजोरी के साथ 99.83 डालर प्रति बैरल के स्तर पर खुला। ट्रेडिंग शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही ब्रेंट क्रूड की कीमत घट कर 97.18 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आ गई। इस गिरावट के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत में इजाफा हुआ, जिससे थोड़ी देर के लिए ब्रेंट क्रूड उछल कर 100.03 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही इसकी कीमत एक बार फिर 100 डालर के स्तर से नीचे आ गई। सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 5.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.17 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में भी पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 88.53 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी ही देर में इसकी कीमत टूट कर 86.72 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आ गई। इसके बाद कुछ देर के लिए डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 89.36 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएनजी कनेक्शन...

अगर मकान मालिक पाइपलाइन फिटिंग के लिए मना कर देता है, तो भी 90 दिन बाद उस पते पर एलपीजी सप्लाई बंद हो जाएगी। सरकार का नया नियम पते पर आधारित है, व्यक्ति पर नहीं। अगर उस पते पर पाइपलाइन संभव है, तो तेल कंपनियां वहां सिलेंडर देना बंद कर देंगी।

अगर आप घर बदलते हैं, तो पीएनजी कनेक्शन वहीं रहेगा। घर छोड़ने से पहले गैस कंपनी को इसकी जानकारी देनी होगी। कंपनी अकाउंट बंद कर सिक्योरिटी डिपॉजिट वापस दे देगी। नए घर में अगर पीएनजी नहीं लगी है तो जाकर फिर से वही प्रक्रिया दोहरानी होगी। अगर उस घर के आस-पास पाइपलाइन सुविधा नहीं है, तो फिर से एलपीजी सिलेंडर ले सकते हैं।

रखीं...

हथियार घटने की चिंता सता रही है। अमेरिकी युद्ध मंत्रालय ने घोषणा की है कि उन्होंने 4 कंपनियों के साथ 3 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि हथियारों के उत्पादन में बढ़ोतरी और प्रक्रिया में तेजी आ सके।

इसमें टीएचएएडी मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी शामिल है। इन समझौतों के तहत, बीएई सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन टीएचएएडी इंटरसेप्टर के लिए सिक्कर के उत्पादन को चौगुना करेंगे। वहीं हनीवेल एरोस्पेस महत्वपूर्ण घटकों के उत्पादन में बढ़ोतरी करेगी। टीएचएएडी प्रणाली को बैलिस्टिक मिसाइलों को उनके टर्मिनल चरण में रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उपयोग अमेरिकी सेना और अन्य देश करते हैं। लॉकहीड मार्टिन ने हाल ही में टीएचएएडी इंटरसेप्टर के उत्पादन को 96 से बढ़ाकर 400 प्रति वर्ष करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

ईरान को लगातार तबाह करने की धमकी देने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी अब अचानक शांति की बात करने लगे हैं। बीते 2-3 दिन से वे बार-बार शांति समझौते की बात कर रहे हैं।

मोदी...

उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर कुल 8,931 दिनों का नेतृत्व पूरा किया है और अब वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रमुख बन गए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट की यह रेटिंग विभिन्न देशों के वयस्कों की राय पर आधारित सात दिन के मूविंग एवरेज के आधार पर तैयार की जाती है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ विविड इलेक्ट्रोमेक का आईपीओ, 30 मार्च तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।

लो और मीडियम वोल्टेज इलेक्ट्रिकल पैनल तथा आटोमेशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी विविड इलेक्ट्रोमेक का 130.54 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि छह अप्रैल को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात अप्रैल को एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 528 रुपये से लेकर 555 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 240 शेयर का है। विविड इलेक्ट्रोमेक के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 480 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,66,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 23.52 लाख शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें 98 करोड़ रुपये के 17,65,200 नए शेयर और 4.68 लाख शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.42 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.27 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.27 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के मार्केट मेकर्स के लिए 5.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं हेम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को छह लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.28 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 20.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 9.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 59.63 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 89.55 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 155.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 70.89 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 6.47 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 4.77 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में और कम होकर 4.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 14.17 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 2.38 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 6.98 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 27.45 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 37.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 14.94 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 18.05 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 38.29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 44.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 1.76 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.18 करोड़ रुपये और 2024-25 में 28.39 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 13.50 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार देने के लिए सरकार का बड़ा फैसला

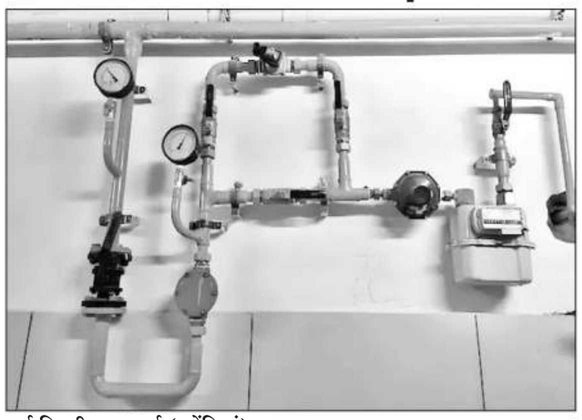

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

देश में प्राकृतिक गैस से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत एक नया आदेश जारी किया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस फैसले का उद्देश्य गैस पाइपलाइन परियोजनाओं में होने वाली देरी को कम करना और प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। मंत्रालय के अनुसार, नए आदेश के तहत पाइपलाइन बिछाने और उनके विस्तार के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की गई है।

अब तक इन परियोजनाओं में मंजूरी मिलने में देरी और जमीन से जुड़ी समस्याएं बड़ी बाधा बनती थीं, जिससे कई प्रोजेक्ट समय पर पूरे नहीं हो पाते थे। नई व्यवस्था से इन अड़चनों को कम करने की कोशिश की गई है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है, जब मध्य पूर्व में चल रहे संकट के कारण गैस सप्लाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में सरकार घरेलू स्तर पर गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहती है।

नई समयसीमा और आसान प्रक्रियाओं से पाइपलाइन परियोजनाओं में आएगी तेजी

मंत्रालय का मानना है कि इस सुधार से गैस वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी, तेज और निवेश के अनुकूल बनेगी। नई नीति के तहत नियमों को सरल किया जाएगा और अनावश्यक प्रक्रियाओं को हटाया जाएगा, जिससे कंपनियों को काम करने में आसानी होगी। इसके साथ ही, एक स्थिर और पारदर्शी कारोबारी माहौल तैयार करने पर भी जोर दिया गया है। सरकार का कहना है कि देश में ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है और वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। ऐसे में गैस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक हो गया है। इस फैसले से न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को गति मिलेगी, बल्कि आम लोगों तक प्राकृतिक गैस की पहुंच भी बेहतर होगी और ऊर्जा के विकल्पों में गैस की भूमिका और मजबूत होगी।

दस वर्षों में करीब 80 प्रतिशत कारें हो जाएंगी आटोमैटिक : गुप्ता

नई दिल्ली। कार खरीदने वाले लोग आजकल गियर बदलने और क्लच दबाने की पारंपरिक प्रक्रिया से तेजी से दूर होते जा रहे हैं। आने वाले लगभग दस वर्षों में देश की करीब 80 प्रतिशत कारें आटोमैटिक हो जाएंगी। यह कहना है स्कोडा आटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता का। उनका मानना है कि इसका स्पष्ट संकेत है कि अब उपभोक्ता ड्राइविंग में मेहनत की बजाय सुविधा और आराम को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी कारण मैनुअल गियरबाक्स की लोकप्रियता में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। वर्तमान समय में आटोमैटिक कारों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि स्कोडा जैसी प्रीमियम कंपनियों के पोर्टफोलियो में यह आंकड़ा और भी अधिक है। कंपनी की लगभग 65 प्रतिशत कारें अब आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ बिक रही हैं। इसका प्रमुख कारण महानगरों और बड़े शहरों में बढ़ता ट्रैफिक है, जहां बार-बार क्लच और गियर बदलना ड्राइविंग को थकाऊ बना देता है। पहले ग्राहक माइलेज और कम मेंटेनेंस को ध्यान में रखकर मैनुअल कारों को प्राथमिकता देते थे, लेकिन अब प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। नई तकनीक के चलते आटोमैटिक गियरबाक्स अब माइलेज के मामले में भी मैनुअल के बराबर या कई बार उससे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

वायदा बाजार में बढ़ी सोना और चांदी की कीमत, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आई तेजी

नई दिल्ली, 25 मार्च (एजेंसियां)।

पिछले कई दिनों से लगातार गिरावट का सामना कर रहे सोने और चांदी के भाव में अंतरराष्ट्रीय बाजार से लेकर वायदा बाजार तक तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने जबरदस्त तेजी दिखाई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना तीन प्रतिशत से अधिक और चांदी पांच प्रतिशत से अधिक उछल गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल की डिलीवरी वाला सोना 3.63 प्रतिशत उछल कर 1,43,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह मई में डिलीवरी वाली चांदी 5.52 प्रतिशत की छलांग लगा कर 2,36,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, सोना और चांदी के भाव में यहां भी तेजी का रुख बना हुआ है। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में हाजिर सोना 3.76 प्रतिशत की उछाल के साथ 4567.30 डालर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह लंदन सिल्वर मार्केट में हाजिरी चांदी की कीमत 5.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 73.57 डालर प्रति औंस के स्तर पर पहुंची हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पश्चिम एशिया में जंग थमने की उम्मीद बनने के कारण निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोना और चांदी जैसे सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट की ओर बढ़ने लगा है। पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद बनने के कारण डालर के प्रति भी आकर्षण कम हुआ है। इसका असर भी सोने और चांदी की कीमत पर सकारात्मक रूप से पड़ा है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि पश्चिम एशिया में जैसे-जैसे लड़ाई थमने की उम्मीद बढ़ेगी, वैसे-वैसे सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में भी तेजी आएगी। खासकर, चांदी की कीमत में तुलनात्मक तौर पर अधिक तेजी आ सकती है।

पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद के कारण ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)।

कारण ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। इसके पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग को लेकर जारी असमंजस की स्थिति की वजह से अमेरिकी बाजार कमजोरी के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में सीजफायर को लेकर अमेरिका और ईरान की ओर से अलग-अलग बयान आने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में असमंजस की स्थिति बनी रही, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,556.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 184.87 अंक 0.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,761.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 379.77 अंक यानी 0.82 प्रतिशत उछल कर 46,503.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,965.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,743.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,636.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 265.50 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,212 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.37 प्रतिशत उछल कर 4,880.19 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 870.61 यानी 2.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,482.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स 1,372.72 अंक यानी 2.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 53,625 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 2.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,440.79 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 98.99 अंक यानी 1.78 प्रतिशत उछल कर 5,652.91 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.88 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,915.49 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,152.21 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 25,078 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 26 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति की भव्य शोभायात्रा कल

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति द्वारा आयोजित श्रीराम नवमी शोभायात्रा शुक्रवार, 27 मार्च को सीताराम बाग स्थित मंदिर से भव्य रूप से निकाली जाएगी। शोभायात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियां शामिल रहेंगी और शहर के प्रमुख मार्गों से होकर इसका समापन कोठी आंध्रा बैंक के पास होगा।

2010 से जारी परंपरा, इस वर्ष भी भव्य आयोजन

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव एवं महामंत्री गोविंद नारायण राठी ने बताया कि समिति वर्ष 2010 से लगातार श्रीराम नवमी के अवसर पर यह शोभायात्रा आयोजित कर रही है।

इस वर्ष शोभायात्रा सीताराम बाग मंदिर में श्रीराम एवं सीता के कल्याणोत्सव के पश्चात दोपहर 12:30 बजे आरंभ होगी।

प्रमुख संतों और राज्यपाल की उपस्थिति रहेगी विशेष आकर्षण

कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल सीताराम बाग मंदिर में आयोजित कल्याणोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

इसके अतिरिक्त उज्जैन से आचार्य स्वामी स्वरूप ब्रह्मचारीजी महाराज तथा गंगोत्री धाम से स्वामी अद्वैतानंदगिरीजी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और बेगम बाजार चौराहे पर आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी शोभायात्रा

शोभायात्रा सीताराम बाग मंदिर से प्रारंभ होकर भोईगुड़ा कमान, मंगलहाट, जाली हनुमान मंदिर, पुराना पुल गांधी पुतला, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार छतरी, बर्तन बाजार, सिद्दिअम्बर बाजार, शंकर शेर होटल तथा गौलीगुड़ा राम मंदिर होते हुए कोठी आंध्रा बैंक के पास समाप्त होगी।

व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन ने दिया आश्वासन

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा के मार्ग पर सुरक्षा एवं सुविधाओं को लेकर तेलंगाना सरकार, नगर पुलिस आयुक्त, जीएचएमसी, वाटर वर्क्स, बिजली विभाग तथा सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया है।

अधिकारियों ने मार्ग पर आवश्यक मरम्मत, साफ-सफाई, पानी, बिजली और फोकस लाइट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है।

शोभायात्रा से मिलेगा श्रीराम के आदर्श जीवन का संदेश

डॉ. भगवंत राव ने कहा कि इस शोभायात्रा के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र, पारिवारिक मूल्यों और आदर्श जीवन से सीख लेने का संदेश समाज तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास, किरोड़ीमल नरसिंगपुरिया, वैकुंठम, महेंद्र व्यास, बाबू गुरु सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार व्यक्त करते हुए नागरिकों से सपरिवार एवं मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में भाग लेने की अपील की।

मंचीरेवुला के पास मिले 1.5 लाख साल पुराने पत्थर के औजार

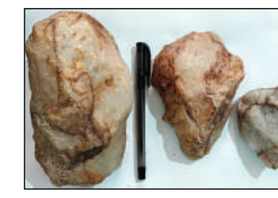

हैदराबाद, 24 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित मंचीरेवुला जंगल में एक जलधारा के किनारे निम्न पुरापाषाण काल के पत्थर के औजार मिले हैं। इनमें हाथ की कुल्हाड़ियाँ और फ्लेक टूल्स शामिल हैं। इस खोज ने इस क्षेत्र में मानव उपस्थिति के समय चक्र को और पीछे धकेल दिया है।कोत्ता तेलंगाना चरित्र बृंदम के संयोजक श्रीरामोजु हरगोपाल और क्लाइमेट फ्रंट तेलंगाना' के उपाध्यक्ष मीर उमर अली खान के अनुसार, ये कलाकृतियाँ 6 लाख से 1.5 लाख साल पुरानी हो सकती हैं।धारवाड़ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर रवि कोरिसेट्टर ने इन औजारों की पहचान करते हुए पुष्टि की है कि ये निम्न पुरापाषाण काल के हैं। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में इस तरह के प्राचीन औजार बार-बार मिल रहे हैं, जो यहाँ एक समृद्ध प्रागैतिहासिक बस्ती होने का संकेत देते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि इससे पहले इसी मंचीरेवुला वन मार्ग पर मध्य पुरापाषाण काल की रॉक आर्ट (शैल चित्र) और पत्थर के औजार भी मिल चुके हैं।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अनुदान कार्यक्रम को आयोजन किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के कई सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की महिला समिति का बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 26 अप्रैल को

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल वेज पार्क में संपन्न हुई, जिसमें महिला समिति द्वारा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

यह टूर्नामेंट रविवार, दि. 26 अप्रैल 2026 को शाम 4:30 बजे से व्हाइट हाउस बिल्डिंग स्थित हॉटफूट बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड (ब्लॉक-3, 10वीं मंजिल की छत) पर खेला जाएगा।

प्रतियोगिता का स्वरूप और नियम

महिला समिति की अध्यक्ष अलका मिंडा ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 8 टीमें भाग लेंगी और प्रत्येक टीम में 6 खिलाड़ी होंगे।

खिलाड़ियों के चयन के लिए आयु वर्ग के अनुसार विशेष नियम बनाए गए हैं। जिनमें- 16-25 वर्ष आयु वर्ग के 2 खिलाड़ी, 26-40 वर्ष आयु वर्ग के 2 खिलाड़ी और 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 2 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में केवल अग्रवाल समाज के सदस्य ही भाग ले सकेंगे और सभी खिलाड़ियों को पहचान के लिए आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

इस कार्यक्रम की संयोजक रिंकू गर्ग होंगी। प्रतिभागियों और अतिथियों के लिए अल्पाहार एवं रात्रि भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी।

संस्था के अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम स्थल के प्रायोजक मनोज अग्रवाल (व्हाइट हाउस वाले) हैं। अतिथि के रूप में राजकुमारी अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल और एम.सी. अग्रवाल ने अपनी सहमति प्रदान की है।

बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, अध्यक्ष योगेश जैन, उपाध्यक्ष शिव कुमार भालवाले, मंत्री विपिन अग्रवाल, सह मंत्री जगतनारायण अग्रवाल, युवा अध्यक्ष प्रतीक नर्सरियां, महिला मंत्री शीनू बंसल सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

संस्था की ओर से इच्छुक प्रतिभागियों को अधिक जानकारी के लिए समिति के किसी भी पदाधिकारी से संपर्क करने की अपील की गई है।

भाजपा बरकतपुरा कार्यालय में बूथ लेवल बैठक आयोजित, संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा बरकतपुरा कार्यालय में बूथ स्तर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भरत गौड उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा नेता क्रांति, चंद्रशेखर, सपना गुप्ता, लक्ष्मी, सतीष तथा अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।बैठक के दौरान बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय करने, कार्यकर्ताओं के समन्वय को मजबूत बनाने और जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी ढंग से चलाने पर विशेष जोर दिया गया।भारत गौड ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में होती है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

जन सेवा संघ द्वारा चैती छठ पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के तत्वावधान में चैती छठ पूजा का आयोजन शहर के हेमानगर, मेडचल और मालकपेट क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय भगत, राजेश चौबे और बिपिन कुमार के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर छठ पूजा के संयोजक आर.पी. सिंह सहित संघ के वरिष्ठ सदस्य मदनलाल रावल, राजेंद्र सिंह सेंगर, राजेश शर्मा, बिनय भगत, धर्मेंद्र, संजय मिश्रा तथा अन्य श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक विधि-विधान से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और समाज के कल्याण की कामना की तथा प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण और भक्ति भाव का विशेष माहौल देखने को मिला, जिसमें स्थानीय श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना श्रद्धालुओं ने की मंगलकामना

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के प्रमुख हरित क्षेत्र केबीआर पार्क में बुधवार को इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा और आरती श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भगवान गणेश से सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।

पूजा कार्यक्रम में वी.ए. प्रसाद सहित अनेक गणमान्य भक्तों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद आरती में सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगांव वाले), विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट), सेशय्या गारु, सुदर्शन रेड्डी, प्रवीण अग्रवाल, अशोक कुमार रूंगटा, मोहनलाल मित्तल, गोपाल भाई, प्रमोद सरायवाला, राहुल सिंघल, अशोक लाखोटिया, बोज रेड्डी, राहुल देशपांडे तथा संध्या अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, माया अग्रवाल और विजया रेड्डी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा 27 को धूमधाम से मनाया जाएगा श्रीराम जन्मोत्सव

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा शुक्रवार, 27 मार्च 2026 को श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम श्री राम दरबार पंचायतीबाड़ा स्थित श्री राम दरबार मंदिर में प्रातः 07:21 बजे से प्रारंभ होगा।

इस आयोजन की तैयारियों को लेकर एक बैठक श्याम सुंदर उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समाज के पदाधिकारियों और स्वजातीय बंधुओं ने भाग लिया। बैठक में जन्मोत्सव कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार: दि. 27 मार्च को प्रातः 07:21 बजे – श्रीराम दरबार में अभिषेक आरंभ। प्रातः 10:31 बजे – भगवान श्रीराम का भव्य एवं अलौकिक श्रृंगारा और दोपहर 12:11 बजे – भगवान श्रीराम के जन्म के क्षण पर ढोल-नगाड़ों के साथ जन्मोत्सव उत्सव होगा।

इसके उपरांत महा आरती का आयोजन किया जाएगा और प्रमुख भजन गायकों द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे पूरे परिसर में भक्ति रस की गूंज सुनाई देगी।

कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा। समिति ने समाज के सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से समय पर उपस्थित होकर भगवान श्रीराम के दिव्य शृंगार के दर्शन करने और प्रसाद ग्रहण करने का विनम्र अनुरोध किया है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर समाज में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखा जा रहा है, और बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

अग्रवाल शिक्षा समिति में दीक्षांत समारोह आयोजित

मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए गए प्रमाण पत्र

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित शंकरलाल धनराज सिग्नोदिया कॉलेज और राधा कृष्णा वूमेन्स कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए समिति के सेड़मल हॉल में बुधवार दि. 25 मार्च को भव्य दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वर्ष 2024 और 2025 के मेधावी विद्यार्थियों को औपचारिक रूप से स्नातक प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम्, सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्साहित करना और उन्हें अपने शैक्षणिक तथा व्यावसायिक लक्ष्यों की ओर प्रेरित करना रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर के. कृष्ण चैतन्या उपस्थित रहे। मंच पर समिति अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया, चेयरमैन डॉ. श्याम सुंदर, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, डोनर सीए नवीन सिग्नोडिया, डोनर प्रवीण कुमार अग्रवाल, कॉरेस्पॉन्डेंट शिव शंकर अग्रवाल, डॉ. महेश कुमार केडिया सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राधा कृष्णा वूमेन्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पद्म प्रिया तथा एस.डी. सिग्नोडिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दाल पड़ाल ने अपने-अपने संस्थानों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर शैक्षणिक उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर के. कृष्ण चैतन्या ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने विशेष रूप से वाणिज्य क्षेत्र में पारदर्शिता और ईमानदारी को सफलता की कुंजी बताया।समिति अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने दानदाताओं और शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षक और विद्यार्थियों की संयुक्त मेहनत का परिणाम है। उन्होंने स्नातकों को जिम्मेदार नागरिक बनने और समाज के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया।द्समारोह के दौरान अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने स्नातक विद्यार्थियों को पेशेवर नैतिकता और देश सेवा की शपथ दिलाई, जिसमें उन्होंने अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्रहित में करने का संकल्प लिया।दकार्यक्रम का संचालन व्याख्याता आकांक्षा जायसवाल, मयूरी बजाज और कामाक्षी बाहेती ने संयुक्त रूप से किया, जबकि डॉ. बद्रीविशाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अवैध गोवंश वध रोकने को तेलंगाना गोशाला फेडरेशन सक्रिय

राज्यपाल-मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी मई माह में होने वाले बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व से पहले तेलंगाना में अवैध गोवध और गोवंश तस्करी को रोकने के लिए तेलंगाना गोशाला फेडरेशन ने सक्रिय कदम उठाए हैं। फेडरेशन ने मंगलवार को राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपकर सख्त कानूनी कार्रवाई और पूर्व-निवारक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की।

फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ 'तेलंगाना गोवंश वध निषेध एवं पशु संरक्षण अधिनियम, 1977' का कड़ाई से पालन होना आवश्यक है। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 48 का हवाला देते हुए सरकार को गोवंश संरक्षण के संवैधानिक दायित्व की याद दिलाई गई।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन ने अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सरकार के सामने प्रस्ताव रखा कि-

30 दिनों का हाई-अलर्ट: त्योहार से एक माह पूर्व विशेष प्रवर्तन दल गठित किए जाएं

सीमाओं पर 24 घंटे नाकेबंदी: राज्य सीमाओं पर चेक-पोस्ट सक्रिय कर संदिग्ध परिवहन पर नजर रखी जाए

पशु बाजारों पर अस्थायी रोक: बकरीद से 15 दिन पहले बड़े पशु बाजारों को अस्थायी रूप से बंद किया जाए

बचाव व चिकित्सा व्यवस्था: पकड़े गए गोवंश के लिए तत्काल शेल्टर होम और चौबीसों घंटे पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए

फेडरेशन अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि संगठन की मांग किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार समय रहते आवश्यक कदम उठाएगी, जिससे शांति भी बनी रहे और अवैध गोवध पर भी प्रभावी रोक लग सके।

फेडरेशन ने पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव से ग्राम पंचायत स्तर तक स्पष्ट एडवाइजरी जारी करने का आग्रह किया है, ताकि अवैध गतिविधियों पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

निस्वार्थ अन्नदान सेवा की प्रेरणा बना राधे-राधे ग्रुप : अनिल अग्रवाल धरसुवाले

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की सच्ची मिसाल पेश की गई।

इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का जो सेवा भाव है, वह निस्वार्थ सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना जाता है और इस प्रकार के कार्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना ही सच्ची मानव सेवा है और हर व्यक्ति को इस भावना को अपनाना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप का यह निरंतर प्रयास समाज में करुणा, सहयोग और एकता की भावना को मजबूत कर रहा है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के लिए विभिन्न समाजों से सहयोग का निवेदन

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने के संकल्प के साथ गौभक्तों द्वारा आगामी 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले गौ सम्मान आह्वान अभियान में सहभागिता एवं सहयोग हेतु विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजों से संपर्क किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत लव फॉर काऊ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल और समाज के सुरेश अग्रवाल, सतीश सरायवाला, विरेन्द्र अग्रवाल और राजेश अग्रवाल से भेंट कर अभियान में सक्रिय भागीदारी का अनुरोध किया।

इसी क्रम में सिकंदराबाद स्थित श्री गुजराती सेवा मंडल के ट्रस्टी जसभाई पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट तथा मंडल के अन्य सदस्यों से भी अभियान में सहयोग देने का निवेदन किया गया। साथ ही लोहाणा समाज के अध्यक्ष मुकेश बदियानी, राजेश बदियानी एवं अन्य पदाधिकारियों से भी संपर्क कर उन्हें इस अभियान से जुड़ने का आग्रह किया गया।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, तरुण मेहता एवं अन्य सदस्यों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में गौसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए जनसमर्थन एकत्र करना है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने का आह्वान किया।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

29 मार्च को महाप्रसादी, जनप्रतिनिधियों को दिया गया आमंत्रण

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत आगामी रविवार, 29 मार्च को कोठी जैन मंदिर के समीप श्री अजित पार्श्व जैन युवा संगठन द्वारा भव्य महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य अतिथियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अंबरपेट विधायक कालेरू वेंकटेश, सुलतान बाजार के सहायक पुलिस आयुक्त मट्टय्या तथा थाना प्रभारी नरेश को आमंत्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त लव फॉर काऊ फाउंडेशन के अध्यक्ष जसमत पटेल तथा कांग्रेस नेता संतोष गुप्ता को आमंत्रित किया गया है।यह निमंत्रण श्री अजित पार्श्व जैन युवा संगठन के निदेशक नरेश पारेख जैन, रिद्धीश जागीरदार, विपिन बांठिया, प्रवीण पांड्या, अशोक एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों को व्यक्तिगत रूप से भेंट कर सौंपा गया।

आयोजकों के अनुसार भगवान महावीर जन्म कल्याणक के इस पावन अवसर पर महाप्रसादी कार्यक्रम में समाज के अनेक श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की उपस्थिति रहने की संभावना है।

आईसीएमआर – एनआईएन में हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित आई सी एम आर – राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एन आई एन) में दि. 25 मार्च को आयोजित समारोह में संस्थान की निदेशक महोदया डॉ. भारती कुलकर्णी जी द्वारा हिन्दी कार्यशाला में प्रशिक्षित कर्मचारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रशासनिक एवं भंडार अनुभाग के स्टाफ के लिए दि. 10 से 18 मार्च 2026 तक ..भारती: बहुभाषी अनुवाद सारथी.. पर एक विशेष अनुवाद कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 26 कर्मचारियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य स्टाफ को अनुवाद उपकरणों की सहायता से अनुवाद में दक्ष बनाना तथा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को और बढ़ाना है।

राजभाषा सलाहकार श्रीरामाराव एवं वी. संतोषी दीपिका द्वारा यह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अनुवाद तकनीकों, भाषा की सूक्ष्मताओं तथा प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी के प्रभावी उपयोग के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

समारोह का शुभारंभ डॉ. सुब्बाराव एम. गवरवरपु, वैज्ञानिक – जी / संयोजक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने किया। उन्होंने यह कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन सभी प्रशिक्षणार्थियों का दायित्व है और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कार्य करने का सलाह दी।

संस्थान की निदेशक महोदया डॉ. भारती कुलकर्णी जी ने अपने करकमलों द्वारा सभी प्रशिक्षित स्टाफ को प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने उनके संबोधन में प्रतिभागियों को अपने कार्य में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह कहा कि अपने दैनंदिन कार्य में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाएं। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस आयोजन ने न केवल स्टाफ को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया बल्कि हिन्दी अनुवाद के प्रति उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया। प्रमाण पत्र वितरण समारोह के आयोजन में संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों का भी सराहनीय योगदान रहा।

धर्म परिवर्तन कर एससी आरक्षण लेना संविधान के साथ धोखा : बालास्वामी

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालास्वामी ने कहा है कि धर्म परिवर्तन कर ईसाई जीवन पद्धति अपनाने के बावजूद अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण का लाभ लेना संविधान और सामाजिक न्याय की भावना के विरुद्ध है। उन्होंने इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय का स्वागत करते हुए इसे दुरुपयोग पर कड़ा संदेश बताया।

बालास्वामी ने कहा कि एससी आरक्षण ऐतिहासिक रूप से सामाजिक भेदभाव झेलने वाले वर्गों के उत्थान के लिए दिया गया संवैधानिक संरक्षण है। धर्म परिवर्तन के बाद भी इसका लाभ लेना वास्तविक अधिकारधारकों के साथ अन्याय है।

उन्होंने कहा कि प्रमाणपत्र में हिंदू दर्शाकर, जबकि जीवन में ईसाई आचरण अपनाना, कानून और समाज दोनों के साथ छल है।

उन्होंने राज्य सरकारों, जिला प्रशासन और जांच एजेंसियों से अपील की कि फर्जी जाति प्रमाणपत्रों और धर्म छिपाकर आरक्षण लाभ लेने के मामलों की विशेष जांच कराई जाए।

बालास्वामी ने कहा कि ऐसे मामलों में जालसाजी, धोखाधड़ी और सरकार को गुमराह करने के आरोपों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद की ओर से उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से कुछ कदम उठाने की मांग की- जिसमें 1) एससी आरक्षण लाभार्थियों का व्यापक ऑडिट, 2) फर्जी प्रमाणपत्रों का तत्काल रद्दीकरण, 3) अयोग्य लाभार्थियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे और 4) वास्तविक पात्रों को उनके अधिकार सुनिश्चित करना शामिल हैं।

बालास्वामी ने कहा कि सामाजिक न्याय के नाम पर आरक्षण के दुरुपयोग को समाप्त करने का समय आ गया है और सुप्रीम कोर्ट का निर्णय इस दिशा में स्पष्ट संवैधानिक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

बिहार स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से आयोजित

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मान समारोह ने बांधा समां

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोइनपल्ली स्थित मल्लारेड्डी गार्डन में बिहार फाउंडेशन चैप्टर तथा बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 24 मार्च को सायं 4 बजे से बिहार स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

परबत सोलंकी द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विकास राज, सम्मानित अतिथि सेवानिवृत्त उप महानिरीक्षक एम. के. सिंह, बिहार फाउंडेशन के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्र, बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह, महासचिव प्रभास कुमार तथा कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

समारोह में भोजपुरी कलाकार शिल्पी राज, विजय चौहान, मनोज तिवारी और रविराज दीपू द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

बिहार स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य तेलंगाना में बसे बिहारी समुदाय को आपस में जोड़ना, उनकी संस्कृति और व्यापार को बढ़ावा देना तथा उन्हें पहचान और प्रसिद्धि दिलाना है।

बिहार फाउंडेशन के उद्देश्यों और इतिहास पर प्रकाश

बिहार फाउंडेशन की स्थापना बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2006 में की गई थी, जबकि हैदराबाद चैप्टर की शुरुआत वर्ष 2010 में हुई। इसका प्रमुख उद्देश्य बिहार में निवेश को प्रोत्साहित करना तथा प्रवासी बिहारियों को एक मंच पर लाना है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विकास राज द्वारा बिहार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य सुभाष सिंह यादव, डी. यादव, भरत सिंह तथा बिहार भवन निर्माण में सहयोग देने वाले भामाशाह अशोक सिंह, राम बाबू सिंह, आर. बी. पंडित, राजू राय, सुरेश सिंह, संजय सिंह (पटनचेरु), गोपाल भगत, जितेन्द्र गुप्ता, सतीश झा सहित अनेक समाजसेवियों का मोमेंटो और शॉल देकर सम्मान किया गया।

इसके अतिरिक्त बिहार एसोसिएशन की महिला शक्ति की उपाध्यक्ष रेखा सिंह, कोषाध्यक्ष अनीता सिंह, पिंकी सिंह, उषा कुमार, विनिता सिंह, क्रिकेट टीम के कप्तान नवनीत सिंह तथा उद्योग, चिकित्सा एवं पेशेवर क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले प्रवासी बिहारियों, बीजेयूपी राजपूत सेवा संघ के अध्यक्ष लल्लन सिंह, मिथिला सामाजिक मंच के संयोजक रामविनोद झा, कुम्बकार कल्याण समिति के अध्यक्ष अंगद कुमा गुप्ता, भुंजवा समाज के अध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता, कुशवाहा समाज के अध्यक्ष गेनालाल कुशवाहा, सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के अध्यक्ष सुरेश सिंह, बिहार माली संगम मल्काजगिरी के अध्यक्ष शम्भूनाथ भगत, संतोषी माता मंदिर समिति पिरजादीगुड़ा के अध्यक्ष योगेन्द्र वर्मा तथा ब्रह्मर्षि सेवा समाज के अध्यक्ष पंकज सिंह सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

स्वागत भाषण में डॉ. आशा मिश्र ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, कौन कहता है आकाश में पत्थर नहीं ठहरता, एक बार उछाल कर तो देखो। उन्होंने तेलंगाना में बसे बिहारी समाज से एकता और आपसी सहयोग के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि विकास राज ने समाज द्वारा दिए गए सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि आवश्यकता पड़ने पर वे हर संभव सहयोग करेंगे।

बिहार भवन निर्माण और समाज के विकास के लिए प्रतिबद्धता

अध्यक्ष हरेराम सिंह और चेयरमैन मानवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रम में पधारे सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि तेलंगाना में बिहार भवन के निर्माण के लिए समाज के सहयोग से निरंतर प्रयास जारी हैं और समाज के विकास हेतु हरसंभव कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम स्थल पर बिहार के पारंपरिक खानपान, वेशभूषा और कला को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल भी लगाए गए, जिन्हें आगंतुकों ने विशेष रूप से सराहा। हजारों की संख्या में उपस्थित समाजबंधुओं और अतिथियों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी।

सफल आयोजन में अनेक कार्यकर्ताओं का रहा योगदान

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मानवेन्द्र मिश्र, उत्तम कुमार यादव, हरेराम सिंह, प्रभास कुमार, विनोद कुमार गुप्ता, अमरेश मौर्य, दिनेश सिंह, अशोक सिंह, रविशंकर सिंह, अखिलेश सिंह, गोपाल भगत, दीपक यादव, रमेश राम, शत्रुघ्न राम, दिलीप यादव, नगेन्द्र राव, सुमन सिंह, राम विनोद झा, हरेराम यादव, जितेन्द्र गुप्ता, राजू राय, देवनाथ यादव, प्रेम शंकर सिंह, सौरभ सिंह, सुनील यादव, बालकिशन यादव, अरविन्द यादव, विक्की शाह सहित सभी समिति सदस्यों और समाजबंधुओं का विशेष सहयोग रहा।

मंच संचालन विजय कुमार ने किया, जबकि कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार परबत सोलंकी द्वारा किया गया। अंत में दिलीप यादव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

आबू देलवाड़ा तीर्थ में दादा आदिनाथ को स्वर्ण आभूषण और डायमंड तिलक अर्पित

आबू, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन धर्म के प्राचीन एवं विख्यात तीर्थों में से एक आबू देलवाड़ा तीर्थ में भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के मस्तक पर स्वर्ण आभूषण एवं डायमंड जड़ित तिलक अर्पित कर भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न किया गया।प्रेस विज्ञप्ति में महावीर चौधरी जैन और जैनरत्न रमेश पी. तातेड़ (सिरोही, हैदराबाद निवासी) ने बताया कि जैन धर्म के पांच प्राचीन तीर्थों में शामिल इस तीर्थ की 1000वीं वर्षगांठ वर्ष 2031 में मनाई जाएगी। तीर्थ का संचालन सिरोही जैन संघ के तत्वावधान में 'सेठ श्री कल्याणजी परमानंदजी पेढ़ी' द्वारा किया जाता है।

पेढ़ी के नव निर्वाचित अध्यक्ष पंकज ज्ञानचंद गांधी और उपाध्यक्ष सुनील जीवराज सिंघी ने बताया कि प्राचीन काल में भामाशाह तेजपाल और वस्तुपाल जैसे दानवीरों द्वारा निर्मित यह तीर्थ अपनी अद्भुत शिल्पकला के लिए विश्व प्रसिद्ध है। पिछले लगभग 995 वर्षों में करोड़ों श्रद्धालु इस तीर्थ के दर्शन कर चुके हैं।24 मार्च 2026 को शुभ मुहूर्त में आचार्य भगवंत भाग्येशसूरिजी की पावन निशा में चतुर्विध संघ के साथ भगवान आदिनाथ की प्रतिमा पर दो किलोग्राम स्वर्ण आभूषण, डायमंड जड़ित तिलक, चक्षु एवं कपाली अर्पित किए गए। आभूषण धारण कराने के पश्चात प्रतिमा का दिव्य स्वरूप अत्यंत मनोहारी दिखाई देने लगा।

इस पावन अवसर पर सिरोही जैन संघ के टिलायत परिवार के कमलेश चौधरी, टिलायत राकेश बोबावत, दिलीप कुमार वहितरा, पेढ़ी अध्यक्ष पंकज गांधी, उपाध्यक्ष सुनील सिंघी, पावापुरी तीर्थ जीव मैत्री धाम के चेयरमैन किशोर एच. संघवी, तपस्वी रत्न श्रीमती रतनबेन संघवी, श्रीमती सुधाबेन के. संघवी, मारोल जैन संघ के अध्यक्ष एवं पावापुरी ट्रस्टी नवलमल तातेड़, पारस तातेड़, देलवाड़ा पेढ़ी के मुख्य प्रबंधक गोरधन सिंह सहित बड़ी संख्या में भक्तजन एवं नवपद ओली के आराधक उपस्थित रहे।आचार्य भगवंत ने इस अवसर पर कहा कि जैन धर्म में परमात्मा को अर्पण की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है और त्याग, तप, अहिंसा एवं सत्य के मार्ग पर चलकर ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड़ तथा अन्य गणमान्यजनों ने इस पावन आयोजन के सफल संपादन पर सभी श्रद्धालुओं को बधाई और आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

IN THE COURT OF THE HON'BLE
VIII JUNIOR CIVIL JUDGE:
CITY CIVIL COURT AT HYDERABAD
O.S. No. 781 OF 2026

BETWEEN:
1) Shanta Bai Powar
2) Vishal Pawar
3) Vishnu Kumar @ Vishnu Pawar
4) S. Vidya Rani
5) Chavan Archana Prashant
...Plaintiffs
AND
The Tahsildar, Bahadurpura Mandal
& All Concerned
...Defendants

TO
ALL CONCERNED

Please take Notice that she above named Plaintiffs have filed the above suit seeking Declaration for legal status that the Plaintiffs are the only Legal Heirs of Late Sri Murari Rao Pawar S/o Late Maruthi Rao Pawar, R/o 21-7-745, Ghansi Bazar, Hyderabad who died on 13.06.2023.

You are hereby summoned to appear in this court in person or by a pleader duly instructed and able to answer all material questions relating to the suit or who shall be accompanied by some person able to answer all such question on the 16th day of April, 2026 at 10.30 A.M. to answer the claim and further you are hereby directed to file within 30 days of service of this summons a written statement of your defene and to produce on the said day all documents in your possession or power upon which you base you defense.

Take notice that in default of your appearance and to file your statement within 30 days, the suit will be heard and determined in your absence.

//BY ORDER OF THE HON'BLE COURT//

Sd/-
RAVINDER SHARMA
ADVOCATE,
207 Mahaveer Apartments,
3-5-796. Basheerbagh-King Koti Road,
Hyderabad-500029. Ph: 9848933649

हुब्बली–जोधपुर ट्रेन शुरू करने की मांग को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

बेलगावी, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर कर्नाटक के यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हुब्बली से जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए नई ट्रेन शुरू करने की मांग तेज हो गई है। इसी संदर्भ में बेलगावी के राजस्थानी समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) के सदस्य महेंद्र सिंघी से मुलाकात कर उन्हें रेलवे संबंधी मांगों का ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि हुब्बली–जोधपुर मार्ग पर कम से कम तीन माह के लिए त्योहार एवं समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाए या फिर इस रूट पर नियमित ट्रेन सेवा शुरू की जाए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बेंगलुरु से चलने वाली ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ रहती है, जिससे राजस्थान आने–जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

समाज के सदस्यों ने बताया कि उत्तर कर्नाटक के बेलगावी, धारवाड़, हावेरी, गदग, कोप्पल, बागलकोट सहित कई जिलों से राजस्थान जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में हुब्बली से सीधी ट्रेन सेवा शुरू करना समय की आवश्यकता है। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।इस अवसर पर विक्रम राजपुरोहित थांवला, हेमराज साथू, थानसिंह भागली, नरपतसिंह साकरना, रामेश्वर भाटी, महेंद्र भाटी, संतोष शर्मा, सुजाराम चौधरी, सुरेश जैन, विक्रम जैन, चंदन पुरोहित, अमृतलाल शर्मा, पूर्व जेडआरयूसीसी सदस्य महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गो–लेच्छा, प्रवासी यात्री संघ कर्नाटक के प्रदेश महामंत्री सुभाष डंक सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। ज्ञापन स्वीकार करते हुए महेंद्र सिंघी ने आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं रेलवे मंत्रालय से चर्चा कर मांगों को पूरा कराने का प्रयास करेंगे।

हिमालयीन समर्पण ध्यानयोग के प्रणेता शिवकृपानंद स्वामीजी वर्ल्ड मेडिटेशन एक्सपर्ट कमिटी में नियुक्त

हैदराबाद/सियोल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'हिमालयीन समर्पण ध्यानयोग' के प्रणेता पूज्य शिवकृपानंद स्वामीजी को वर्ल्ड मेडिटेशन फ़ाउण्डेशन की विश्व स्तरीय मेडिटेशन एक्सपर्ट कमिटी में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति ध्यान के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान और वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने के प्रयासों को मान्यता प्रदान करती है।

विश्व ध्यान दिवस की घोषणा में फाउंडेशन की भूमिका

फाउंडेशन के प्रयासों से ही यूनेस्को द्वारा 21 दिसंबर 2025 को विश्व स्तर पर 'विश्व ध्यान दिवस' के रूप में मनाने की घो–षणा की गई थी। इस अवसर पर पहली बार पूरी दुनिया में व्यापक स्तर पर ध्यान दिवस मनाया गया, जिससे ध्यान को वैश्विक पहचान मिली।

सियोल में आयोजित दूसरे वर्ल्ड मेडिटेशन डे फोरम में विशेष आमंत्रण

वर्ल्ड मेडिटेशन डे कमेटी और जुंगतो सोसायटी ने पूज्य स्वामीजी को दूसरे वर्ल्ड मेडिटेशन डे फोरम में प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में आमंत्रित किया। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 20 और 21 मार्च 2026 को जुंगतो सामाजिक एवं सांस्कृतिक केंद्र, सियोल में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य विज्ञान और आध्यात्मिकता के बीच की दूरी को कम करते हुए एक समन्वित वैश्विक मेडिटेशन इकोसिस्टम की स्थापना करना था।इस ऐतिहासिक फोरम में विश्व के प्रतिष्ठित ध्यान गुरु, अग्रणी वैज्ञानिक और अनुभवी साधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान, पैनल चर्चाएँ और इंटरैक्टिव वर्कशॉप की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें ध्यान की वैज्ञानिकता, मानसिक स्वास्थ्य और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।

72 देशों में फैल चुका है हिमालयीन समर्पण ध्यानयोग

पिछले 31 वर्षों से पूज्य शिवकृपानंद स्वामीजी हिमालय में प्राप्त साधना के अनुभवों को समाज के साथ साझा कर रहे हैं। वर्तमान में हिमालयीन समर्पण ध्यानयोग से 72 देशों के साधक आध्यात्मिक एवं समग्र विकास की दिशा में लाभान्वित हो रहे हैं।स्वामीजी के प्रयासों को वैश्विक स्तर पर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को आगे बढ़ाने वाला माना जा रहा है। फोरम में उनके विचारों और मार्गदर्शन ने ध्यान को वैश्विक नीति–निर्माण और मानव कल्याण के संदर्भ में उपयोगी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

IN THE COURT OF THE
HON'BLE XX JUNIOR CIVIL
JUDGE, CITY CIVIL COURT AT;
HYDERABAD
O. S. No. 659 OF 2026

BETWEEN
Sri Anil Kumar Patwari & others
...Plaintiffs
AND
Tahsildar / Mandal Revenue Officer
Nampally Mandal, Hyderabad,
& others
...Defendants

To,
All Concern

Please take notice that the above named plaintiffs have filed O.S.No.659 of 2026 praying the Hon"ble Court to declare them the legal heirs of deceased Prem Lata Patwari W/o Late. Chaganlal Patwari, against you and others and the said suit is posted on 09.04.2026 for your appearance, hence you are hereby directed to appear before the above said Hon'ble Court on 09.04.2026 at 10.30 AM in person or through your pleader and if you failed to appear before the above said Hon'ble Court, then the matter will be decided on merits.

// BY ORDER OF THE COURT //

M/s. SUKHRAJ
Advocates
H.No.12-1- 274,
Asif Nagar, Kummarwadi,
Hyderabad-500028, Telangana.
Cell # 9177019888
T.S. No.170/2006

राधे–राधे परिवार के स्नेह से मिला संबल : सुरेश अग्रवाल निजामपुरिया

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास संचालित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में उस समय भावुक माहौल बन गया, जब सुरेश अग्रवाल निजामपुरिया ने अपने बड़े भाई स्वर्गीय श्री श्याम लाल अग्रवाल के निधन पर अपने मन की पीड़ा साझा की।

उन्होंने नम आंखों से बताया कि मंगलवार को उनके बड़े भाई का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दुखद घड़ी में राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने उपस्थित होकर जिस तरह से परिवार को सहारा दिया, वह उनके लिए कभी न भूलने वाला है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक समूह नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में एक परिवार है, जो हर सुख–दुख में साथ खड़ा रहता है।

सुरेश अग्रवाल ने भावुक स्वर में कहा कि उनके भाई स्वर्गीय श्याम लाल अग्रवाल ने अपने जीवन में जो सम्मान, स्नेह और पहचान अर्जित की, वह आज भी लोगों के दिलों में जीवित है। उन्होंने कहा, भाई साहब भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति हर पल महसूस होती है। ऐसा लगता है मानो उनकी आत्मा हमें यहीं से देख रही है, हमें आशीर्वाद दे रही है और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है।उन्होंने आगे कहा कि परिवार के लिए यह अपूरणीय क्षति है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। लेकिन राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों का साथ और उनका स्नेह इस दुख को सहने की शक्ति देता है। आज जब मैं इस सेवा कार्य में शामिल हुआ, तो मुझे महसूस हुआ कि भले ही मेरा अपना परिवार अधूरा हो गया है, लेकिन राधे–राधे परिवार ने उस कमी को बहुत हद तक पूरा कर दिया है। मैं इस स्नेह और अपनत्व के लिए सदैव ऋणी रहूंगा, उन्होंने कहा।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने स्वर्गीय श्याम लाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पूरे वातावरण में एक ओर सेवा का भाव था, तो दूसरी ओर श्रद्धा और संवेदना का अद्भुत संगम देखने को मिला।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, जगन एलाकुर्ती, नंद किशोर अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, भगतराम गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, रविन्द्र शर्मा, मनीष चिंडालिया, सुरेश अग्रवाल निजामपुरिया, रोहित अग्रवाल, सुरेश डालमिया एवं गुरबीर सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवा कार्य के साथ–साथ शोक संतप्त परिवार को अपनी संवेदनाएं भी प्रकट कीं।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, S VENKATESAN, is legally dependent Father of Service No 14654662K, Rank: HAV, Name: V PRABHAKARAN, Unit: HQ 1 EME CENTRE, SECUNDERABAD, residing at VILL:PERIYAUNAI, PO PERIYAUNAI, Teh VELLORE, Dist VELLORE, State:TAMIL NADU, Pin: 632101, I have changed my name from S VENKATESAN to VENKATESAN SUBRAMANI due to correction of name in my Son's Service Records. My Date of Birth is 28-12-1958

CHANGE OF NAME
I, V PADMA, is legally dependent Mother of Service No 14654662K, Rank HAV, Name: V PRABHAKARAN, Unit: HQ 1 EME CENTRE, Secunderabad, Residing at VILL: PERIYAUNAI PO PERIYAUNAI, Teh:VELLORE, Dist:VELLORE, State: TAMIL NADU, Pin 632101, I have changed my name from V PADMA to PADMAVATHI VENKATESAN due to correction of name in my Son's Service Records My Date of Birth is 23-07-1968

CHANGE OF NAME
I, S JYOTHI D/o. PARPATI UPPALAIAH is legally wedded spouse of No. JC724429A, Ex Subedar, SEELAM MADHU SUDHAN, R/o. Plot no. 218, P.B NAGAR COLONY, OLD SAFILGUDA, MEDCHAL- MALKAJGIRI Dist, Telangana-500056 have changed my name from JYOTHI D/o. UPPALA REDDY to S JYOTHI D/o. PARPATI UPPALAIAH as per affidavit no. AD 092702

CHANGE OF NAME
I, G SARADA, is legally dependent Mother of Service No. 17012205A, Rank/ Trade HAV/CLK (SD), Name: GONGATI V K KISHORE, Unit: 1 EME CENTRE, SECUNDERABAD, residing at VILL & POST: YARRAM SETTY VARI PALLI, Teh: KOMAROLE, Dist. PRAKASAM, State: ANDHRA PRADESH, Pin- 523373. I have changed my name from G SARADA, to GONGATI SARADA, due to addition of surname in my Son's Service Records. My Date of Birth is 01-01-1971.

तेलंगाना में पेट्रोल, डीज़ल की कोई कमी नहीं : बंडी संजय

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर तेलंगाना में पेट्रोल और डीज़ल की कथित कमी के बारे में फैल रही अफ़वाहों पर विश्वास न करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी है।

श्री कुमार ने एक बयान में कहा कि तेलंगाना पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल सहित सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास ईंधन का भंडार पर्याप्त है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र सरकार तेल के स्टॉक पर नज़र रखे हुये है ताकि आपूर्ति में कोई रुकावट न आए।

मंत्री ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव से ईंधन की कमी को जोड़ने वाले दावों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे दुष्प्रचार में ''बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है''। उन्होंने कहा कि पूरे

राज्य में पेट्रोल और डीज़ल की नियमित आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है।श्री कुमार ने आगाह किया कि अफ़वाहों के कारण लोग घबराकर ज़्यादा खरीदारी कर रहे हैं, कई वाहन चालक ईंधन स्टेशनों की ओर दौड़ रहे हैं और ज़रूरत से ज़्यादा ईंधन खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि मांग में इस अचानक हुई बढ़ोतरी के कारण कुछ आउटलेट्स पर स्टॉक में अस्थायी कमी आ गई है, जिससे अनावश्यक असुविधा हो रही है।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि कुछ निहित स्वार्थ वाले लोग जानबूझकर कृत्रिम कमी पैदा करने और कालाबाज़ारी करने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए वाहन चालकों से ज़िम्मेदारी से काम करने और अपनी रोज़ाना की ज़रूरत के हिसाब से ही ईंधन खरीदने का आग्रह किया।

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री ने लोगों से गलत सूचनाओं से भ्रमित नहीं होने को कहा। उन्होंने ज़ोर देते हुए नागरिकों से आग्रह किया कि वे बिना पुष्टि वाली रिपोर्टों को न तो फैलाएं और न ही उन पर विश्वास करें। उन्होंने कहा कि अनुशासित खपत से ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित होगी और किसी भी कृत्रिम संकट को रोका जा सकेगा।

राज्य में ईंधन की कोई कमी नहीं है : तेलंगाना पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के बीच जनता से नहीं घबराने की अपील करते हुए स्पष्ट किया है कि राज्य में ईंधन की कोई कमी नहीं है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष एम अमरेंद्र रेड्डी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि ईंधन की कमी के बारे में झूठी और भ्रामक रिपोर्टों के कारण लोग घबराकर खरीदारी (पैनिक बाइंग) कर रहे हैं, जिससे बिक्री में असामान्य वृद्धि हुई है। यह खरीददारी सामान्य स्तर से लगभग तीन गुना अधिक है और इसके कारण कुछ खुदरा विक्रेताओं के पास अस्थायी रूप से स्टॉक कम हो गया है।एसोसिएशन ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि एचपीसीएल, आईओसीएल और बीपीसीएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास पर्याप्त ईंधन स्टॉक उपलब्ध है और आपूर्ति शृंखला सामान्य रूप से काम कर रही है।

परामर्श जारी करते हुए एसोसिएशन ने डिब्बों (कैन्स) में पेट्रोल या डीजल जमा करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि यह पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) मानदंडों का उल्लंघन है तथा इससे आग लगने का गंभीर खतरा हो सकता है। लोगों को सलाह दी गई कि वे केवल अपनी नियमित जरूरतों के अनुसार ही ईंधन खरीदें और भंडारण के लिए अनधिकृत कंटेनरों का उपयोग करने से बचें।

इस बीच, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी राज्य में पेट्रोल, एलपीजी सिलेंडर और यूरिया की उपलब्धता का आकलन करने के लिए बुधवार को विधानसभा समिति हॉल में अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और किसी भी कमी को रोकने के लिए एहतियाती उपायों और प्रभावी स्टॉक प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।एसोसिएशन ने जनता से अपील की है कि वे फर्जी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें फैलाएं। इसके साथ ही असुविधा से बचने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी से व्यवहार करें।

श्रीराम नवमी शोभा यात्रा के लिए तैयार हो रही वीर हनुमान की भव्य प्रतिमा, विधायक राजा सिंह ने किया अवलोकन

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम युवा सेना के तत्वावधान में श्रीराम नवमी के अवसर पर निकाली जाने वाली भव्य शोभा यात्रा की तैयारियाँ जोरों पर हैं। इसी क्रम में विशेष आकर्षण के रूप में तैयार की जा रही श्री वीर हनुमानजी की विशाल प्रतिमा का अवलोकन विधायक टी. राजा सिंह ने किया।

यह प्रतिमा सुंदर कलाकार बब्बु सिंह द्वारा तैयार की जा रही है, जो अपनी उत्कृष्ट शिल्पकला के लिए जाने जाते हैं। विधायक टी. राजा सिंह ने प्रतिमा निर्माण स्थल पर पहुँचकर कलाकार की सराहना की और शोभा यात्रा के आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं।

आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष की शोभा यात्रा में आकर्षक झाँकियाँ, धार्मिक ध्वज, भजन-कीर्तन और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी रहने की संभावना है। वीर हनुमानजी की यह प्रतिमा शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण रहेगी और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह का केंद्र बनेगी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की महत्वपूर्ण घोषणाएँ

तीर्थ यात्रा से लेकर शिक्षा सहायता तक कई योजनाएँ घोषित

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गई हैं। समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं प्रेस मीडिया कमेटी के चेयरमैन मुकुंदलाल अग्रवाल ने आगामी माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि समाज द्वारा कई नई पहलें शुरू की जा रही हैं, जिनकी तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं।

जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा की तैयारी

समाज द्वारा जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए अग्रवाल समाज तेलंगाना की सदस्यता अनिवार्य रखी गई है। सभी इच्छुक व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की निकटतम शाखा में सदस्य बनें। साथ ही शाखा अध्यक्षों से सदस्यता अभियान को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का अनुरोध किया गया है।

इलेक्ट्रिक इंडक्शन और वाटर कूलर योजना

समाज की ओर से इलेक्ट्रिक इंडक्शन योजना भी संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत आवेदन फॉर्म भरना तथा सदस्य होना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, जिन क्षेत्रों में पेयजल की आवश्यकता है, वहाँ समाज द्वारा वाटर कूलर की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में संबंधित समिति के चेयरमैन से संपर्क करने का आग्रह किया गया है।

शिक्षा सहायता और प्रिविलेज कार्ड योजना

जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए समाज द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ केवल समाज के पंजीकृत सदस्यों को ही मिलेगा।इसी क्रम में समाज ने प्रिविलेज कार्ड योजना भी शुरू की है, जिसका उद्देश्य सभी शाखाओं के सदस्यों को स्वास्थ्य सेवाओं में विशेष लाभ प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत समाज के पंजीकृत सदस्यों को एक विशेष प्रिविलेज कार्ड जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से कई अस्पतालों, मेडिकल स्टोर्स, डायग्नोस्टिक सेंटर्स तथा होटलों में विशेष छूट और सुविधाएँ प्राप्त की जा सकेंगी। इस योजना में विभिन्न संस्थानों को जोड़ने का कार्य वर्तमान में सुचारू रूप से चल रहा है।

कम शुल्क में सदस्यता की सुविधा

समाज के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि जो अग्रबंधु शाखा की सदस्यता शुल्क देने में असमर्थ हैं, वे मात्र 11 रुपये देकर केंद्रीय समिति में सीधे सदस्य बन सकते हैं और केंद्रीय समिति के सभी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

समाज के पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाने हेतु शीघ्र आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण करें तथा अधिक जानकारी के लिए समाज के कार्यालय से संपर्क करें।

कांग्रेस को बड़ा झटका: दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी ने पार्टी से दिया इस्तीफा

जगतियाल, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की राजनीति में एक बड़े घटनाक्रम के तहत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही पार्टी के साथ उनका लगभग चार दशक पुराना नाता टूट गया है।

जीवन रेड्डी ने बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है। उन्होंने जगतियाल इकाई में बढ़ती अनुशासनहीनता और आंतरिक कलह का हवाला देते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग दी है।

उनका यह इस्तीफा आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू, टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़, एआईसीसी सचिव सचिन सावंत और सरकारी व्हिप आदि श्रीनिवास जैसे वरिष्ठ नेताओं के प्रयासों के बावजूद आया है। इन नेताओं ने हाल ही में जगतियाल में उनसे मुलाकात कर उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश की थी, लेकिन जीवन रेड्डी अपने निर्णय पर अड़िग रहे।

अपने समर्थकों के साथ एक बैठक में इस्तीफे की घोषणा करते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि कुछ नेता उन्हें दरकिनार करने और उनकी राजनीतिक पहचान मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जिले में उनकी स्थिति को कमजोर करने के लिए एक ''साजिश'' रची जा रही है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के सामने चिंता जताने के बावजूद पार्टी के आंतरिक मुद्दे अनसुलझे रहे, जिससे वह असंतुष्ट थे।

राजनीतिक संघर्षों का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि उनके लिए चुनौतियां नई नहीं हैं। उन्होंने अतीत में एन. चंद्रबाबू नायडू और के. चंद्रशेखर राव जैसे कद्दावर नेताओं का मुकाबला किया है और अब वह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व से अन्य दलों से आए नेताओं को आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोकने का आग्रह किया था, लेकिन उन्हें केवल धैर्य रखने की सलाह दी गई।अंत में उन्होंने सवाल किया कि उन्हें और कब तक इंतजार करना चाहिए? समाधान न मिलने के कारण अंततः उन्हें पार्टी छोड़ने का निर्णय लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि भविष्य की रणनीति समर्थकों से चर्चा के बाद तय की जाएगी। जगतियाल जिले में कांग्रेस के लिए इसे एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है।

पिछली सरकार के अधूरे '2बीएचके' घर भी पूरे करेगी सरकार: पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार गरीबों के लिए आवास योजनाओं पर तेजी से काम कर रही है। आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की कि इंदिराम्मा इल्लू योजना के तहत 31 मार्च से पहले 1.12 लाख घर लाभार्थियों को सौंप दिए जाएंगे। इसके साथ ही, जून के अंत तक अन्य एक लाख घर सौंपने की तैयारी भी चल रही है।

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विभिन्न दलों के विधायकों द्वारा आवास कार्यक्रम पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि विधायकों की शंकाओं और चिंताओं को दूर करने के लिए जल्द ही एक 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर शुरू किया जाएगा, जहां विधायकों के सवालों का जवाब एक दिन के भीतर दिया जाएगा।

मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि प्रत्येक 119 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए स्वीकृत 3,500 इंदिराम्मा घरों के अलावा, सरकार आवश्यकतानुसार 1,000 अतिरिक्त घर प्रति निर्वाचन क्षेत्र मंजूर करने के लिए तैयार है। जनजातीय समुदायों, विशेष रूप से चेंचू आदिवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने उनके लिए विशेष रूप से 12,000 घर अलग से आवंटित किए हैं।मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में चल रहे इस आवास कार्यक्रम को प्रतिष्ठित बताते हुए मंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के समय के अधूरे 2-बेडरूम मकानों को भी पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले चुनाव से पहले आवंटित 25,000 घरों में से लगभग 12,000 को लाभार्थियों ने स्वीकार नहीं किया क्योंकि वे उनके कार्यस्थल से दूर थे। उन्हें दो महीने का समय दिया गया है, यदि वे दावेदारी नहीं करते, तो ये घर 5-10 किमी के दायरे में रहने वाले अन्य पात्र लोगों को दे दिए जाएंगे।पिछली सरकार द्वारा स्वीकृत 2 लाख 2बीएचके घरों में से हैदराबाद सीमा में 1 लाख घर आवंटित किए गए थे, जिनमें से 80,000 विभिन्न चरणों में हैं। सरकार ने 21,000 इकाइयों को पूरा करने के लिए 738 करोड़ खर्च किए हैं, जबकि 62,000 अन्य इकाइयां पूर्ण होने के करीब हैं। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि फंड की कोई कमी नहीं है। अब तक 5,000 करोड़ जारी किए जा चुके हैं और हर हफ्ते बिलों का भुगतान किया जा रहा है।

दलबदल मामला: तेलंगाना हाई कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष और 7 विधायकों को जारी किया नोटिस

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को भारत राष्ट्र समिति से कांग्रेस में शामिल होने वाले सात विधायकों की अयोग्यता की कार्यवाही खारिज किए जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कड़ी कार्रवाई की है। अदालत ने इन सात विधायकों और संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत ट्रिब्यूनल के रूप में कार्य कर रहे विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को नोटिस जारी किया है।

बीआरएस और उसके विधायकोंपाडी कौशिक रेड्डी और पल्ला राजेश्वर रेड्डी सहित अन्य ने स्पीकर के उस आदेश को चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें दलबदल करने वाले विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही को समाप्त कर दिया गया था।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गांड्रा मोहन राव ने तर्क दिया कि इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में स्पष्ट प्रमाण मौजूद हैं कि इन विधायकों ने बीआरएस के टिकट पर चुने जाने के बाद सत्ताधारी कांग्रेस का दामन थाम लिया। इसके बावजूद, ट्रिब्यूनल के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे स्पीकर ने सबूतों की कमी का हवाला देते हुए अयोग्यता की याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो कि मनमाना और संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है।

मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने निम्नलिखित विधायकों को नोटिस जारी कर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है: टी. प्रकाश गौड़ (राजेंद्रनगर), वेंकट राव टेल्लम (भद्राचलम), ए. गांधी (सेरिलिंगमपल्ली), बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी (गडवाल), काले यादैया (चेवेल्ला), दानम नागेंद्र (खैरताबाद) और श्रीनिवास रेड्डी परिगी (बांसवाड़ा)।

अदालत ने इस मामले को भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी द्वारा दायर इसी तरह की एक अन्य याचिका के साथ टैग करने का निर्देश दिया है। अब इस पूरे मामले पर अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी। बीआरएस का तर्क है कि दलबदल विरोधी कानून के तहत इन विधायकों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए क्योंकि इनका कदम लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है।

तेलंगाना सरकार का बड़ा दावा: सत्ता संभालते ही भरी गईं 67,000 से अधिक रिक्तियां

हैदराबाद, 25 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बुधवार को विधानसभा में एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने सदन को बताया कि राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए बड़े कदम उठाए हैं, जिसके तहत कार्यभार संभालने के बाद से अब तक 67,000 से अधिक पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं।प्रश्नकाल के दौरान सदन के सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न सरकारी विभागों में 31,798 रिक्त पदों को भरने के लिए अब तक 16 अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। कुल भर्तियों में से 16,978 पद वर्तमान सरकार द्वारा जारी अधिसूचनाओं के माध्यम से भरे गए, जबकि 50,785 पद पिछली सरकार के समय शुरू हुई भर्ती प्रक्रियाओं को पूरा करके भरे गए हैं।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सरकारी विभागों, सहायता प्राप्त संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सीधी भर्ती के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का समय पर आयोजन सुनिश्चित करने हेतु सरकार ने 7 अगस्त 2024 को तेलंगाना जॉब कैलेंडर पेश किया था। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को उनकी तैयारी प्रभावी ढंग से करने में मदद करना था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.